ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

घोटाले में सीएम–डिप्टी सीएम शामिल, नागेंद्र का इस्तीफा ही काफी नहीं @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 08 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य–6 रु.। वर्ष–6 । अंक–159

नरेंद्र मोदी चुने गए राजग संसदीय दल के नेता

न हारे थे, न हारे हैं, विजय पचाना जानते हैं : मोदी

- भारत की राजनीति में एनडीए जितना सफल कोई नहीं
- हमारे संस्कार में है कि हम हारे हुए का उपहास नहीं करते
- इंडी गठबंधन ईवीएम की अर्थी निकालने की तैयारी में था
- नाम तो बदल लिया, लेकिन उनकी पहचान घोटालों की ही है
- इंडी गठबंधन भारत को बदनाम करने का करता है षड्यंत्र

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी इंडी गठबंधन द्वारा लोकसभा चुनावों में भाजपा की हार के दावे पर शुक्रवार को पलटवार किया और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सच्चे अर्थों में भारत की आत्मा है और अगले दस साल में राजग देश में विकास एवं सुशासन के नए अध्याय लिखेगा।

श्री मोदी ने संविधान सदन (पुरानी संसद) के केन्द्रीय कक्ष में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित राजग के सभी घटक दलों के नवनिर्वाचित सांसदों की संयुक्त बैठक में राजग का नेता चुने जाने के बाद अपने संबोधन में कहा कि वह मानते हैं कि लोकसभा चुनाव 2024 के जो नतीजे हैं अगर हर पैरामीटर पर देखेंगे तो दुनिया ये मानती है और मानेगी कि ये राजग की महाविजय है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में दक्षिण भारत में राजग ने एक नई राजनीति की नींव मजबूत की है। कर्नाटक और तेलंगाना जहां अभी हाल ही में उनकी (कांग्रेस) सरकारें बनी थीं। लेकिन पल भर में इनसे लोगों का विश्वास टूट गया और राजग को गले लगा लिया। उन्होंने तमिलनाडु की टीम को बधाई देते हुए कहा कि आज तमिलनाडु में काफी तेजी से राजग का वोट शेयर बढ़ा है। इसी तरह पहली बार केरल से हमारा प्रतिनिधि बन कर आया है। उन्होंने इस जीत का श्रेय पार्टी ▶7 पर

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया पीएम पद की शपथ लेने तथा नई सरकार बनाने का न्यौता

रविवार शाम को नरेंद्र मोदी लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की नियुक्ति का पत्र शुक्रवार शाम को सौंप दिया और उन्हें नयी मंत्रिपरिषद के लिए नामों की सूची भेजने के लिए कहा।

श्री मोदी शाम छह बजे राष्ट्रपति भवन पहुंचे और राष्ट्रपति से मुलाकात की। बाद में उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है और मंत्रिपरिषद की सूची देने को कहा है । उन्होंने कहा , मैंने राष्ट्रपति को बताया है कि हमें शपथ ग्रहण समारोह के लिए रविवार शाम छह बजे का समय सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने कहा कि उस समय तक मंत्रिपरिषद के सदस्यों की सूची भी राष्ट्रपति को भेज दी जायेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दस वर्ष तक सरकार चलाने का उनका और उनकी टीम के अनुभव का अब देश को अगले पांच वर्ष तक पूरा लाभ मिलेगा और सरकार तेजी से काम करेगी। उन्होंने कहा, 2014 में मैं नया था, अब अनुभव मिला है। भारत की जो वैश्विक छवि बनी है उसका अधिकतम लाभ अब शुरू होगा। ▶7 पर

मोदी के नेतृत्व में देश का विकास जारी रहेगा :चंद्रबाबू

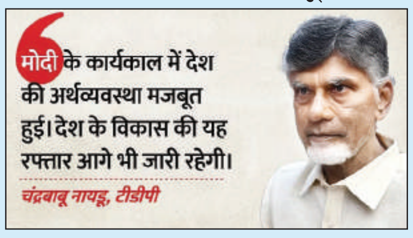

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक में टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया। एनडीए संसदीय दल की बैठक में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा, हम सभी को बधाई दे ▶7 पर

अगली बार आइएगा न, तो वो सब हारेगा : नीतीश कुमार

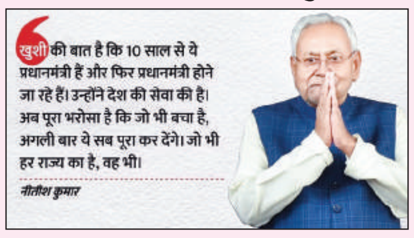

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। नीतीश ने नरेंद्र मोदी के नाम के प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए कहा, खुशी की बात है कि 10 साल से ये प्रधानमंत्री हैं और ▶7 पर

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर, कई घायल

- भारी मात्रा में गोला बारूद और हथियार भी बरामद
- जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है : सीएम विष्णुदेव

रायपुर, 07 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के जवानों ने 7 वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं डीआरजी के तीन जवान घायल हुए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है।

जवानों की इस कामयाबी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है। उनके अदम्य साहस को नमन करता हूं। श्री साय ने कहा है कि नक्सलवाद के खात्मे के लिए शुरू हुई हमारी लड़ाई अब अपने अंजाम तक पहुंचकर ही दम लेगी। इसके लिए हमारी सरकार कृत संकल्पित है।

अतिरिक्ति पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र आज पुलिस नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सात वर्दीधारी नक्सली मारे गए तथा साथ ही कई नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। चार बंदूकें बरामद की गईं। वहीं तीन जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया इस नक्सली विरोधी संयुक्त अभियान में नारायणपुर, कोंडागांव दंतेवाड़ा व जगदलपुर के पुलिसकर्मी तथा भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के जवान शामिल थे। यह मुठभेड़ पूरे दिन रुक–रुक कर चलती रही और चार अलग–अलग जिलों के पुलिस बलों क संयुक्त कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने ऑपरेशन ▶7 पर

चीन की नाराजगी पर ताइवान ने दिखाई आंखें, कहा–

भारत के साथ साझेदारी बनाने के लिए समर्पित

ताइपे, 07 जून (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में जीत के लिए बधाई दी तो चीन भड़क गया और इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सभी देशों को वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करना चाहिए। चीन की नाराजगी पर अब ताइवान ने भी ड्रैगन को आंखें दिखाई हैं और कहा है कि वह भारत के साथ साझेदारी बनाने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

ताइवान के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी किए एक बयान में कहा, दो लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के बीच शुभकामनाओं के आदान–प्रदान पर चीन की नार–ाजगी पूरी तरह से अनुचित है। डराना और धमकाना कभी भी दोस्ती को नहीं पनपने देता। ताइवान आपसी फायदे और साझा मूल्यों के चलते भारत के साथ साझेदारी बनाने के लिए समर्पित है।

दरअसल भारत के आम चुनाव के नतीजों में कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की जीत मिली है और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इस पर दुनियाभर के नेता प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं और बधाई दे रहे हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने भी नरेंद्र मोदी को जीत की बधाई दी, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब में ताइवान के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। इस पर चीन भड़क गया और एक चीन नीति के हवाले से दोनों नेताओं के आपसी शुभकामनाओं के आदान–प्रदान पर नाराजगी जताई।

भारत में स्थित चीनी दूतावास ने भी गुरुवार को एक बयान में कहा कि ताइवान चीन का अभिन्न अंग है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक चीन नीति सार्वभौमिक तौर पर मान्यता प्राप्त मापदंड है। चीनी दूतावास ने कहा कि भारत के ▶7 पर

किसी पीएम को तीसरा कार्यकाल मिलना ऐतिहासिक: धनखड़

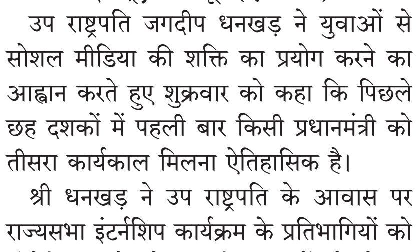

नई दिल्ली 07 जून (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने युवाओं से सोशल मीडिया की शक्ति का प्रयोग करने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले छह दशकों में पहली बार किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल मिलना ऐतिहासिक है।

श्री धनखड़ ने उप राष्ट्रपति के आवास पर राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये कहा कि युवाओं को सोशल मीडिया की शक्ति का प्रयोग करना चाहिये और लोकतंत्र में हानिकारक प्रवृत्तियों के प्रति सतर्क रहना चाहिये। सकारात्मक विकास के लिये संसद में रचनात्मक बहस, संवाद और चर्चा की भूमिका पर जोर देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि यदि इन सिद्धांतों से कोई विचलन देखते हैं, तो जनमत को संगठित किया जाना चाहिये।

इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की पत्नी डॉ सुदेश धनखड़, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी उपस्थित थे। उप राष्ट्रपति ने मौजूदा सरकार के तीसरे कार्यकाल के ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार किया और कहा कि यह पिछले ▶7 पर

बांग्लादेशी सांसद अनार की हत्या के एक आरोपी को नेपाल ने भारत को सौंपा

काठमांडू, 07 जून (एजेंसियां)। कोलकाता में बांग्लादेशी सांसद की हत्या का मामला इन दिनों चर्चाओं में हैं। हत्याकांड से जुड़े एक आरोपी को नेपाल ने आज भारत को प्रत्यर्पित कर दिया है। आरोपी बांग्लादेश का नागरिक है। नेपाली मीडिया के अनुसार, नेपाल पुलिस द्वारा संपर्क किए जाने के बाद सोमवार सुबह नेपाल की इंटरपोल शाखा ने मोहम्मद सियाम हुसैन को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया। बता दें, हत्या के बाद हुसैन नेपाल फरार हो गया था, जिसे नेपाल के सीमावर्ती इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

नेपाली मीडिया के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस चाहती थी कि हुसैन को उनके हवाले किया जाए लेकिन नेपाल ने उसे भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया। बांग्लादेश की ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) के चार सदस्य हुसैन को लेने काठमांडू गई थी। टीम ने नेपाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की और उनसे हुसैन को निर्वासित करने का अनुरोध किया लेकिन नेपाल ने उनके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया। क्योंकि नेपाल और बांग्लादेश के बीच ढाका के साथ कोई भी प्रत्यर्पण संधि नहीं है।

बांग्लादेशी सांसद इलाज के लिए कोलकाता आए थे। उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद अजीम 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे और शहर के उत्तरी इलाके में बारानगर में अपने दोस्त के घर पर ठहरे थे। 13 मई को वह किसी से मिलने गए लेकिन वापस नहीं लौटे। मामले का खुलासा 18 मई को हुआ, जब बांग्लादेशी सांसद के परिचित गोपाल बिस्वास ने थाने में उनके लापता होने की जानकारी दी। अनार कोलकाता में बिस्वास के घर पर ही रुके थे। बिस्वास ने दावा किया कि सांसद 17 मई से उनके संपर्क में नहीं थे। इसलिए उन्होंने एक दिन बाद गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। उनके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। ▶7 पर

विदेशी मुद्रा भंडार अबतक के रिकॉर्ड 651.5 अरब डॉलर पर

मुंबई, 07 जून (एजेंसियां) विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 31 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.84 अरब डॉलर बढ़कर अबतक के रिकॉर्ड 651.5 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.03 अरब डॉलर गिरकर 646.7 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 31 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.1 अरब डॉलर की जबरदस्त बढ़त के साथ 572.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 21.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.5 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 1.7 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.12 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 10 लाख डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4.33 अरब डॉलर हो गया।

कार्टून कॉर्नर

12 जून से अमरावती होगी आंध्र की आधिकारिक राजधानी

खर्च हुए 25,000 करोड़ रुपए, 2014 में हुई घोषणा पर जगन ने काम रोका

हैदराबाद/अमरावती, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीते 2 जून से आंध्र प्रदेश बिना आधिकारिक पूर्ण राजधानी के ही काम रहा है, लेकिन 12 जून से राज्य को पहली आधिकारिक राजधानी मिल जाएगी। हैदराबाद से करीब 510 किमी दूर बसी अमरावती ही आंध्र की नई राजधानी होगी।

यहीं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) चीफ चंद्रबाबू नायडू चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसे राजधानी बनाने में अब तक करीब 25 हजार करोड़ खर्च हो चुके हैं। 2034 तक कुल एक लाख करोड़ खर्च होने हैं। टीडीपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता ज्योत्सना के मुताबिक इसी कार्यक्रम के साथ अमरावती राजधानी के रूप में काम करने लगेगी।

ज्योत्सना के मुताबिक अमरावती में शपथ के पीछे यही मैसेज देना चाहते हैं कि अब से सरकार अमरावती से ही चलेगी। सबसे पहले सरकारी कर्मचारियों, विधायक, एमएलसी के घर बनाए जाएंगे। अमरावती को आधिकारिक राजधानी बनाने की घोषणा चंद्रबाबू नायडू की सरकार के दौरान 2014 में ही हो गई थी, लेकिन 2019 में जगन के सीएम बनने के बाद यहां काम रोक दिया गया था। दरअसल, 2014 से अब तक हैदराबाद तेलंगाना और आंध्र की संयुक्त राजधानी थी, लेकिन 2 जून को समय सीमा खत्म होने के बाद हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी हो गई।

वैसे केंद्र सरकार 2014 में ही अमरावती को आंध्र की पूर्ण राजधानी का दर्जा दे चुकी है, लेकिन यहां सचिवालय, हाई कोर्ट, विधानसभा नहीं थी, इसलिए हैदराबाद से ही काम चल रहा था। नायडू जब 2014 में सीएम बने तो उन्होंने आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया। तब से अमरावती में 217 किमी इलाके को सिंगापुर जैसी ब्लू ग्रीन सिटी के रूप में डेवलप करने की तैयारी चल रही है। तय हुआ था कि इस पर 20 साल में 1.09 लाख करोड़ खर्च होंगे।

इसमें विधानसभा, हाई कोर्ट, सचिवालय, विधायक, सांसदों, एमएलसी और सरकारी कर्मचारियों के आवास के साथ ही 144 सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के दफ्तर बनने हैं। शुरुआत में आंध्र की बुरी आर्थिक स्थिति के बावजूद चंद्रबाबू नायडू ने 50 हजार करोड़ की ▶7 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,693.36
+1618.85 +2.16% ↑
एनएसई :23,290.15
468.75 (2.05%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 22^0

शपथ ग्रहण एवं दायित्व हस्तांतरण समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर का शपथ ग्रहण एवं दायित्व हस्तांतरण समारोह शुक्रवार को तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर के प्रांगण में साध्वी उदितयशा जी के सानिध्य में आयोजित किया गया। साध्वीजी द्वारा नवकार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुवात की गई। तुलसी संगीत सुधा के सदस्यों द्वारा विजय गीत का संगान किया गया। आभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने नवमनोनीत अध्यक्ष विकाश छाजेड़ को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई एवं आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। नवमनोनीत अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष प्रथम नरेश बांठिया, उपाध्यक्ष द्वितीय धर्मेश नाहर, मंत्री सुपार्श्व पटावरी, सह मंत्री प्रथम सरल पटावरी, सह मंत्री द्वितीय श्रेयांश बेंगानी, कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा, संगठन मंत्री संदीप बैद के साथ परामर्शक गण, प्रबुद्ध विचारक एवं कार्य समिति सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विकाश छाजेड़ ने कहा तेरापथ युवक परिषद जैसी गौरवशाली संस्था का अध्यक्ष बनने की इच्छा काफी समय से थी और इस बार अध्यक्ष बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पहले के जैसे एक जुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आभातेयुप निर्देशित कार्यों के साथ साथ अन्य कई नए आयाम कर परिषद को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए मुझे आप सब के साथ की जरूरत पड़ेगी। पद सीमित होने के कारण सब को नहीं जोड़ सकते पर हम सबको साथ मिलकर संघ की सेवा करनी है तथा ज्यादा से ज्यादा साधु संतों के दर्शन सेवा करने का लक्ष्य भी रखना है। साध्वी ने तेयुप सदस्यों के प्रति अध्यात्मिक मंगलकामनाएं देते हुए सभी को एक जुट होकर संघ के हित में कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज जो संकल्प आप यहां ले रहे है उस पर आपको अमल करना है। आभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने नवमानोनित अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम को आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी और कहा विकाश छाजेड़ बहुत वर्षों से तेयूप से जुड़ कर संघ को सेवाएं दे रहे है। इस बार वह अध्यक्ष बनकर बहुत अच्छा काम करेंगे और संघ का गौरव बढ़ाएंगे। संभाग प्रमुख अमित दक ने भी परिषद को नए नए काम करने की प्रेरणा दी। आर आर नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी ने भी नई टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कैंसर जागरूकता अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शुक्रवार को नयदनहल्ली स्थित प्रवेश प्लास्टिक फैक्ट्री में वर्करों के बीच कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के द्वारा हुआ। तत्पश्चात अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रंगदोरे मेमोरियल हॉस्पिटल की गला, गर्दन एवं मस्तिष्क की कैंसर विशेषज्ञ एवं सर्जन डॉक्टर सुषमा मेहता रही। जिनका परिचय मंत्री दीपिका गोखरू ने दिया। डॉ सुषमा ने विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए कहा कि कैंसर पीड़ित 80 प्रतिशत लोगों में गले का कैंसर मुख्य रूप से धूम्रपान, तंबाकू, शराब, गुटका आदि के सेवन से होता है, जिससे बचना चाहिए। गले के कैंसर के लक्षणों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभिक अवस्था में इन लक्षणों के द्वारा कैंसर की पहचान कर ली जाए तो यह जानलेवा साबित नहीं होता। इसके लिए मरीज को इन लक्षणों का थोड़ा सा भी आभास होते ही बिना डरे योग्य चिकित्सक से अपना इलाज करवाना चाहिए। कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी बहनें, फैक्ट्री के ओनर राजेंद्र पींचा एवं वर्कर्स उपस्थित रहे। मंडल द्वारा मुख्य वक्ता डॉक्टर सुषमा मेहता का सम्मान पट्ट एवं साहित्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनीता - राजेंद्र पींचा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन हंसा दुगड़ एवं आभार अनीता जिरावला ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में कुल 45 लोगों की उपस्थिति रही।

युवा सम्मेलन में उमड़ी युवाओं की भीड़

जीतो ग्रोथ समिट के ट्रेड फेयर का भव्य उद्घाटन

उत्पादों को जानने को आतुर दिखे आगंतुक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शुक्रवार सुबह-सुबह ही बेंगलूरु के पैलेस मैदान के चामरा वज्रा में व्यापारी अपने उत्पादों को अपनी निश्चित स्टाल में सजाने को मशगूल थे और उनमे स्टाल का कार्य पूर्ण करने की आतुरता भी थी कि कही आगंतुको की भीड़ आना शुरू न हो जाये। बहुत से व्यापारियों में जल्दबाजी थी तो उन व्यापारियों में निश्चितता भी थी जिनकी स्टाल सज चुकी थी। जीतो की स्टाल व्यवस्थापक टीम स्टाल्स को व्यवस्थित कराने में मदद भी कर रही थी तो साथ में चिन्तामग्न भी दिखी कि कही व्यवस्थाओं में कोई चूक न हो जाये। फूड समिति, जैन पेवेलियन समिति, टेक पेवेलियन समिति, युवा सम्मेलन समिति, पांडाल व्यवस्था समिति, सुरक्षा समिति, मीडिया प्रभार समिति इत्यादि समितियों के सदस्य अपनी-अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त दिखे तो जीतो बेंगलुरु साउथ के अग्रज पूरी तैयारी के साथ आगन्तुकों की मेहमान-नवाजी में आतुर दिखे। यह दृश्य था जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा आयोजित जीतो ग्रोथ समिट के जीतो ट्रेड फेयर के भव्य उद्घाटन का। जैन समाज के उद्यमियों, व्यापारियों एवं पेशेवरों को अपने उत्पाद व सेवाओं को प्रदर्शित करने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करने वाली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रसिद्ध उद्यमी माइक्रो लैब्स के दिलीप सुराणा परिवार, मुख्य प्रायोजक फतेह ग्रेनाईट्स के दिनेश बोहरा, जीतो एपेक्स पदाधिकारियों, निदेशकों, जीतो साउथ के पदाधिकारियों, नॉर्थ पदाधिकारियों, दोनों अध्याय की महिला विंग पदाधिकारियों, साउथ युवा विंग पदाधिकारियों, प्रायोजकों एवं जीतो के पूर्व पदाधिकारियों ने किया। उद्घाटन के अवसर पर जीतो के सभी पदाधिकारियों की प्रफुलता ग्रोथ समिट के सफलता की कहानी गढ़ रही थी। ट्रेड फेयर उद्घाटन के अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए ट्रेड फेयर के प्रायोजकों व ट्रेड फेयर में भाग लेने वाले सभी व्यापारियों-पेशेवरों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेड फेयर में 250 स्टॉल्स में एक ही छत के नीचे सभी प्रकार के उत्पाद व सेवाओं का अनुभव प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ट्रेड फेयर केवल एक प्रदर्शनी न होकर व्यापारियों को अपने व्यापार में ग्रोथ करने का तथा आने वाले समय में व्यापार के मूड को समझने का एक अवसर है जो व्यापारिक उनत्ति की नींव रखने का कार्य करेगा। ट्रेड फेयर उद्घाटन के पश्चात सभी पदाधिकारी स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए जैन पेवेलियन पहुचें जहा पर वीआर थिएटर के उपयोग से भावलोक की यात्रा का अनुभव किया। समृद्ध जैन सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का यह अपने आप में संभवतया प्रथम अनुभव रहा। तेजराज गुलेच्छा, राजेंद्र छाजेड, रमेश हरण, दिलीप सुराणा, शैलेश हरण, मनोज जैन, विनोद जैन हितेश पालरेचा, अशोक सालेचा, दिलीप जैन, पारस भंडारी, अशोक नागोरी, दिनेश बोहरा, इंदरचंद बोहरा, सुधीर गादिया, अशोक गजानन, दिलीप कोठारी, उदय जैन, पवन रांका, दीपक श्रीश्रीमाल, संजय भंडारी, श्रीपाल बच्छावत, सुनीता गाँधी, मोनिका पिरगल, पिंकेश मेहता, संदीप पगारिया इत्यादि जीतो के अपेक्स, केकेजी जोन, साउथ-नोर्थ, महिला-युवा विंग व पूर्व पदाधिकारियों ने टेक पेवेलियन व युवा पेवेलियन का भी अवलोकन किया। दोपहर में युवा पेवेलियन में जीतो बेंगलूरु साउथ की युवा विंग एवं केकेजी जोन द्वारा यूथ फेस्टीवल का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं को उनत्ती की प्रेरणा देने के लिये एथर एनर्जी के सह संस्थापक तरुण मेहता ने होशियार होने से पहले इसे करे विषय पर व्यक्तव्य रखा। मेहता ने नवाचार के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखते हुए नए उत्पाद बनाने और अनुसंधान एवं विकास में भारी निवेश करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतियाँ अपरिहार्य हैं और उनसे सीखने और एक सहायक टीम बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के बारे में आशावादी, मेहता ने एथर बाइक में पासवर्ड-सक्षम गुप्त सुविधा जोड़ने के बारे में एक कहानी साझा की, जो ग्राहकों की प्रतिक्रिया के प्रति कंपनी की जवाबदेही को प्रदर्शित करती है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य निर्धारण पर, मेहता ने उच्च मूल्य निर्धारित करने की सलाह दी, यह देखते हुए कि कोई भी हार्डवेयर व्यवसाय केवल मूल्य निर्धारण के कारण विफल नहीं होता है। उन्होंने ग्राहक अनुभव को बढ़ाने, मुख्य ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने और कारों पर शिफ्ट होने के बजाय बाइक के प्रति समर्पित रहने के महत्व पर जोर दिया। जीतो यूथ फेस्टिवल 2024 में मेहता के व्यक्तव्य ने शोताओं को संतुलित नवाचार, मजबूत टीमवर्क और ग्राहक-केंद्रित रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा व महामंत्री दिलीप जैन ने युवाओं को सफल भविष्य की शुभ-कामनायें दी।

आगंतुकों की संख्या बढ़ती गई

धीरे-धीरे ट्रेड फेयर में आगंतुकों की संख्या बढ़ती गई और बढ़ती भीड़ को देखकर व्यापारियों के चेहरे पर मुस्कान में इजाफा होता गया। शाम होते होते हल्की सी बारिश ने माहोल को खुशनुमा बना दिया। ट्रेड फेयर के प्रथम दिन की सफलता से जीतो पदाधिकारियों, व्यापारियों, पेशेवरो आदि के चेहरे खिल उठे और अगले दिन नये उत्साह-उमंग व अच्छी ग्राहकी की आशा के साथ पहले दिन की शाम के कार्यों को अंजाम देने में जुट गये। जीतो बेंगलुरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा व महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने शनिवार को प्रातः प्रारंभ होने वाले जीतो ग्रोथ समिट में आने का समाज को खुला निमंत्रण दिया।

भारतीय काव्यशास्त्र पर छः दिवसीय कार्यशाला 10 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय हिन्दी प्राध्यापक परिषद की ओर से भारतीय काव्यशास्त्र पर छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 10 से 15 जून तक किया जाएगा। भारतीय काव्यशास्त्र की महत्ता, उसके संप्रदाय, उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह क्षमता संवर्धन कार्यशाला हिन्दी के प्राध्यापकों के लिए आयोजित की जा रही है। देश भर से तकरीबन साढ़े चार सौ हिंदी प्राध्यापकों ने इसमें पंजीकरण किया है। आशा है कि आमंत्रित वक्ताओं के व्याख्यान से ये प्राध्यापक लाभान्वित होंगे और नव्य ढंग से उसे अपने छात्रों तक पहुंचाएंगे।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में लाभार्थी रमेश, अक्षय दक की तरफ से अमावस्य के निमित्त महा प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन सिटी मार्केट के पास रखा गया, जिसमे 350 व्यक्तियों ने लाभ लिया। लाभार्थी के साथ महावीर इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष मनोज बाफना, उपाध्यक्ष विजयराज सिसोदिया, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, राजू श्रीश्रीमाल, आशिक पिर्गल और आशीष बाफना आदि ने अपना सहयोग दिया। संघ की अध्यक्ष भारती छाजेड़ तलेसरा ने लाभार्थी व सेवाभावी सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

केएसआरटीसी को 50 नई बसें मिलीं

मैसूरु में पीक ऑवर में भीड़ कम होने की उम्मीद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में छात्रों को अब अपने स्कूल और कॉलेज पहुंचने के लिए बसों की उपलब्धता को लेकर कोई चिंता नहीं रहेगी, क्योंकि कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के मैसूरु शहरी डिवीजन के बेड़े में 50 नई बसें शामिल की गई हैं, ताकि महिलाओं के लिए शक्ति योजना के शुभारंभ के बाद छात्र समुदाय की जरूरतों को पूरा किया जा सके। छात्रों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर कि उन्हें पीक ऑवर के दौरान अपने स्कूल और कॉलेज पहुंचने के लिए समय पर बसें नहीं मिलती हैं और शक्ति योजना के शुभारंभ के साथ हमेशा भरी रहने वाली बसों में खड़े होने के लिए भी जगह नहीं मिलती है, छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नई बसें केवल स्कूल और कॉलेज के समय के दौरान चलाई जा रही हैं। डिवीजन ने नए शेड्यूल तैयार किए हैं जो शहर में छात्रों की जरूरतों का ख्याल रखने के लिए कॉलेज और स्कूल मार्गों पर चलेंगे। केएसआरटीसी के सूत्रों ने बताया कि नई बसें यात्रियों की सुरक्षा के लिए वाहन स्थान ट्रैकिंग डिवाइस, कैमरे और आपातकालीन पैनिक बटन जैसी हाई-टेक सुविधाओं से लैस हैं। बीएस-6 बसों को कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा, जिसकी योजना बसों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए बनाई जा रही है। शक्ति योजना के शुभारंभ के साथ, मैसूरु में केएसआरटीसी बसों में यात्री भार काफी बढ़ गया है। अधिकारियों ने यात्री यातायात में वृद्धि को संभालने के लिए अतिरिक्त बसों की मांग की थी। डिवीजन द्वारा संचालित लगभग सभी बसें भरी हुई चल रही थीं, और कुछ यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं की भीड़ से निपटने के लिए अपनी वहन क्षमता से अधिक चल रही थीं। मैसूरु डिवीजन ने मौजूदा बेड़े को बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों पर दबाव कम करने के लिए केंद्रीय कार्यालय से 120 अतिरिक्त बसें मांगी थीं। छात्रों और निवासियों की ओर से सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों पर अतिरिक्त सेवाएं चलाने की मांग की गई है। यात्री सेवाओं की मांग के अनुरूप अधिक बसों की मांग कर रहे हैं, और सेवाओं में नवाचार जैसे कि अनदेखे मार्गों की खोज, लोकप्रिय मार्गों पर आवृत्ति को दोगुना करना और व्यस्त समय के दौरान बसों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं। इन सुझावों को ध्यान में रखते हुए, अधिकारियों ने छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नए मार्गों पर काम किया है। सूत्रों ने कहा आने वाले दिनों में, जब डिवीजन को और बसें मिलेंगी, तो यात्रियों की मांग के अनुसार सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। यात्रियों की संख्या 100 प्रतिशत से अधिक होने और यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण डिवीजन के लिए इंट्रा-सिटी सेवाएं संचालित करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। स्थिति इस स्तर पर पहुंच गई थी कि बसों में जगह नहीं होने के कारण यात्री बसों के फुटबोर्ड पर बैठकर यात्रा करते थे, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ जाती थी।

100 बसों को अंतिम रूप दिया जा चुका

50 नई बसों के आने से कुछ हद तक दबाव कम हुआ है। पीएम ई-बस सेवा के तहत, डिवीजन को साल के अंत तक इलेक्ट्रिक बसें मिलने की भी उम्मीद है, जिससे सेवाओं में और सुधार होने की उम्मीद है। लगभग 100 बसों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और उन्हें बेड़े में शामिल किए जाने की संभावना है, जिससे सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने और बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) से परे इलाकों तक सेवाओं का विस्तार करने में मदद मिल सकती है। सार्वजनिक परिवहन के पर्यावरण-अनुकूल साधनों को प्रोत्साहित करने और शहरी गतिशीलता में सुधार करने के लिए पीएम ई-बस सेवा शुरू की गई थी। यह परियोजना ग्रीन अर्बन मोबिलिटी इनिशिएटिव (जीयूएमआई) के तहत है।

मुमुक्षु बहुमान अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी बेंगलूरु द्वारा पूज्य मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी और पूज्य साध्वी जी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में रायपुर निवासी मुमुक्षु अरिहंत बुरड़ का अभिनन्दन बहुमान किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के मंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष रमेश गुलेच्छा, अखिल भारतीय खरतर-गच्छ महिला परिषद् की चेयरपर्सन रीटा पारख, अध्यक्षा आरती जैन एवं अन्य सदस्यों ने मुमुक्षु एवं वीर पिता राजेश बुरड़ का तिलक, शाल, माला और स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया। ज्ञातव्य है कि अरिहन्त बुरड़ की दीक्षा गणाधीश पन्यास प्रवर विनय कुशल मुनि जी, तप चक्रवर्ती विराग मुनि जी के कर कमलों से 23 नवंबर 2024 को रायपुर नगर में सम्पन्न होगी। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

वाल्मिकी निगम घोटाला मामला

घोटाले में सीएम-डिप्टी सीएम शामिल, नागेंद्र का इस्तीफा ही काफी नहीं : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के नवनिर्वाचित मांड्या सांसद एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को राज्य वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम में अनियमितताओं की पूरी जानकारी थी। इसलिए अनुसूचित जनजाति मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा ही पर्याप्त नहीं है। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ही घोटाले में शामिल हैं, क्योंकि एक मंत्री अकेले इतना बड़ा घोटाला नहीं कर सकता। कुमारस्वामी ने कहा कि 80 से 85 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है और मंत्री को बहुत पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस सरकार में मंत्री से इस्तीफा मांगने की हिम्मत नहीं थी, क्योंकि वे घोटाले में शामिल थे। जेडीएस नेता ने कहा कि घोटाला मार्च में हुआ था और सरकार के सभी नेताओं ने इसे

दबाने की कोशिश की। यह मामला वाल्मिकी निगम के अधिकारी द्वारा आत्महत्या के बाद सामने आया, जिसने एक मृत्यु नोट छोड़ा था जिसमें आरोप लगाया गया था कि 187 करोड़ रुपये अवैध रूप से हस्तांतरित किए गए थे। उन्होंने कहा कि आत्महत्या और मृत्यु नोट के बिना घोटाला सामने नहीं आता। उन्होंने कहा कि उनके रिश्तेदार डॉ. सी. एन. मंजूनाथ ने भाजपा जेडीएस गठबंधन के कारण ही बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की है। जीत में कोई अनियमितता नहीं थी।

उन्होंने जीत को लोगों की जीत बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या वह केंद्रीय मंत्री बनेंगे, कुमारस्वामी ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए और कर्नाटक को सिंचाई के मुद्दों पर न्याय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा मेरा मंत्री बनना लोगों की समस्याओं से अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि उनकी वजह से केंद्र को कोई शर्मिंदगी न उठानी पड़े और वह हमेशा गठबंधन धर्म का पालन करेंगे। मैं कर्नाटक के लिए न्याय की मांग करने के लिए राज्य के सभी सांसदों के साथ मिलकर काम करूंगा। मांड्या से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली होने वाले चन्नापटना विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा उम्मीदवार पर फैसला करने के लिए अभी भी समय है। हमारे पास निर्णय लेने के लिए छह महीने हैं, जिसके बाद चुनाव आयोग को उपचुनाव कराना होगा।

उन्होंने कहा मैं भाजपा एमएलसी सी पी योगेश्वर के साथ बैठूंगा, जिन्होंने पहले इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था, और हम निर्णय लेंगे। कुमारस्वामी ने शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से परिषद चुनावों में जेडीएस उम्मीदवारों एसएल भोजेगौड़ा और के विवेकानंद की जीत पर खुशी जताई।

उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव में हार और दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच पाने के बाद अपनी जगह पर पहुंच गई है। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद कांग्रेस विधान परिषद चुनाव हार गई।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के एक साल के भीतर ही कांग्रेस का पतन शुरू हो गया है।

बेंगलूरु कोर्ट से मानहानि मामले में राहुल गांधी को जमानत मिली

अगली सुनवाई 30 जुलाई तक के लिए स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा नेताओं द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे की सुनवाई के लिए शुक्रवार को शहर की जन प्रतिनिधि अदालत के न्यायाधीश के सामने पेश हुए। दो बार राहुल गांधी मुकदमे से अनुपस्थित रहे। सुबह दिल्ली से आये राहुल गांधी अदालत में पेश हुए जब न्यायाधीश ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। 42वें एसीएमएम पीपुल्स कोर्ट के एक न्यायाधीश ने उन्हें जमानत दे दी और अगली सुनवाई 30 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के आगमन के मद्देनजर केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सिटी सिविल कोर्ट तक व्यापक सुरक्षा प्रदान की गई थी।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, केसी वेणुगोपाल और कई अन्य लोग राहुल गांधी के साथ अदालत गए। इससे पहले एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने किया। पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया था कि वे अदालत परिसर में पार्टी के झंडे न लेकर आएं और न ही भाजपा के खिलाफ नारे लगाएं। मानहानि के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस ने पूरे पन्ने के विज्ञापन प्रकाशित करके दुष्प्रचार किया, जिसमें राज्य की पिछली भाजपा सरकार पर सरकारी परियोजनाओं को सौंपने के लिए 40 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाया गया। प्रसाद ने तर्क दिया कि पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों के दौरान सिद्धरामैया और शिवकुमार ने राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए झूठे आरोप लगाए, जिसके लिए उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। सीएम सिद्धरामैया और उनके डिप्टी शिवकुमार 1 जून को अदालत में पेश हुए और जमानत हासिल की। राहुल गांधी, जो मामले में एक पक्ष भी हैं, एक अंडरटेकिंग देने के बावजूद अनुपस्थित रहे, जिसके बाद भाजपा नेता के वकील ने मांग की कि उनके खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए।

राज्यपाल ने मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा किया स्वीकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र द्वारा दिए गए इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राजभवन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्यपाल से इस्तीफा स्वीकार करने की सिफारिश की थी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में अवैध हस्तांतरण के माध्यम से धोखाधड़ी करके 87 करोड़ रुपये की राशि के दुरुपयोग के संबंध में, इसके कर्मचारी चंद्रशेखर पी

ने आत्महत्या कर ली थी और अपने मृत्यु नोट में, उन्होंने धन हस्तांतरित करने के लिए उच्च स्तर से उन पर दबाव के बारे में गंभीर शिकायत की थी। इस संबंध में राज्य सरकार और सीबीआई दोनों ने अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि निगम के धोखाधड़ी मामले में युवा सशक्तिकरण और खेल मंत्री नागेंद्र कथित रूप से शामिल थे।

दक्षिण कन्नड़ में पार्टी की हार के लिए डीसीसी अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं दूंगा: हरीश कुमार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष हरीश कुमार ने कहा कि दक्षिण कन्नड़ (डीके) लोकसभा क्षेत्र में पार्टी की हार के लिए उनके इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा अगर पार्टी हाईकमान डीसीसी अध्यक्ष को बदलना चाहता है और नया अध्यक्ष नियुक्त करना चाहता है, तो मैं पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करना जारी रखूंगा। मैं एक ईमानदार पार्टी कार्यकर्ता हूं और कभी गुटबाजी में शामिल नहीं रहा। डीसीसी अध्यक्ष से इस्तीफा देने के लिए ऑनलाइन अभियान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि

इस्तीफा जेब में नहीं रखा जाता। मैं व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी का छात्र नहीं हूं, बल्कि मैं कांग्रेस का छात्र हूं। मैं छात्र नेता से लेकर डीसीसी अध्यक्ष तक कांग्रेस में ही रहा हूं। पार्टी ने मेरी सेवा को देखते हुए मुझे यह जिम्मेदारी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब पूर्व में उम्मीदवार हारे थे, तब किसी ने भी डीसीसी अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं के एकजुट प्रयासों के बावजूद डीके निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव जीतने में विफल रही। उन्होंने कहा कि हमने उम्मीदवार की जीत के लिए कड़ी मेहनत की थी। पार्टी में नेताओं के बीच कोई मतभेद नहीं था। हार के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं।

हम सभी पद्मराज के साथ हैं और आगामी चुनावों का सामना करने के लिए पार्टी को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा पद्मराज आर पुजारी ने अपनी हार की जिम्मेदारी ली है। हार के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं और उम्मीदवार अकेले जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा पार्टी को राज्य में भी झटका लगा है और उसे सिर्फ नौ सीटें मिली हैं। हमें कम से कम 14 सीटें जीतने की उम्मीद थी। हालांकि, विधानसभा चुनाव की तुलना में हमारे वोट शेयर में दो फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डीके में भी कांग्रेस ने अधिक सीटें जीती हैं। हरीश कुमार ने कहा कि वह दक्षिण पश्चिम स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवारों की हार की भी जिम्मेदारी लेंगे। हमें शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में जीत की उम्मीद थी। हालांकि, पार्टी जिले में स्नातक और शिक्षकों के बीच की खाई को पाटने में विफल रही। जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव द्वारा जिले का दौरा न करने को पार्टी की हार का एक कारण बताए जाने पर डीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि दिनेश गुंडू राव पूरे समय जिले में पार्टी के प्रचार अभियान में लगे रहे।

पिछले 10 दिनों में भरे गए 2,652 गड्ढे : बीबीएमपी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक तरफ स्थानीय लोगों ने बीबीएमपी की आलोचना की है कि वह शहर की गड्ढों की समस्या का समाधान नहीं कर पाई है, खास तौर पर पिछले रविवार की मूसलाधार बारिश के बाद भी। वहीं बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका ने दावा किया है कि उसने पिछले 10 दिनों में बेंगलूरु में 2,652 गड्ढे भरे हैं, क्योंकि उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने निकाय को शहर की सड़कों पर गड्ढों को तेजी से भरने का निर्देश दिया था। बेंगलूरु में बारिश शुरू होने के बाद, गड्ढे फिर से उभर आए हैं, जिससे यात्रियों को खतरा पैदा हो

गया है। नेटिजेंस ने समस्या को हल न करने के लिए बीबीएमपी की आलोचना की, खासकर पिछले रविवार की मूसलाधार बारिश के बाद। सहया ऐप पर दर्ज कई शिकायतों का भी समाधान नहीं किया गया। बारिश के दौरान, जब गड्ढों में पानी भर जाता है, तो आवागमन और भी खतरनाक हो जाता है क्योंकि वे दिखाई नहीं देते हैं। बीबीएमपी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, नगर निकाय ने अब तक 2,652 गड्ढे भरे हैं और अकेले 4 जून को 151 गड्ढों की मरम्मत की गई। गड्ढों को भरने के अलावा, बीबीएमपी नए गड्ढों की पहचान भी कर रहा है।

4 जून को 253 और गड्ढों की पहचान की गई। नगर निकाय के अनुसार, 22 मई तक लगभग 5,500 गड्ढे थे। बीबीएमपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोल्ड मिक्स तकनीक का इस्तेमाल कर गड्ढों को भरा जा रहा है और बरसात के मौसम में भी इन्हें भरा जा सकता है। बीबीएमपी ने जोनल कमिश्नरों की अध्यक्षता में आठ टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स रोजाना की गतिविधियों पर नजर रख रही है। आर.आर. नगर जोन के यशवंतपुर में सबसे ज्यादा गड्ढे भरे जाने बाकी हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि करीब 749 गड्ढे भरे जाने हैं। बीबीएमपी यह काम तब कर रही है जब यातायात कम है। बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने कहा कि बीबीएमपी गड्ढों को भरने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। दिन रात बीबीएमपी के कर्मचारी इन गड्ढों को भरने के लिए काम कर रहे हैं और जल्द ही ज्यादातर गड्ढे भर दिए जाएँगे। उन्होंने यह भी कहा कि डेटा गतिशील है क्योंकि कुछ सड़कों पर गड्ढे फिर से उभर आएंगे और बीबीएमपी समस्या का समाधान करेगा।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद

प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी एसआईटी के समक्ष हुई पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अपहरण के एक मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुईं, जिसने उन्हें पहले ही अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी थी। भवानी पर एक महिला का अपहरण करने का आरोप है, कथित तौर पर अपने बेटे की मदद करने के लिए, जिस पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने

का आरोप है, और वह वर्तमान में एसआईटी की हिरासत में है। न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने उन्हें शुक्रवार दोपहर 1 बजे तक एसआईटी के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने और जांच में पूरा सहयोग करने की शर्त पर अंतरिम अग्रिम जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने उन्हें मैसूरु जिले के केआर नगर तालुक और पूरे हासन जिले के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया है, जहां महिला का कथित अपहरण हुआ था, जिसका उसके बेटे ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि अपहरण मामले के सिलसिले में एसआईटी ने भवानी के कार चालक को हिरासत में लिया है।

अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश के बाद शुक्रवार की सुबह मौसम काफी आरामदायक रहा और सुबह 9 बजे तक तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साथ ही पूरे दिन शहर में बादल छाए रहे।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बेंगलूरु शहर में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। बेंगलूरु में अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहेगा। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मानसून आंतरिक कर्नाटक में सामान्य रहा, लेकिन तटीय कर्नाटक में कमजोर रहा।

तटीय कर्नाटक में कई स्थानों पर और आंतरिक कर्नाटक में अलग अलग स्थानों पर गुरुवार को बारिश हुई। गुरुवार को कलबुर्गी में सबसे अधिक 35.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। अगले 48 घंटों में राज्य में अधिकतम तापमान में

धीरे धीरे 2,3 डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है और एसआईके में न्यूनतम तापमान में 2,3 डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार अगले कुछ दिनों तक बेलगावी, कलबुर्गी, विजयपुरा, बागलकोट, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, कोलार, हासन जिलों में अलग अलग स्थानों पर तेज हवाओं (30, 40 किमी प्रति घंटे) के साथ भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़ जिलों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

बीदर, धारवाड़, गदग, हावेरी, कोप्पल, रायचूर, यादगीर, बल्लारी, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहरी, चामराजनगर, चिक्कमगलूरु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, कोडागु, मांड्या, मैसूरु, रामनगर, शिवमोग्गा, विजयनगर जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

कार एक्सेसरीज की दुकान में लगी आग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बॉन्डेल सर्कल के पास शुक्रवार को एक कार एक्सेसरीज की दुकान में आग लग गई। दुकान के मालिक ने बताया कि यह घटना सुबह सुबह हुई, जिसका कारण शॉर्ट सर्किट होने का संदेह है। दमकलकर्मियों को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया। हालांकि, अनुमान है कि इस घटना के कारण दुकान को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर 14 जून तक टली सुनवाई

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। दिल्ली अबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को विशेष अदालत में सुनवाई 14 जून के लिए स्थगित कर दी गई।

राउज एवेन्यू स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों से संबंधित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन के अनुरोध पर गौर करते हुए सुनवाई स्थगित करने का आदेश पारित किया। श्री हरिहरन ने अदालत के समक्ष दावा करते हुए कहा कि प्रवर्तन निद-ेशालय (ईडी) द्वारा दायर 182 पन्नों का जवाब उन्हें आज (सात जून को) मिला है। इसे पढ़ने के लिए उन्हें और समय चाहिए।

उन्होंने निचली अदालत से मामले की सुनवाई कल (आठ जून) करने का आग्रह करते हुए कहा, अग्रिम प्रति देने का मतलब यह नहीं कि आप इसे सुनवाई से आधे घंटे पहले मुझे दे।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू ने ईडी का पक्ष रखा और याचिकाकर्ता की ओर से सुनवाई टालने के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि सुनवाई टालने से आठ जून से शुरू हो रही गर्मी की छुट्टी से संबंधित अदालती कामकाज प्रभावित होगा। विशेष अदालत के समक्ष श्री राजू ने तर्क देते हुए कहा, हमारे पास केवल अरविंद केजरीवाल का मामला नहीं है। हमारे पास बहुत सारे मामले हैं। हम पर बहुत अधिक बोझ है। यदि मामला अवकाशकालीन न्यायाधीश के समक्ष रखा जाता है तो मुझे अपनी छुट्टियां कम करनी होंगी।

इस पर केजरीवाल के अधिवक्ता हरिहरन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ऐसा नहीं हो सकता कि जमानत की स्थिति में अभियोजन पक्ष कहे कि चूंकि मैं अवकाश पर हूं, इसलिए जमानत मामले की सुनवाई न हो। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

एएसजी ने जवाब दिया कि वह ईडी के जवाब पर भरोसा किए बिना मामले पर बहस कर सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ईडी द्वारा आज पेश किए गए जवाब को रिकॉर्ड पर लेने की आवश्यकता नहीं है। श्री हरिहरन ने जोर दिया कि ईडी अदालत की छुट्टियों का हवाला देकर जमानत की सुनवाई को लंबा नहीं खींच सकती या अवकाश पीठ के समक्ष सुनवाई का विरोध नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, विभाग सुनवाई बंद नहीं कर सकता। यह एक बेतुका प्रस्ताव है। मुझे दो सप्ताह तक जेल में रखा जाएगा। मुझे इस तरह से इंतजार क्यों कराया जाए? विशेष अदालत ने इस तरह संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई टालने का फैसला किया।

इस अदालत ने पांच जून को केजरीवाल की सात दिनों की अंतरिम जमानत याचिका ठुकराते हुए उनकी न्यायिक हिरासत 19 जून तक के लिए बढ़ा दी थी।

उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए 10 मई को एक जून तक की अंतरिम जमानत दी थी। शीर्ष अदालत ने उन्हें दो जून को जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का भी निर्देश दिया था, जिसका उन्होंने पालन किया। ईडी ने एक जून की सुनवाई के दौरान केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने की मांग के समर्थन में दी गई दलीलों का जोरदार विरोध किया था। विशेष अदालत के समक्ष श्री केजरीवाल ने नियमित जमानत याचिका के अलावा अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए सात दिन की अंतरिम जमानत की गुहार लगाई थी। इससे पहले उच्चतम न्यायालय रजिस्ट्री ने श्री केजरीवाल की एक जून को समाप्त होने वाली अंतरिम जमानत अवधि सात दिन बढ़ाने के लिए दायर उनकी याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया था।

मिजोरम में 39 किलोग्राम हेरोइन जब्त

आइजोल, 07 जून (एजेंसियां)। मिजोरम पुलिस ने 2024 में अब तक 38.651 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है, जिसकी कीमत सात करोड़ रुपये है। राज्य के पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) लालबियाकथांगा खियांगते ने शुक्रवार को कहा कि हेरोइन जब्त किए जाने के संदर्भ में 154 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि 209 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि के दौरान 89.445 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त की गयी जबकि 13.49 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ भी जब्त किया गया।

उन्होंने कहा कि जब्त मेथामफेटामाइन का स्थानीय बाजार मूल्य 11.62 करोड़ रुपये और क्रिस्टल मेथ का अनुमानित बाजार मूल्य 40.47 करोड़ रुपये आंका गया है। क्रिस्टल मेथ का मूल्य मेथामफेटामाइन गोलियों की तुलना में बहुत अधिक है। राज्य पुलिस ने मेथामफेटामाइन और क्रिस्टल मेथ बरामदगी मामलों के संबंध में 11 मामले दर्ज किए और 17 लोगों को गिरफ्तार किया। राज्य में एक वर्ष में हेरोइन की सबसे बड़ी मात्रा 2023 के दौरान जब्त की गई है जब 20.41 करोड़ रुपये मूल्य की 68.055 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी।

उन्होंने इसी अवधि के दौरान स्थानीय बाजार में 20.04 करोड़ रुपये मूल्य का 154.172 ग्राम मेथामफेटामाइन भी जब्त किया, जबकि क्रिस्टल मेथ की जब्ती की मात्रा 49 :005 ग्राम थी, जिसकी कीमत 147,01 करोड़ रुपये थी। राज्य पुलिस द्वारा पिछले वर्ष जब्त की गई 210 .072 किलोग्राम स्यूडोएफ़ेड्रिन शामिल है, जिसकी कीमत स्थानीय बाजार में 2.10 करोड़ रु. है, जिसे सर्दी और खांसी की दवा के रूप में देश में कानूनी रूप से निर्मित स्यूडोएफ़ेड्रिन, मेथामफेटामाइन बनाया जाता है और पड़ोसी देश में खतरनाक दवा के गुप्त निर्माण के लिए म्यांमार में तस्करी की जाती है, जिसे पश्चिमी देशों और यहां तक कि अन्य भागों में भी तस्करी की जाती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कहा कि वे अभी तक राज्य में किसी की पहचान नहीं की गई है जो मेथामफेटामाइन के आदी हैं, जहां स्कूली बच्चों के बीच भी हेरोइन का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर होता है।

पिछले वर्ष, हेरोइन तस्करी के संबंध में 232 मामले दर्ज हुए और 325 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि मेथामफेटामाइन तस्करी के लिए 16 मामले दर्ज किए गए और 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इसी अवधि के दौरान क्रिस्टल मेथ की तस्करी के लिए छह मामले दर्ज किए और नौ लोगों को गिरफ्तार किया।

रूस में मेडिकल के चार भारतीय छात्र नदी में डूबे

मॉस्को, 07 जून (एजेंसियां)। रूस में मेडिकल के चार भारतीय छात्रों की सेंट पीटर्सबर्ग के निकट एक नदी में डूब से मौत हो गयी है। रूस में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कहा, वेलिकि नोवगोरोड शहर में नोव-गोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले भारतीय मेडिकल छात्र दो लड़के और दो लड़कियां रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक नदी में डूब गए।

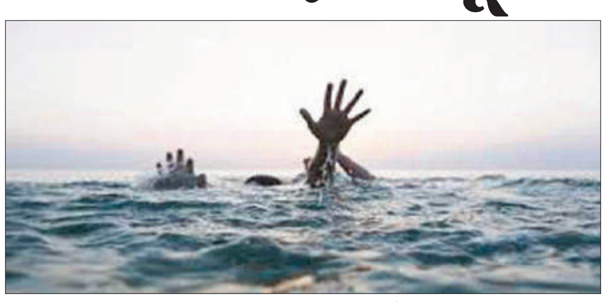

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एक छात्रा वोल्खोव नदी में डूबने लगी। चार छात्रों ने उसे बचाने की कोशिश की। इस दौरान छात्रा और उसे बचाने गये चार में से तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गयी। एक छात्र को बचा लिया गया। दूतावास ने कहा, शवों को जल्द से जल्द रिश्तेदारों तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। जिस छात्र की जान बच गई है, उसे उचित उपचार भी प्रदान किया जा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ये छात्र वेलिकी नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। उसने एक्स पर लिखा शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना।

महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह वेलिकी नोवगोरोड के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि शवों को जल्द से जल्द उनके रिश्तेदारों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा, शोक संतप्त परिवारों से संपर्क किया गया है और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

मोदी 3.0 के लिए देश तैयार, अब विकास पकड़ेगा रफ़्तार: ठाकुर

शिमला/नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को पूर्ण जनसमर्थन दिया। जिससे नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं देने जा रहे हैं। नरेन्द्र मोदी 3.0 का कार्यकाल देश के विकास के लिए ऐतिहासिक होगा। इस बात की घोषणा नरेन्द्र मोदी ने पहले ही कर दी है। आने वाला समय भारत के ऐतिहासिक प्रगति का कालखंड होगा। सबका साथ और सबका विकास के ध्येय के साथ भारत वैश्विक पटल और सशक्त और सहभागी होगा।

श्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले ही कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल के लिए सरकार ने अपना रोड मैप तैयार कर लिया है। सिर्फ़ विकास और सबकी संतुष्टि के एजेंडे पर काम करना ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का लक्ष्य है। झूठे नारे और झूठी गारंटियों का दौर भारतीय राजनीति से ख़त्म किया। हर भारतीय तक सरकार पहुंचाने, सरकार की योजनाएँ पहुंचाने, बिना किसी बिचौलिए के हर भारतवासी को शत प्रतिशत धनराशि पहुंचाने का रिकॉर्ड बनाया। लाखों करोड़ की संख्या में हर योजना के लाभार्थी हैं। जिन्हें अपनी पात्रता के अन्तर्गत मिलने वाली योजनाओं के लाभ निर्धारित समय पर हमेशा मिल रहा है। इसी कारण आज समूचा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा करता है। देश में गारंटी का सिर्फ़ एक ही नाम है नरेन्द्र मोदी।

श्री ठाकुर ने कहा कि देश और प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। देश भर में कांग्रेस तीन अंकों में नहीं पहुंच सकी। हिमाचल में सत्ता में रहते हुए भी कांग्रेस को प्रदेश के लोगों ने नकार दिया। लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री न ही अपना हलका बचा सके और न ही मंत्री। कोई 68 में से 61 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस भाजपा से हार गई। डेढ़ साल के कार्यकाल में सरकार की ऐसी स्थिति हो गई। इससे साफ़ अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि प्रदेश के लोगों में कांग्रेस की उन झूठी गारंटियों के जवाब सुक्खू सरकार को दिया है। प्रदेश के लोग इस सरकार से विकास और जनहित की योजनाओं की उम्मीद खो चुके हैं।

श्री ठाकुर ने नरेन्द्र मोदी को राजग संसदीय दल की बैठक में सर्वसम्मति से राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा कि तीसरे कार्यकाल में देश विकास की नई ऊँचाई छुवेगा। प्रधानमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मोदी 3.0 जनहित और देश और देश हित में बड़े और मज़बूत फ़ैसले के लिए जाना जाएगा। शपथ ग्रहण के साथ ही के संकल्प पत्र के जनहितकारी लक्ष्यों की प्राप्ति के कार्य शुरू होंगे। श्री ठाकुर राजग की बैठक में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने यह बातें कही।

कश्मीर में दिन के तापमान में आई गिरावट

श्रीनगर, 07 जून (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में पिछले 24 घंटों के दौरान रुक-रुक कर हुई बारिश और आसमान में बादल छाए रहने से शुक्रवार को दिन का तापमान काफी कम हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 10 जून से जम्मू-कश्मीर में गर्म और शुष्क मौसम व लू का दौर शुरू होने का पूर्वानुमान लगाया है।

मौसम विभाग ने कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान मौसम आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश तथा गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। हालांकि, नौ जून से 17 जून तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश तथा गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

श्रीनगर और उसके आसपास के इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान रुक-रुक कर हुई बारिश से दिन का तापमान सामान्य से कई डिग्री नीचे चला गया, जिससे शुक्रवार को बुजुर्गों और पर्यटकों को गर्म कपड़े पहनने पड़े। श्रीनगर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पिछले दिन यह 23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह इस मौसम में जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी के लिए सामान्य से 6.3 डिग्री सेल्सियस कम था। गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात को दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 1-5 डिग्री सेल्सियस कम था। घाटी के अन्य मौसम केंद्रों में भी बारिश हुई और शुक्रवार को दिन का तापमान सामान्य से 3-7 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस कम था, जबकि गुलमर्ग में अधिकतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो उत्तरी कश्मीर के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट के लिए सामान्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस कम था, मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जम्मू में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम था, जबकि बनिहाल में 27.8 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 34.6 डिग्री सेल्सियस और बटोटे में 28.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मोदी का विजन देश को विकसित राष्ट्र बनाना है: सैनी

चंडीगढ़/नई दिल्ली), 07 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन देश को विकसित राष्ट्र बनाना है तथा इस कार्यकाल में तेज गति से सरकार कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहे हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बन रही है।

श्री सैनी शुक्रवार को नयी दिल्ली में एनडीए की संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लेने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने देश के 140 करोड़ लोगों को बधाई देते हुये कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस देश की जनता ने श्री मोदी और एनडीए पर विश्वास जताया है और इसके लिये वे देशवासियों को बधाई देते हैं। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने नयी दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में जन समस्यायें सुनीं और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

जनता के फैसले ने देश के संविधान को बचाया: फारूक

श्रीनगर, 07 जून (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि लोगों ने वोट की ताकत से अपना फैसला सुनाया और भारत के संविधान को बचाया। श्री अब्दुल्ला ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, जनता ने दिखा दिया कि ताकत उनके हाथ में है और मतदान के माध्यम से इसे साबित भी कर दिया जोकि बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि लोगों ने मतदान की ताकत से अपना फैसला सुनाया और देश के संविधान को बचाया।

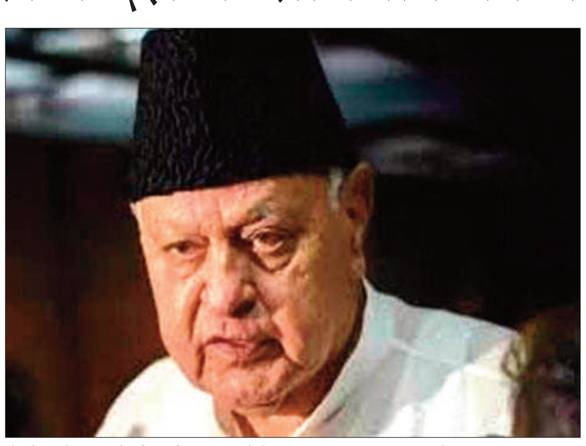

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों के पास कुछ नहीं, लेकिन वोट की ताकत से वह लोगों को उठाते हैं और गिरा देते है, यह उन्होंने साबित कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 400 पार का दावा था, लेकिन ये लोग ही हैं जिनके हाथ में सत्ता है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल बंद कर देना चाहिए। एनसी अध्यक्ष ने कहा, एग्जिट पोल वालों को अपनी दुकानें बंद कर देनी चाहिए और लोगों के बीच गलतफहमी फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सरकार बनाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, कुछ नहीं कहूंगा। सरकार बनने दीजिए। जब सरकार बनेगी तो सब देखेंगे। राजग सरकार सफल होगी या नहीं, इस सवाल पर उन्होंने कहा, आप लोग मीडिया में हैं, आप देखिए और मैं भी देखूंगा, हमें इंतजार करना चाहिए, आप इतनी जल्दी में क्यों हैं। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष और अधिक मजबूत होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं जब सांसद था, उस समय सदन में विपक्ष बहुत कमजोर था और कोई भी हमारी सुनने को तैयार ही नहीं था, उस समय सदन में तानाशाही चल रही था। खुदा का शुक्र है कि अब तानाशाही का खात्मा हो चुका है।

संसद भवन से गांधी, अंबेडकर और शिवाजी की प्रतिमा हटाने पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने संसद भवन परिसर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ बी आर अंबेडकर तथा छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति हटाने को लेकर सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा है कि उसने महाराष्ट्र में मिली हार का बदला लेने के लिए यह कदम उठाया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद भवन परिसर से मूर्तियों का हटाना महाराष्ट्र की जनता से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट नहीं देने का बदला निकालना है। गांधीजी, डॉ अंबेडकर और शिवाजी महाराज की मूर्ति हटाने को लेकर सरकार जो भी तर्क दे, लेकिन असलियत यह है कि उसने महाराष्ट्र के लोगों से बदला लेने के लिए यह कदम उठाया है। उनका कहना था कि सरकार को इस मामले में स्पष्टीकरण देना चाहिए।

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के लोगों से बदला लेने के लिए संसद भवन परिसर से शिवाजी की मूर्ति हटाई गई है। ये सब खीझ निकालने के लिए किया गया है क्योंकि जब नरेंद्र मोदी ने कहा कि गांधी फिल्म आने से पहले गांधी जी को कोई नहीं जानता था तो जनता ने जवाब दिया तो गांधी जी की प्रतिमा हटा दी। हमने चुनावों में संविधान को बचाने की मुहिम छेड़ी तो खीझ निकलने के लिए अंबेडकर की मूर्ति को कहीं पीछे धकेल दिया। महाराष्ट्र की जनता ने जब चुनावों में करारा जवाब दिया, तो बदला लेने के लिए शिवाजी महाराज जी की मूर्ति हटा दी।

उन्होंने कहा, संसद भवन परिसर की विरासत विशेषता के रखरखाव और विकास पर तथा संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय नेताओं और सांसदों के चित्र एवं प्रतिमाओं की स्थापना पर दो कमेटियां बनी थीं लेकिन हैरानी की बात है कि पोर्टरेट स्टेचू कमेटी की आखिरी मीटिंग 18 दिसंबर 2018 को हुई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कल जब यह मुद्दा उठाया तो सरकार की तरफ से झूठ बोला जाता है कि राजनीतिक दलों से बात हुई थी जबकि किसी राजनीतिक दल से कोई बात नहीं हुई। ऐसे में भाजपा देश की जनता को स्पष्टीकरण दे कि महान विभूतियों की मूर्ति को हटाने के पीछे मंशा क्या है।

योगी ने लिख दी थी हेमामालिनी की बंपर जीत की स्क्रिप्ट

मथुरा, 07 जून (एजेंसियां)। अभिनय के क्षेत्र में दशकों तक राज करने के बाद राजनीति के गलियारों में भी पिछले दस सालों से आकर्षण का केंद्र बनी हेमामालिनी की मथुरा लोकसभा क्षेत्र से बंपर जीत की पटकथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही लिख दी थी।

हेमा को टिकट मिलने के बाद योगी ने एक पखवारे से कम समय में मथुरा में दो बार आकर प्रबुद्धजन सम्मेलन में शिरकत की और यहां के चर्चित चेहरों को को मान सम्मान देकर उन्हें इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने के लिए प्रेरित किया। योगी ने भाजपाइयों में जोश भरने का प्रयास किया, उसका असर ठंडा पड़ता कि उन्होंने एक जनसभा के माध्यम से आम नागरिको, बुद्धजीवियों एवं पार्टी के लोगों में जोश भरने की कोशिश की।

योगी के भाषणों से जनता को पता लगा कि मथुरा के विकास के लिए उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन हेमा के बार बार ब्रज के विकास के लिए अनुरोध करने पर ही हुआ था। इसी क्रम में उन्होने जनता को यह भी बताया कि हेमा के अनुरोध पर ही ब्रज के प्रमुख धार्मिक स्थलों को तीर्थस्थल घोषित किया गया था। योगी के ये दो खुलासे कृष्ण और यमुना भक्तों के दिलों को छू

गये कि हेमा के सांसद काल में यमुना के प्रदूषणमुक्त करने के प्रश्न करने के बाद ही गंगा और यमुना को स्वच्छ रखने के लिए नमामि गंगे योजना की शुरूवात हुई थी जिसमें गंगा निर्मल हो गईं और अब यमुना की बारी है।

प्रदेश के चीनी मिल एवं गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि वैसे तो योगी मथुरा में मुख्यमंत्री रहते 42 बार आ चुके हैं तथा हर बार उन्होंने यहां के विकास का ताना बाना बुना मगर चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बाद योगी के लगातार दो बार मथुरा आने और ब्रजवासियों को हेमामालिनी के द्वारा बताए गए काम बताने का भारी असर हेमा की जीत पर पड़ा।

उन्होंने कहा कि वैसे हेमामालिनी द्वारा मथुरा के विकास में रूचि लेने के कारण उनकी लोकप्रियता का ग्राफ 2014 से 2024 तक कभी कम नही हुआ। पिछले विधानसभा चुनाव में छाता विधान सभा क्षेत्र से उन्हें जितने मत मिले थे उसी के आसपास इस बार लोकसभा चुनाव में हेमा को मिले। इन सबसे ऊपर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता ने भी असर दिखाया। हेमा ने भी पार्टी आलाकमान विशेषकर पीएम मोदी को निराश नही किया क्योंकि 75 वर्ष की आयु पूरी हो जाने के कारण यह कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार मथुरा से हेमा चुनाव नही लड़ेंगी। ऐसा इसलिए सोचा जा रहा था कि मोदी ने एक नियम बनाया था कि जो 75 वर्ष से अधिक आयु का होगा उसे टिकट नही दिया जाएगा। इसीलिए पत्रकार भी हेमा से प्रश्न कर रहे थे कि मथुरा से कौन चुनाव लड़ेगा लेकिन हेमा को भरोसा था कि कान्हा की गोपी को टिकट जरूर मिलेगा।

उन्होंने पत्रकारों के सवाल के जवाब में यह भी कह दिया था कि वे मथुरा के अलावा किसी अन्य लोकसभा सीट से चुनाव नही लड़ेंगी। यदि भाजपा हाईकमान ने उन्हें टिकट दिया तो उन्होंने भी रेकार्ड मतो से मथुरा लोकसभा की सीट जीतकर पार्टी की झोली में डाल दिया। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के जीर्णोद्धार के लिए केन्द्र सरकार से 5 हजार करोड़ की धनराशि जब से हेमा ने स्वीकृत कराई थी तब से ब्रजवासी विशेषकर धार्मिकता में रंगे लोग उनके मुरीद हो गए थे।उनकी ईमानदारी पर कोई दाग न लगने और किसी भी विवाद से दूर रहने एवं सभी से समान व्यवहार करने का फायदा भी उन्हें मिला। अब हेमा के सामने उन वायदों को पूरा करने की है जिनकी घोषणा उन्होंने अपने प्रचार के दौरान की थी। अगर अपने द्वारा किये गए वायदों को हेमा पूरा करा देने में सफल होती हैं तो उनकी विजय की हैट्रिक ब्रजवासियों के लिए यादगार बन जाएगी।

योगी ने की नए कानूनों को अमल में लाने की समीक्षा

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जुलाई से देश भर में लागू होने वाले तीन नए कानूनों को अमल में लाने की तैयारियों की समीक्षा की। श्री योगी ने यहां शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी पहली जुलाई से लागू होने जा रही नवीन आपराधिक न्याय प्रणाली के संबंध में तैयारियों की समीक्षा की और जरुरी दिशा-निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर देश के सामने पंच प्रण लिए थे, इनमें से एक प्रण गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करना था। इसी प्रण को पूरा करने के लिए संसद ने अंग्रेज़ों द्वारा बनाए गए इंडियन पीनल कोड, 1860, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (1898), 1973 और इंडियन एवीडेंस एक्ट, 1872 कानूनों को समाप्त कर हम तीन नए कानून पारित किए हैं। यह कानून आगामी एक जुलाई से उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में लागू होना है।

योगी ने कहा कि नयी व्यवस्था के अनुसार, इंडियन पीनल कोड, 1860 की जगह भारतीय न्याय संहिता, 2023 स्थापित होगा। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, 1898

की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और इंडियन एवीडेंस एक्ट, 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 स्थापित होगा। नए भारत के ये तीनों स्वदेशी कानून प्रधानमंत्री के प्रण को पूरा करने वाले हैं। उन्होने कहा कि समाप्त किए गए तीनों कानून अंग्रेज़ी शासन को मज़बूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे और उनका उद्देश्य दंड देने का था, न कि न्याय देने का, जबकि भारतीय लोकतंत्र न्याय की अवधारणा वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए संसद द्वारा पारित तीनों नए कानूनों से हमारे आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक परिवर्तन करने वाले होंगे। यह सुनिश्चित किया जाए कि तीनों नए कानून के लागू होने से पूर्व इनसे संबंधित राज्य स्तरीय अधिनियम, नियमावली, एसओपी, शासनादेशों में संशोधन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। नए कानून में तकनीक का बड़ा महत्व है डेटा एनालिटिक्स, साक्ष्यों के संकलन, ई-कोर्ट, दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन जैसी हर प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग किया जाना है। इसके दृष्टिगत आवश्यक तकनीकी बदलाव बिना विलंब किए जाएं।

उन्होने कहा कि फॉरेंसिक इंस्टिट्यूट, लखनऊ का सहयोग लें। रेंज स्तर पर स्थापित सभी फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं में हर जरूरी संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। सभी 75 जिलों में फॉरेंसिक लैब स्थापित कराएं। कोर्ट में पेशी के लिए हर जिले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा होनी चाहिए। यह कार्य शीर्ष प्राथमिकता पर रखें। प्रस्ताव तैयार करें, शासन स्तर से पूरा सहयोग मिलेगा। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की तैनाती करें। जहां भी जैसी आवश्यकता हो, तत्काल बताएं, पूरा सहयोग मिलेगा। योगी ने कहा कि नए कानून सहजता से लागू किए जा सकें और अपने उद्देश्यों में सफल हों, इसके लिए तीनों नए कानूनों के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है।

सीएम ने नरेंद्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने पर दी बधाई

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना तय हो गया है। भाजपा संसदीय दल और एनडीए के संसदीय दल ने पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में नरेंद्र मोदी को लोकसभा का नेता चुना लिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी को बधाई दी।

उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद जताई। सीएम योगी ने सोशल मीडिया पर लिखा, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार, अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार सर्वसम्मति से भाजपा संसदीय दल, एनडीए संसदीय दल और लोक सभा के नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री मोदी के

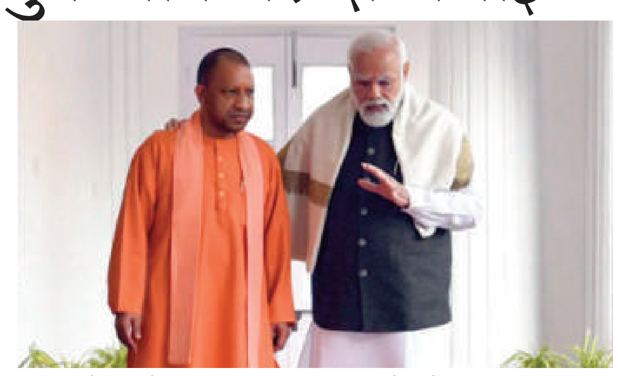

यशस्वी नेतृत्व में एनडीए परिवार 'आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत' के निर्माण और 140 करोड़ परिवारीजनों की सेवा के लिए पूर्णतः संकल्पित है। सेंट्रल हॉल में इस कार्यक्रम में सीएम योगी भी उपस्थित थे। जब पीएम मोदी को एनडीए के संसदीय दल का नेता चुना गया तो सभी उप-स्थित लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान जैसे ही सीएम योगी ने पीएम मोदी को बुके भेंट किया, पीएम मोदी ने उनकी पीठ थपथपा दी। लोकसभा नतीजों के बाद यह पहला अवसर था, जब सीएम योगी और पीएम मोदी की मुलाकात हो रही थी। ऐसे में पीएम मोदी का सीएम योगी की पीठ थपथपाना उनकी हौसलाअफजाई करना था, जो यह स्पष्ट संदेश है कि उत्तर प्रदेश के नतीजों को लेकर पीएम मोदी बहुत ज्यादा चिंतित नहीं हैं और उन्हें सीएम योगी के नेतृत्व और उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

कांग्रेस पार्टी 11 से 15 जून तक प्रदेश में धन्यवाद यात्रा निकालेगी:अविनाश पांडेय

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के परिणामों से उत्साहित कांग्रेस पार्टी आगामी 11 जून से 15 जून तक प्रदेश में धन्यवाद यात्रा निकालेगी। इसके जरिए पार्टी प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों तक पहुंचेगी और जनता से आभार जताएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संदेश जनता तक पहुंचाएगी। उन्होंने शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी ने लोकसभावार चुनाव परिणाम की समीक्षा की। हम 17 सीटों पर लड़े और छह पर जीते। हमने

गठबंधन के रूप में चुनाव में भाग लिया और हमारा गठबंधन प्रदेश की 43 सीटों पर विजयी रहा। बैठक में महिला अधिकार समेत 9 प्रस्ताव पास किए गए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जनता हमसे जुड़ी। देश के संविधान पर खतरा मंडरा रहा था।

यूपी की जनता ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। कांग्रेस के हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने संसाधन के अभाव में भी पूरा सहयोग किया और कठोर मेहनत की। प्रदेश में नया बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि हमने बैठक में आने वाले समय में जिम्मेदारियों की चर्चा की और 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की। हमारी केंद्र में सरकार नहीं है लेकिन किसानों के प्रति अन्याय, उनकी फसलों की कीमत के लिए संघर्ष करेंगे। युवाओं के रोजगार के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने अमेठी, रायबरेली और वाराणसी की जनता का भी आभार जताया। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि रायबरेली और वायनाड से सदस्यता को लेकर राहुल गांधी खुद निर्णय लेंगे लेकिन हमारी मांग है कि वह रायबरेली से सांसद बने रहें। अविनाश पांडेय ने कहा कि देश की जनता का आस्था और विश्वास से कोई समझौता नहीं है। भाजपा भगवान का नाम लेकर जिस तरह से माहौल बनाने का प्रयास कर रही थी उसे जनता ने नकार दिया है। अयोध्या ही नहीं सीतापुर, बाराबंकी और प्रयागराज ने हम पर पूर्ण विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि हम 5 सूत्रीय कार्यक्रम और 25 गारंटियों को लेकर गंभीर हैं। राहुल गांधी के अयोध्या जाने को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें जब भी अवसर मिलेगा वो अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा कि अजय राय तीन बार वार-णसी से चुनाव लड़े और लगातार वहां की जनता के लिए काम करते रहे हैं। इस बार भी कड़ी टक्कर दी है। असली जीत अजय राय की हुई है।

सपा के सांसद-विधायकों से मिले अखिलेश यादव

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजव-ादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली सफलता से उत्साह से भरे हुए हैं। उन्होंने सपा सांसदों को लोकसभा में जनता के मुद्दों को मुखरता से रखने का निर्देश दिया और इसी तरह विधायकों से भी यूपी विधानसभा में मुद्दे उठाने की बात कही।

चुनाव परिणाम आने के बाद अखिलेश यादव ने लखनऊ में पार्टी के सांसदों-विधायकों के साथ बैठक की।

इस मौके पर शिवपाल यादव ने भी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा अपने अहंकार के कारण हारी है। सुल्तानपुर लोकसभा सीट पर भाजपा नेता मेनका गांधी को हराने वाले रामभुआल निषाद ने कहा कि यूपी के विधानसभा चुनाव में सपा जीतेगी। लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटों पर और कांग्रेस के साथ मिलकर 43 सीटें जीती। यह प्रदर्शन सपा के लिए ऐतिहासिक है और बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। अब कहा जा रहा है कि अखिलेश यादव केंद्र की राजनीति करेंगे और यूपी में नेता प्रतिपक्ष किसी और को बनाया जाएगा।

मोदी तीसरी बार बनेंगे पीएम

भाजपा कार्यालय पर एनडीए की जीत का मना जश्न

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए की जीत और नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय पर जश्न मनाया। इस मौके पर मिठाइयां बांटी और पटाखे फोड़े गए। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता काफी खुश नजर आए। वहीं,

एनडीए की जीत को लेकर संसदीय दलों की बैठक में कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दोहराया कि उनके जीवन का हर एक पल देश के लिए है। आने वाले पांच साल में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और खुशहाली और समृद्धि आएगी। इस बार के चुनाव में एनडीए को 293 सीटों पर जीत मिली है। इससे तय हो गया है कि केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। इस जीत से भाजपा कार्यकर्ता बेहद खुश नजर आ रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में आयोजित जश्न में पार्टी की महिला कार्यकर्ता भी शामिल रहीं और कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

दिल्ली से लौटने के बाद एक्शन में योगी

आज मंत्रियों के साथ हार के कारणों पर होगी चर्चा

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में यूपी में मिली हार के बाद योगी सरकार एक्शन के मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों के साथ बड़ी बैठक करेंगे। चुनाव परिणाम आने के बाद होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री प्रदेश में भाजपा की हार के साथ ही सभी मंत्री के कार्यों की समीक्षा करेंगे। लोकभवन में होने वाली इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्रियों के साथ राज्य मंत्रियों को बुलाया गया है। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा होगी और मुख्यमंत्री द्वारा अहम दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। इसके अलावा रिक्त सरकारी पदों पर भर्तियों को लेकर भी निर्देश दिए जा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन सीटों पर विशेष चर्चा होगी जहां पर मंत्रियों की हार हुई है। सरकार के अलावा संगठन के स्तर पर भी जल्द ही बैठक का आयोजन होना है। भाजपा और एनडीए के संसदीय दल द्वारा संसद के सेंट्रल हॉल में शुक्रवार को नरेंद्र मोदी को लोकसभा का नेता चुनने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद जताई। सेंट्रल हॉल के कार्यक्रम में मौजूद सीएम योगी ने जब पीएम को पुष्पगुच्छ भेंट किया, तो उन्होंने योगी की पीठ थपथपा कर हौसला अफजाई की।

तीसरी बार मोदी सरकार बनने पर मनाई खुशी

मोदी जनता के सभी सपनों को करेंगे साकार: बृजभूषण सिंह

मिर्जापुर, 07 जून (एजेंसियां)। बरौधा कचार स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह की अध्यक्षता में तीसरी बार बनने जा रही मोदी सरकार के उपलक्ष्य में बड़े धूमधाम के साथ एक -दूसरे को मिठाई खिलाकर उत्सव मनाया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने मोदी के नेतृत्व में लोकसभा का चुनाव लड़ा। जिसमें आज पूरे एनडीए के साथ तीसरी बार मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जा रहा है।

मोदी जनता के सभी सपनों को साकार करेंगे तथा पार्टी द्वारा दी गई घोषणापत्र (संकल्प) को पूरा करेंगे। इस अवसर पर विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, जिला महामंत्री दिनेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी, नागेश्वर तिवारी, हेमंत त्रिपाठी, गौरव ऊमर, मनीष गुप्ता, भावेश शर्मा, राजेश कुमार, श्याम सिंह, लालू मोदनवाल, उमा बरनवाल, संध्या सिंह, दीपा ऊमर, अलंकार जायसवाल, आदर्श बघेल, अजय राठौर, अवनीश उपाध्याय के साथ अन्य लोग उप-स्थित रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दुबे ने दी।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है।

महिलाओं पर शोध के बाद सामने आया नतीजा

मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है।

क्या है ऑटिज्म

ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

मेटाबालिक हेल्थ पर बुरा असर पड़ने का नतीजा

जनरल में प्रकाशित अपने लेख में कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं है। कई अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह से भ्रूण के विकास और उनके मेटाबोलिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि गर्भवती महिलाओं में मोटापा और मधुमेह जन्म लेने वाले बच्चे के तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी प्रभाव डालता है। अध्ययन से हालांकि यह साबित नहीं होता है कि मां का मोटापा और मधुमेह बच्चे में ऑटिज्म की बीमारी का कारण बन सकता है। डा. वांग का कहना है कि इसे साबित करने के लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

एक्टिव रहें, धीमी शुरुआत करें

जो लोग आमतौर पर कसरत नहीं करते, उन्हें धीमी शुरुआत करनी चाहिए। उन्हें अपनी गति और कसरत का वक्त भी धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। हफ्ते में ढाई घंटे कोई शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य बनाएं। इसके लिए चाहें तो वॉकिंग भी की जा सकती है। हफ्ते में पांच दिन रोजाना आधा घंटा पैदल चलना अच्छा रहेगा। इसके साथ ही अगर वक्त की कमी के चलते आप एक साथ तीस मिनट नहीं चल सकते हैं।

नाखून चबाने से होती है ये लाइलाज बीमारी

हम अक्सर अपने आस-पास लोगों को नाखून और उसके आस-पास की स्किन चबाने देखते हैं। वैसे तो नाखून की स्किन चबाना हमें आम सी बात लगती हैं लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि इस गंदी आदत की वजह से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इससे पेट संबंधी परेशानी होना स्वाभाविक है। इससे पाचन शक्ति भी कमजोर होती है। नाखून चबाने से अन्य भयानक रोग भी हो सकते है।

आइए समझें गुस्से का मनोविज्ञान

क्रोध एक प्राकृतिक भावना है। ईसा पूर्व 200 वर्षो से 200 ईसवी तक के काल के बीच लिखे गए नाट्य शास्त्र में क्रोध को एक 'रस' या नैसर्गिक भाव कहा गया है।

अमेरिकन फिजियोलॉजिकल एसोसिएशसन ने 'गुस्से को विपरीत परिस्थितियों के प्रति एक सहज अभिव्यक्ति कहा गया है। इस उग्र प्रदर्शन वाले भाव से हम अपने ऊपर लगे आरोपों से अपनी रक्षा करते हैं। लिहाजा अपनी अस्तित्व रक्षा के लिए क्रोध भी जरूरी होता है। आधुनिक जीवनशैली किसी भी व्यक्ति को तनाव में धकेल सकती है। अब जबकि हजारों लोगों को अपने रोजगार और घरों से हाथ धोना पड़ रहा है और यहां तक कि सेवानिवृत्त लोगों की सुरक्षित राशियां भी बाजारी उथल-पुथल के कारण गायब होती जा रही हैं - इस लिहाज से इस काल को 'ऐज ऑफ एनग्जाइटी' या व्यग्रता का युग कहा जा सकता है। इसके विपरीत, यह भी सच है कि कुछ लोग चाहे उनकी आर्थिक या पारिवारिक स्थिति कैसी भी हो, हमेशा तनाव में रहते हैं। दरअसल, वह पैदाइशी तनावग्रस्त होते हैं।

क्या आपको गुस्से की समस्या है?

गुस्से को पहचानने की जरूरत है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें ये बातें है

- धैर्य की कमी
- खाना जल्दी खाना
- बैचेनी
- काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन
- गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना

बेचैनी और तनाव भी बढ़ाते हैं क्रोध

तनाव डर से अलग होता है। इनसान या किसी अन्य जीवित प्राणी को डर उसके सामने मौजूद किसी चीज से लगता है। इसके विपरीत तनाव में व्यक्ति अपनी निर्णय करने की क्षमता को लेकर उलझा रहता है। व्यक्ति इस दौरान 'तब क्या होगा' के भंवर में फंसकर रह जाता है। लेकिन जब डर कामकाज से उलझने लगता है तो तनाव 'क्लीनिकल एनग्जाइटी डिसॉर्डर' का रूप ले लेता है, जिसके अपने कई रूप हैं जिनमें पैनिक, सोशल एनग्जाइटी, फोबिया, ऑब्सेसिव-कम्पलसिव, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस और सबसे ऊपर एनग्जाइटी डिसॉर्डर हैं। चिंता दिमाग में एमिग्डला में अत्यधिक हलचल के कारण उत्पन्न होती है जो दिमाग के बीच का हिस्सा होता है। दिमाग का यह हिस्सा नएपन और किसी खतरे का सामना होने की सूरत में सजग होता है। अपने साधारण कामकाज के दौरान एमिग्डला नए वातावरण के प्रति शारीरिक क्रियात्मक उत्तर देता है। इस क्रिया में भावनात्मक अनुभवों की स्पष्ट यादें होती हैं। लेकिन कगान के अध्ययनों के मुताबिक विशिष्ट मानसिक बनावट वाले लोगों में एमिग्डला अतिक्रियात्मक होता है।

गुस्से पर करें काबू

- गुस्से पर नियंत्रण रखने के लिए बेहतर है कि आप सकारात्मक और क्रिएटिव काम करें
- गुस्सा होने पर किसी म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट को बजाएं
- कमरे को साफ करें, पिक्चर देखने जाएं, थोड़ा घूम आएं
- कुछ भी ऐसा करें जिससे आपका ध्यान कुछ देर के लिए बंट जाएं
- मजाक तनाव दूर करने का सबसे बेहतर तरीका है।
- शोध दर्शाते हैं कि तनाव को दूर करने के लिए पानी पीना चाहिए। यह तनाव को दूर करता है
- समय पर खाना खाने से, कसरत करने से और पर्याप्त आराम करने से गुस्सा कम आता है
- योगा, मेडिटेशन और कांगनेटिव तकनीक भी तनाव और गुस्से को दूर करने में कारगर है

ज्यादा टीवी देखना

हिंसक प्रोगाम देखना, क्राइम शो आदि बच्चों के मन-मस्तिष्क को पूरी तरह प्रभावित करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कई बार युवा हिंसा के प्रति संवेदनशील नहीं रहते और उन्हें किसी कार्य का प्रतिरोध करने के लिए गुस्सा नाजायज नहीं लगता।

दिमाग को ठंडा रखें

अकसर गुस्से के दौरान किसी को समझाने के लिए कहा जाता है कि अपने दिमाग को ठंडा रखो। हाल ही एक शोध में एक बात सामने आई है कि अगर दिमाग को ठंडा रखा जा सकें तो ह्रदय और पक्षाघात के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। छात्र हैरिस ऐसे ही शोध में लगे हुए है। उन्होंने ऐसा कूल हेलमेट डिजाइन किया है जो कि हाइपरथैमिया को प्रेरित करने के काम आता है। आप भी इस बात से वाकिफ होंगे कि माथे पर ठंडा कपड़ा रखने से सिरदर्द में आराम मिलता है।

ये हैं गुस्से के प्रमुख कारण

नींद

सोना अचेतन की अवस्था होती है। सोने से शरीर के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। सोने के दौरान लगातार इस्तेमाल होने वाले मांसपेशियां और जोड़ रिकवर होते हैं। रक्तचाप कम होता है और ह्रदय गति कम होती है। उसी दौरान शरीर में ग्रोथ हार्मोन का स्रवण होता है। इस दौरान ही दिमाग रोजमर्रा की सूचनाओं को एकत्रित करने का काम करता है। तनाव, लंबे समय तक कार्य, जीवनशैली के कारण सोने की समस्याएं होती है। बिना पूरी नींद के दिमाग और शरीर सही तरीके से फंक्शन नहीं कर पाता। पर्याप्त नींद न लेने से कई तरह की बीमारियां होती है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद और आराम आवश्यक है।

पूरी नींद लें

- कॉफी, चाय, कोला, चॉकलेट का सेवन सीमा में करें। निकोटीन, एल्कोहल और कैफीन से आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती।
- अपने दिमाग और शरीर को रिलैक्स होने का समय दें।
- मेडिटेशन करें, किताब पढ़ें, संगीत सुनें और एरोमाथेरेपी करें।
- सोने और जागने की दिनचर्या बनाएं।

शारीरिक अवस्था- कुछ स्थितियां जैसे कि एडीडी (एडिशन डेफिसिट डिअसॉर्डर)की वजह से लोग चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। हार्मोनल असुंतलन और ह्रदय रोगों की वजह से भी लोग जल्दी आपा खो बैठते हैं।

अकेलापन

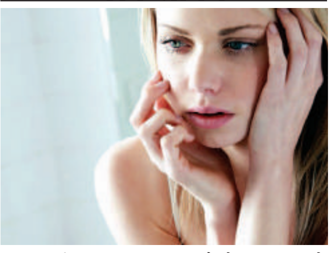

किसी नई जगह पर अकेले रहना गुस्से का एक कारण होता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जिन लोगों के दोस्त कम होते हैं सामान्यतः उन्हें गुस्सा जल्दी आता है। ऐसे बच्चे जो कि न्यूक्लियर फैमिली में पैदा होते हैं और उनके माता या पिता में से कोई एक मानसिक रूप से पीड़ित होता है। मानसिक अनियमितता की वजह से वे गुस्सैल हो जाते हैं। वे गाली देने लगते हैं, भाई-बहन से मारपीट करने लगते हैं, चीजों को तोड़ते हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अगर आपका बच्चा गुस्सा ज्यादा करता है मतलब वह कहीं न कहीं हताश है।

महत्वाकांक्षा

कारपोरेट दुनिया ने प्रगति के दो पैमाने बना दिए है पहला प्रदर्शन और दूसरा कम समय में काम को बेहतर तरीके से कर सकने की क्षमता। इस पैरामीटर पर खरा उतरने की कोशिश में कई बार लोग हताश और गुस्सैल प्रवृत्ति के हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि दूसरों की भावनाओं की क्द्र न करना, लोगों के अभिवादनों के प्रति संवदेनशीलता कम होना, भौतिक सुख-साधनों को पाने का लालच ज्यादा बढ़ना हमेशा गुस्से का कारण बनता है। आज के दौर में कई प्रोफेशन ऐसे हो गए हैं जिनमें कई बार उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ता है और उनकी सही-गलत बातों को मुस्कराकर सुनना पड़ता है। ऐसे में कई बार कुछ न कह सकने की हताशा गुस्से में परिणित हो जाती है।

गुस्सा बिगाड़ता है सेहत

गुस्सा वातावरण को तो खराब करता ही है। आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचाता है। गुस्सैल लोगों के फेफड़ों का फंक्शन खराब करता है साथ ही इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है।

इसकी वजह से आप तनाव से होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। गुस्सैल व्यक्ति खुद को तो नुकसान पहुंचाता है, अपने आसपास के माहौल को भी बिगाड़ता है। एक बुरा पहलू ये है कि गुस्सा करने वाले व्यक्ति को इस बात का इल्म तक नहीं होता कि वह गुस्सा है लेकिन सुखद पक्ष ये है कि गुस्से को नियंत्रित और मैनेज किया जा सकता है।

इस पैशन से पचास बीमारियां

नौजवानों का पैशन है बाइक ड्राइविंग। हैवी ट्रैफिक के बीच घंटों तेज रफ्तार में ड्राइविंग जिस्म पर भारी पड़ती है और दिमाग पर भी। शहरी बाइकर्स के लिए तो यह समस्या और अधिक है क्योंकि शहर की भीड़-भाड़ ड्राइविंग को न सिर्फ जोखिम भरा बना रही है, बल्कि सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जिस्म और दिमाग दोनों इसके शिकार हो रहे हैं।एक अंदाजा है कि महानगरों में नौजवान रोजाना औसतन 60 से 100 किलोमीटर तक बाइक भगाते हैं। लड़कियां भी इस मामले में कहीं पीछे नहीं हैं। लड़कियां रोजाना 40 से 60 किलोमीटर तक गाड़ी चलाती हैं। अब तो स्कूल-कॉलेज जाने के लिए भी लड़के-लड़कियां दुपहिए दौड़ाने लगे हैं। इन सबका नतीजा यह हो रहा है कि छोटी उम्र में ही दस तरह की शारीरिक व मानसिक परेशानियां होने लगी हैं।

आंखों को लगी नजर

बाइक सवारों की आंखों को बहुत कुछ झेलना पड़ता है जैसे धूप, हवा, धूल, धुआं और यहां तक कि हवा में उड़ने वाले कीट-पतंगे भी। आंखों में बहुत ज्यादा हवा, धूल, धूप लगने से 'टरेजियम' की समस्या पैदा हो जाती है। इससे आंखों से लिसलिसा पदार्थ निकलने लगता है जिसकी वजह से जलन, खुजली और लालिमा की समस्या पैदा हो जाती है। वहीं लगातार ड्राइव करने की वजह से आंखें शुष्क हो जाती हैं और उनमें जलन होने लगती है। कई बार ड्राइव करते समय दिखना भी बंद हो जाता है।

टेढ़े बैठे तो नाजुक गर्दन गई

करीब दस हजार लोगों में शोध करने पर पाया गया कि गर्दन की समस्याएं अक्सर ठीक ढंग से सवारी (बॉडी का सही पॉस्चर न होना) न करने की वजह से होती हैं। इसमें हेल्मेट को ठीक से न पहनना एक बड़ा कारण माना जाता है। इसकी वजह से कभी-कभी गर्दन में दर्द होने लगता है। ऐसा खासकर तब होता है जब हेल्मेट सिर पर काफी आगे की तरफ हो। अगर हेल्मेट आगे की ओर से नीचे झुका हुआ है तो बाइक सवार को सामने देखने के लिए अपना सिर उठाकर रखना पड़ता है।

कॉरपल टनल सिंड्रोम के लक्षण

- सिर एवं अंगुलियों में दर्द, हाथ एवं पैर की अंगुलियों में सिहरन, अंगुलियों का सुन्न होना, ग्रिप (पकड़) का ढीला होना, हाथों और कलाइयों में दर्द की शिकायत का बढ़ना आदि।

बचाव के टिप्स

- लेटते समय अपने हाथ के नीचे तकिया रखें।
- अपने हाथों का अत्याधिक इस्तेमाल न करें।
- केवल एक ही हाथ से काम न करें।

ऐसे करें बचाव

ज्यादा बाइक चलाने से होने वाले पीठ दर्द से बचा जा सकता है। लगातार एक घंटा बाइक चलाने से बचें। अगर किसी वजह से एक घंटे से अधिक बाइक चलानी पड़ भी रही है तो बीच में एक ब्रेक लें। रुक कर अपनी टांगों की स्ट्रैचिंग करें। ड्राइव करते वक्त अपनी पोजीशन समय समय पर बदलते रहें। ध्यान रखें कि ऐसा करते समय वाहन पर आपके नियंत्रण में कोई कमी न आए। रेड लाइट शरीर को आराम देने के लिए सही जगह है, जहां आप अपने हाथों, कंधों और पैरों को हिला-डुला कर उन्हें सुन्न होने से बचा सकते हैं।

क्लच से कलाई का कबाड़ा

यह कलाई और हाथों में होने वाला एक दर्द विकार है। कॉरपल टनल हाथों की पतली हड्डियों और कलाई के ऊतकों द्वारा बनाई गई एक सुरंग है। यह सुरंग आपकी मंझली तंत्रिका की हिफाजत करती है। मंझली तंत्रिका अंगूठे, तर्जनी, मध्यमा और अनामिका तक संवेदन का अहसास कराती है, लेकिन जब कलाई की नाजुक हड्डियों और स्नायु पर दबाव पड़ता है तो सूजन बढ़ने लगती है। दबाव पड़ने की सूरत में इससे संबंधित विभिन्न हिस्से सुन्न पड़ने लगते हैं। बाइक चलाने वालों में यह समस्या अधिक देखने में आती है। अंगुलियों का सुन्न होना एक खतरनाक लक्षण है। अक्सर इसका संबंध कॉरपल टनल सिंड्रोम से होता है। बाइक चलाते समय कलाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैसे करें बचाव

- ड्राईविंग करते समय अपना पॉस्चर सही रखें।
- यह सुनिश्चित करें कि बाइक चलाते वक्त आपका हेल्मेट आपके सिर पर ठीक तरीके से फिट हो और उसका झुकाव आगे की ओर न हो।
- गाड़ी चलाते वक्त भारी बैग को अधिक समय तक एक ही कंधे पर ना लटकाए रहें। उसे दोनों कंधों पर बारी-बारी से टांगें।
- मसाज कराने और गर्म पानी से नहाने से रोगी को तात्कालिक आराम मिल सकता है।
- पर्याप्त मात्र में कैल्शियम और विटामिन डी लेना चाहिए तथा नियमित रूप से व्यायाम करें।
- यदि आपके कंधे में सूजन, अंगुली में झनझनाहट, गर्दन दर्द या सिर दर्द है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें क्योंकि इसका संबंध आपकी बाइक ड्राइविंग से हो सकता है।

रेसिपी

सोया दही वड़ा!

सामग्री

1 कप सोयाबीन सोया बड़ी, 2 - आलू (उबलें), 1 - प्याज (बारीक कटा हुआ) , 2 - हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) , 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर , 1/4 टी स्पून अदरक कूटा हुआ , 1/4 कप ब्रेड , क्रम्ब्स स्वादानुसार,नमक , दही के लिए सामग्री, 1 टीस्पून राई ,1 टीस्पून उडद दाल, 1 टीस्पून अदरक, कद्दूकस किया हुआ, 7-8 करीपत्ते , 2 कप बटरमिल्क ,4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर , आधा टीस्पून चाट, मसाला , तेल व घी

विधि

एक बाउल लें उसमे स्टफिंग की सभी सामग्री को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बना लें। अब इन गोलों को सुनहरा होने तक सेंकें। अब तैयार गोलों को अलग रख दें। अब एक पैन ले इसमें घी डालें और गर्म होने पर राई डाले। फिर इसमें उडद दाल, करीपत्ता डालें। फिर इसे भी अलग रख दें। अब दही का मिश्रण तैयार करने के लिए बटरमिल्क को अच्छे से फेंट लें फिर इसमें सभी मसाले और नमक को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को बाउल में डालकर इसमें तैयार गोलों को डालें। ऊपर से इसमें इमली की चटनी डालें और 20 मिनट के लिए फ्रिज में रखे। अब लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला से गार्निशें करके सर्व करें।

आलू की खीर

सामग्री

दूध आधा लीटर
आलू 1
शक्कर स्वादानुसार
थोड़ा सा केसर
मिक्स ड्रायफ्रूट्स 2 टेबलस्पून कटे हुए

विधि

सबसे पहले दूध को गाढा होने तक उबालते रहें। अब आलू को मीडियम साइज में काट लें। आलू को काटने के बाद में इनहें घी में लाइट फ्राई करें। अब इसमें केसर व शक्कर मिलाकर शक्कर के पिघलने तक पकाएं। फ्राई किए हुए आलू व ड्रायफ्रूट्स मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। अब आलू की खीर को फ्रिज में ठंडा करने के लिए रखें।

छेत्री की आंसुओं से विदाई, मैच के बाद फूट-फूटकर रोए, सॉल्ट लेक में उमड़ा भावनाओं का सैलाब

कोलकाता, 07 जून (एजेंसियां) । सुनील छेत्री के विदाई मैच में भारत और कुवैत का मुकाबला गोलरहित बराबरी पर छूटा। फीफा विश्व कप क्वालिफायर में भारत जीत नहीं पाया, लेकिन सॉल्ट लेक स्टेडियम में मौजूद लगभग एक लाख फुटबॉल प्रेमियों ने छेत्री पर प्यार लुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैच के बाद छेत्री की आंखों में तो आंसू थे, साथ में उन्हें प्यार करने वाले दर्शकों की आंखे भी नम थीं। छेत्री ने भी पूरे स्टेडियम का चक्कर लगाकर हाथ जोड़कर दर्शकों का धन्यवाद किया। भारतीय टीम ने जब उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो वह फूट-फूटकर रोने लगे। इससे पहले भारत को मैच में कई मौके मिले, लेकिन भारतीय टीम इन्हें भुना नहीं पाई। भारत के इस ड्रॉ के साथ पांच अंक हो गए हैं और उसे फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में पहुंचने के लिए अब इंतजार करना होगा। भारत को अपना अंतिम ग्रुप मैच मजबूत कतर से खेलना है। छेत्री के आखिरी मैच में दर्शकों की भीड़ छेत्री को विदाई देने के लिए हजारों दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। इनमें से अधिकतर ने इस स्टार स्ट्राइकर की 11 नंबर की जर्सी पहनी हुई थी। उनके मन में एक टीस भी थी कि अब वह अपने इस प्रिय खिलाड़ी को भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए नहीं देखेंगे। छेत्री ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर का मैच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका अंतिम मैच होगा और यही वजह थी कि उनका कोई भी प्रशंसक उन्हें भारत की तरफ से अंतिम मैच में खेलते हुए देखने से नहीं चूकना चाहता था। छेत्री ने जमुना दास को गले लगाया ड्राइवर की बगल की सीट पर बैठे छेत्री सबसे पहले बस से उतरे। बस से उतर कर छेत्री इस मैदान पर होने वाले हर मैच की गवाह रही 'लोजेंज माशी' जमुना दास के पास गए, जो ईस्ट बंगाल की समर्थक हैं। छेत्री ने उन्हें गले लगाया और फिर मैदान की तरफ चले गए। वह जैसे ही मैदान पर पहुंचे चारों तरफ तिरंगा लहराने लगा और स्टेडियम में छेत्री छेत्री की गूंज सुनाई देने लगी। स्टेडियम में एक बहुत बड़ा पोस्टर लगा था जिसमें बंगाली में लिखा था, सोनार सुनील। तोमाय हृद मझारे रखबो ' (स्वर्णिम सुनील, मैं आपको अपने दिल में बनाए रखूंगा।) इसके अलावा कई अन्य पोस्टर भी लहरा रहे थे जिसमें सुनील छेत्री का गुणगान किया गया था। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह के पीछे खड़े छेत्री को जोर से राष्ट्रगान गाते हुए भी देखा गया।

न्यूज ब्रीफ

सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता, खुला भारत के पदक का खाता

म्यूनिख । सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और चार बार के ओलंपियन यूसुफ डिकेक की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस स्वर्ण से आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता भी खुल गया। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत ने क्वालिफाइंग मुकाबले में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, फाइनल में सरबजोत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले सरबजोत पेरिस ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल में भी शीर्ष पर रहे थे। सरबजोत ने चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2023 की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक का पहला पिस्टल कोटा हासिल किया था। पिछले साल एशियाई खेलों में सरबजोत ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

सरकारी सेवाओं में खिलाड़ियों को मिलेगा इतने प्रतिशत आरक्षण राजभवन से मंजूरी के बाद शासनादेश जारी

देहरादून। राज्य के कुशल खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में चार प्रतिशत आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद अब इसका शासनादेश जारी हो गया है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। साथ ही उन्होंने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर उत्तराखंड लोक सेवा (कुशल खिलाड़ियों के लिए क्षैतिज आरक्षण) विधेयक के प्रविधानों के अनुसार खेल कोटा का निर्धारण करते हुए विभिन्न विभागों से रिक्त पदों के सापेक्ष अधियाचन तैयार कराकर संबंधित आयोग को प्रेषित करने को कहा है। मार्च माह में राजभवन से भी मंजूरी मिली प्रदेश सरकार ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कुशल खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण देने संबंधी विधेयक को मंजूरी प्रदान की थी। इसे मार्च माह में राजभवन से भी मंजूरी मिल गई थी। अब इसका शासनादेश जारी हो गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि लोक सेवाओं के दायरे में सरकारी विभाग, सहकारी समिति, बोर्ड या निगम, सरकार के नियंत्रण वाले कानूनी निकाय, सरकार के नियंत्रण वाले शिक्षण संस्था और विश्वविद्यालय आएंगे। इसमें कुशल खिलाड़ी की परिभाषा भी स्पष्ट की गई है। साथ ही ओलिंपिक से लेकर अखिल भारतीय विश्वविद्यालय खेल या खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पदक विजेताओं के लिए पदों की श्रेणी तय की गई हैं। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पूर्व में राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ी अन्य राज्यों को सेवाएं देते थे।

सीएसके के हाई परफॉर्मेंस सेंटर को संभालेंगे अश्विन

नई दिल्ली । सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन अब

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हाई परफॉर्मेंस सेंटर की जिम्मेदारी संभलेंगे। विश्वनाथन ने कहा है कि 2009 से 2015 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे अश्विन भारत के साथ ही विदेशों में भी टीम की विभिन्न अकादमियों की कमान संभालेंगे। साथ ही कहा कि अश्विन महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी उपस्थिति से हाई परफॉर्मेंस केंद्र और हमारी अकादमियों को लाभ मिलेगा। अश्विन टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज है। वह आईपीएल में 2009 से 2015 तक सीएसके टीम में शामिल रहे थे। इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में अगर अश्विन बोली का हिस्सा होते है तो सीएसके उन्हें अपनी टीम से जोड़ने का प्रयास करेगी। अश्विन साल 2022 सत्र से राजस्थान रॉयल्स टीम के सदस्य है। वहीं आईपीएल नीलामी में अश्विन को टीम से जोड़ने के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा कि नीलामी में चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

न हारे थे, न ..

कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत को देते हुए कहा, पार्टी के लिए लाखों कार्यकर्ताओं ने भीषण गर्मी के दौरान जिस तरह से दिन-रात काम किया और इसके लिए मैं उनको कोटि-कोटि नमन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा, दो दिन चला, हम तो गये, हार गये। उन्होंने कहा कि गठबंधन के इतिहास में संख्या के हिसाब से देखें तो यह सबसे मजबूत गठबंधन सरकार है। इसी जीत को स्वीकार न करने, इस जीत को पराजय की छाया में डुबाए रखने की कोशिशें हुईं। लेकिन ऐसे सभी प्रयास निरर्थक रहे। ऐसी चीजों की बालमृत्यु हो जाती है, और ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा, हम न हारे थे, न हारे हैं। चार जून के बाद हमारा व्यवहार जो रहा है, हम विजय को पचाना जानते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे संस्कार हैं कि विजय की गोद में हम उन्मादी नहीं होते, ना ही पराजित लोगों को उपहास उड़ाते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि 10 साल बाद भी कांग्रेस 100 के आंकड़े को भी नहीं छू पाई। 2014, 2019, 2024 में मिलाकर कांग्रेस को जितनी सीटें मिली हैं, उससे ज्यादा हमें इस चुनाव में मिली हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का एक परिणाम यह भी है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) जिंदा है। उन्होंने कहा, चार जून के पहले ये लोग (इंडी गठबंधन) ईवीएम को लगातार गाली दे रहे थे और ये लोग तय करके बैठे थे कि भारत के लोकतंत्र की प्रक्रिया के प्रति लोगों का विश्वास ही उठ जाए। मुझे तो लगता था कि इस बार ये लोग ईवीएम का अर्थी जुलूस निकालेंगे, लेकिन 4 जून को शाम आते-आते उनको ताले लग गए। ईवीएम ने उनको चुप कर दिया। ये भारत के लोकतंत्र की ताकत है।

उन्होंने कहा कि अब पांच साल बाद 2029 में फिर ईवीएम की बात सुनाई देगी। इंडी गठबंधन ने उच्चतम न्यायालय के दरवाजे खटखटाए कि कैसे रुकावट डालें। चुनाव के पीक ऑवर में चुनाव आयोग की ऊर्जा उच्चतम न्यायालय में उलझाने की कोशिश की। इन लोगों ने भारत की दुनिया में बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि जैसा वह इंडी गठबंधन को देख रहे हैं, वह धीरे धीरे डूब रहा था, अब वह तेज गति से गर्त में जाने वाला है। इंडी गठबंधन वालों से चार जून के बाद आशा थी कि वे लोकतंत्र के जनादेश का सम्मान करेंगे लेकिन शायद ये उनका संस्कार नहीं है। ये खुद अपनी पार्टी के प्रधानमंत्री का अपमान करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि लोकतंत्र हमें सबका सम्मान करना सिखाता है। उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से सदन में गुणवत्ता पूर्ण चर्चा की कमी महसूस होती रही है। उम्मीद है कि नये सदन में यह कमी महसूस नहीं हो। राष्ट्रहित की नीयत से सरकार के विरोध में बोला जा सकता है लेकिन राष्ट्र के विरोध में नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान के इतने महान लोकतंत्र की ताकत देखिए कि राजग को आज देश के 22 राज्यों में लोगों ने सरकार बनाकर उनको सेवा करने का मौका दिया है। हमारा ये गठबंधन सच्चे अर्थ में भारत की आत्मा है। हिंदुस्तान की राजनीतिक इतिहास में और हिंदुस्तान की राजनीति के गठबंधन के इतिहास में कोई भी चुनाव पूर्व गठबंधन इतना सफल कभी भी नहीं हुआ है, जितना की राजग हुआ है। उन्होंने कहा कि राजग के सत्ता प्राप्त करने का या सरकार चलाने का कुछ दलों का जमावड़ा नहीं है। ये राष्ट्र प्रथम की मूल भावना प्रति संकल्पित समूह है। राजग सरकार ने देश को सुशासन दिया है और एक प्रकार से राजग कहते ही सुशासन का पर्यायवाची बन जाता है। हम सबके केंद्र बिंदु में गरीब कल्याण और सुशासन सर्वोपरि रहा है। उन्होंने कहा, मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि अगले 10 साल में सुशासन, विकास, नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता, मेरा व्यक्तिगत रूप से एक स्वप्न है। सामान्य मानवी के जीवन में से सरकार की दखल जितनी कम होगी, उतनी ही लोकतंत्र की मजबूती होगी।

उन्होंने कहा, आज के वातावरण में देश को सिर्फ और सिर्फ राजग पर ही भरोसा है और जब इतना अटूट विश्वास और भरोसा है तो स्वाभाविक है कि देश की अपेक्षाएं भी बढ़ेंगी और मैं इसे अच्छा मानता हूं। मैंने पहले भी कहा था कि पिछले 10 साल का कार्य तो सिर्फ ट्रेलर है। और ये मेरी प्रतिबद्धता है। हमें और तेजी से, और विश्वास से, और विस्तार से... देश की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में रत्तीभर भी विलंब नहीं करना है। हम विकास का नया अध्याय लिखेंगे, सुशासन का नया अध्याय लिखेंगे, जनता-जनार्दन की भागीदारी का नया अध्याय लिखेंगे और सब मिलकर के विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे।

उन्होंने कहा कि गरीबों और मध्यम वर्ग को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता रही है। आज मध्यम वर्ग भारत की विकास गाथा में प्रेरक शक्ति बनकर उभरा है। हम अपने लोगों का कल्याण सुनिश्चित करना जारी रखेंगे और सभी को जीवन की गुणवत्ता प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, अगर मैं एक तरफ एनडीए रखूं और दूसरी तरफ भारत के लोगों के सपने और संकल्पों को रखूं तो मैं कहूंगा कि एन का मतलब न्यू इंडिया, डी का अर्थ डेवेलप इंडिया और ए का मतलब एस्पीरेशनल इंडिया। उन्होंने कहा कि इन सपनों और संकल्पों को पूरा करना, ये हम सबका संकल्प भी है, प्रतिबद्धता भी है और हमारे पास रोडमैप भी है। अब हम समय गंवाना नहीं चाहते हैं। अब हमें पांच नंबर की अर्थव्यवस्था से तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनना है। उन्होंने कहा कि इसमें राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण है। हम सहयोगी संघवाद की भावना का आदर करते हैं और उससे भी आगे प्रतिस्पर्धी सहयोगी संघवाद की भावना का आग्रह करते हैं जिसमें राज्यों में बीच अधिक से अधिक सरल एवं निवेश अनुकूल नीतियां बनाकर प्रगति करने एवं निवेश आकर्षित करने की भावना बलवती हो। उन्होंने कहा कि जी-20 के अध्यक्षीय कार्यकाल में भारत ने देश के कोने कोने में 200 से अधिक बैठकों का आयोजन किया ताकि राज्यों में भी वैश्विक दृष्टि विकसित हो और विश्व को भारत की विविधता का परिचय मिले।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने जिन कामों को बल दिया है, आज भारत की छवि विश्वबंधु की बन चुकी है। आज दुनिया हमें विश्वबंधु के रूप में स्वीकार कर चुकी है। हमने हर संकट को जिस प्रकार से हैंडल किया, जिस प्रकार से हमने मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी। उसका परिणाम है कि सामान्य लोगों के मन में विश्वबंधु का भाव मजबूत हुआ है। कोविड काल में हमने विश्व का वैक्सीन देकर इसका परिचय दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वर्ष हमारे संविधान का ये 75वां वर्ष है और संविधान हमारी भावना है। हम चाहते हैं कि इस 75वां वर्ष को, संविधान की भावना को जन-जन तक पहुंचाएं... इस दिशा में हम काम करना चाहते हैं।

श्री मोदी ने अपनी उपलब्धियों के साथ अगले कार्यकाल के लिए लक्ष्यों की भी चर्चा की और कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मेरा पल-पल देश के नाम है, मेरा पल-पल आप लोगों के नाम है, मैं 24/7 मौजूद हूं। हमें मिलकर के देश को आगे बढ़ाना है। मेरा जीवन एक ही मिशन पर केन्द्रित है- 140 करोड़ भारतीयों को हर कठिनाई से मुक्ति दिलाने का। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय दल के नेता चुन लिए गए। संसद भवन के सेंट्रल हॉल में सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग में एनडीए के 13 दलों के नेता शामिल हुए। मोदी ने अपने 72 मिनट के भाषण में एनडीए की अहमियत, विकास, डेमोक्रेसी और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का सर्वसम्मति से नेता चुने जाने के बाद गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलकर केन्द्र में सरकार बनाने का दावा पेश किया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह, अमित शाह, तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल (यू) तथा गठबंधन के अन्य दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति मुर्मु को केन्द्र में श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा पेश करने से संबंधित पत्र सौंपा। लोकसभा चुनाव में राजग ने 293 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है। वर्ष 1962 के बाद यह पहला अवसर है जब कोई नेता दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेगा।

राष्ट्रपति ने मोदी...

श्री मोदी ने कहा, यह पांच वर्ष वैश्विक परिवेश में भी महत्वपूर्ण होंगे। दुनिया संकट से गुजर रही है ऐसी विकट परिस्थिति दुनिया ने लंबे अरसे के बाद देखी है। हर देश चुनौती का डरते हुए सामना कर रहा है। हम इतने संकट के बावजूद सबसे तेज गति से बढने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं। अब एक स्थायी सरकार और परिपक्व नेतृत्व मिलने के कारण युवा पीढी तथा राज्यों को लाभ मिलेगा और वैश्विक भागीदारी का माहौल बनने वाला है।

उन्होंने कहा कि अठारहवीं लोकसभा आजादी के अमृत महोत्सव के बाद की पहली लोकसभा है और यह एक प्रकार से युवा ऊर्जा और कुछ कर गुजरने वाली लोकसभा होने जा रही है। उन्होंने देशवासियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने एनडीए सरकार को तीसरी बार देश की सेवा करने का आदेश और अवसर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह देशवासियों को आश्वस्त करते हैं कि पिछली दो कार्यकाल में देश तेज गति से आगे बढा है और समाज के हर वर्ग में परिवर्तन नजर आ रहा है। इस कार्यकाल में भी सरकार उसी तेजी के साथ उतने ही समर्पण भाव से देश की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कमी नहीं रखेगी । प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार देश के सामान्य जन के सपनों को पूरा करने का प्रयास करेगी और लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल करने के लिए ऊर्जा तथा व्यापक विजन के साथ काम करेगी।इससे पहले राजग नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री मोदी को सर्वसम्मति से गठबंधन के संसदीय दल का नेता चुने जाने से संबंधित पत्र राष्ट्रपति को दिया था। इसके बाद श्रीमती मुर्मु ने श्री मोदी को राष्ट्रपति भवन बुलाया था। लोकसभा चुनाव में राजग ने 293 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है। वर्ष 1962 (पंडित जवाहर लाल नेहरू) के बाद यह पहला अवसर है जब कोई नेता दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेगा।इस बीच वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। मोदी को अपना नेता चुनने के लिए यहां पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एकत्रित एनडीए नेताओं से जोशी ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 9 जून को शाम 6 बजे होगा। एनडीए सांसदों के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और गठबंधन के वरिष्ठ नेता बैठक में मौजूद थे।

मोदी के नेतृत्व ..

रहे हैं क्योंकि हमने शानदार बहुमत हासिल किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि तीन महीने तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया। उन्होंने दिन-रात प्रचार किया। उन्होंने उसी भावना के साथ शुरुआत की और उसी भावना के साथ खत्म किया।

उन्होंने कहा आंध्र प्रदेश में पीएम ने 3 सार्वजनिक बैठकें और 1 बड़ी रैली की और इसने आंध्र प्रदेश में चुनाव जीतने में बहुत बड़ा अंतर पैदा किया है। टीडीपी के प्रमुख चंद्र बाबू नायडू ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। देश के विकास की रफ्तार आगे भी जारी रहेगी। भारत सबसे अधिक वृद्धि दर के साथ आगे बढ़ रहा है। नायडू ने कहा कि हम सबका साथ, सबका विकास और विकसित भारत के लिए उन्हें अपना समर्थन देते हैं।

टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा, हम सभी को बधाई देते हैं, हमने शानदार बहुमत हासिल किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि 3 महीने तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया। दिन-रात उन्होंने प्रचार किया। उन्होंने उसी भावना के साथ शुरुआत की और उसी भावना के साथ खत्म किया। आंध्र प्रदेश में हमने 3 जनसभाएं और 1 बड़ी रैली की और इसने आंध्र प्रदेश में चुनाव जीतने में बहुत बड़ा अंतर पैदा किया। इससे पहले केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के संसदीय दल के नेता और एनडीए संसदीय दल के नेता के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी का नाम प्रस्तावित किया। जिसका अमित शाह और नितिन गडकरी जैसे दिग्गज भाजपा नेताओं ने अनुमोदन किया।

दिल्ली में पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित एनडीए संसदीय दल की बैठक में टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा नरेंद्र मोदी के पास विजन और जोश है, उनका क्रियान्वयन बहुत सही है। वह अपनी सभी नीतियों को सच्ची भावना के साथ क्रियान्वित कर रहे हैं। आज, भारत के पास सही नेता है- वह नरेंद्र मोदी हैं। यह भारत के लिए बहुत अच्छा मौका है, अगर आप अभी चूक गए तो हम हमेशा के लिए चूक जाएंगे।

अगली बार आइएगा ..

फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। उन्होंने देश की सेवा की है। अब पूरा भरोसा है कि जो भी बचा है, अगली बार ये सब पूरा कर देंगे। जो भी हर राज्य का है, वह भी। हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। पूरे तौर पर जो भी कुछ करेंगे, जिस तरह से ये करेंगे, सब अच्छा है।नीतीश ने कहा, हमको तो लगता है कि जब अगली बार आप आइएगा न, इस बार जो लोग कुछ इधर-उधर जीत गया है, अगली बार वो सब हारेगा। हमें पूरा भरोसा है। ये सब बिना मतलब का बात गोल-मोल करके क्या किया है? उन लोगों ने आज तक कोई काम नहीं किया, कोई देश सेवा नहीं की। आपने इतनी सेवा की है। उसके बाद इस तरह हुआ है। इस बार जो मौका है, उसके बाद आगे कुछ नहीं होगा, उन लोगों के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहेगा। वो सब लोग हारेंगे। उधर बिहार का भी सब काम हो ही जाएगा। जो कुछ बचा है, हम वो भी कर देंगे। देश का सबसे पुराना इलाका है। हम लोग पूरे तौर पर, जो आप चाहिएगा, उस काम के लिए हम लगे रहेंगे।

नीतीश कुमार ने कहा बहुत अच्छा हुआ, हम जितने साथ हैं, बहुत अच्छा है। हम मिलकर चलेंगे, हम पूरा आपके साथ रहेंगे। आप पूरे देश को लेकर आगे बढ़ेंगे, यही हम लोगों को कहना है। मेरा आग्रह यही है कि जल्दी से जल्दी आपका काम शुरू हो जाए, शपथ ग्रहण हो जाए। आप इतवार को करने वाले हैं। हम तो चाहते थे कि आज ही हो जाता तो अच्छा था। जितना तेजी से काम हो जाएगा तो अच्छा है। सब बहुत अच्छा होगा। पूरे देश में इसका बहुत ज्यादा फायदा होगा। इधर-उधर कोई करना चाहे तो उसे कोई लाभ नहीं है। इसलिए आपका अभिनंदन करता हूं। सब लोग इतना खुश हैं। आपके नेतृत्व में सब लोग काम करेंगे। हम लोग सब इनके साथ रहेंगे, एक साथ होकर, जो भी करेंगे, इनकी बात को मानते हुए आगे चलेंगे।

सुरक्षा बलों के...

की पुष्टि की। दंतेवाड़ा और नारायणपुर के सरहदी इलाके में सर्चिंग के दौरान जवानों की मुठभेड़ माओवादियों से हुई। सुरक्षा बलों के जवाबी हमले में सात हार्डकोर नक्सली मौके पर ही मारे गए। मारे गए सातों नक्सली वर्दीधारी हैं। मारे गए नक्सलियों के पास से गोला बारूद और हथियार भी बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक सुरक्षा बल बस्तर डिविजन के ग्राम मुंगेडी और गोबल एरिया में सर्चिंग पर निकली थी। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जवानों की मुठभेड़ नक्सलियों से हुई। मुठभेड़ में नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, जगदलपुर की डीआरजी और 45वीं वाहिनी आईटीबीपी का बल शामिल थे। गोवेल के जंगलों में हुई मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन जवानों ने तेज कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि सर्च ऑपरेशन के दौरान कई और नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हो सकती है। पूरे मुठभेड़ पर दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय और नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार नजर बनाए हुए हैं। नक्सलियों के साथ हुए एनकाउंटर में डीआरजी के तीन जवान भी जख्मी हुए हैं। जख्मी जवानों की हालत खतरे से बाहर है। मारे गए वर्दीधारी नक्सलियों के शव पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। नक्सल विरोधी अभियान के तहत संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया।

भारत के साथ ...

चीन के साथ कूटनीतिक रिश्ते हैं और भारत चीन की स्थिति को जानता है। एक चीन नीति के संदर्भ में भारत ने गंभीर राजनीतिक प्रतिबद्धताएं की हैं और उसे इन्हें मान्यता देते हुए ताइवान के किसी भी विरोध को लेकर सावधान हो जाना चाहिए।

किसी पीएम को....

छह दशकों में अभूतपूर्व है। ऐसी उपलब्धि की दुर्लभता पर जोर देते हुये उन्होंने कहा, 1962 के बाद यह पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल मिला है। इससे पहले देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु को लगातार तीसरा कार्यकाल मिला था। उन्होंने कहा कि भारत कोई सोया हुआ देश नहीं है, बल्कि एक गतिशील देश है, जो हर दिन और हर पल बढ़ रहा है।

बांग्लादेशी सांसद अनार...

उनका कोई पता नहीं है।

पश्चिम बंगाल सीआईडी ने हत्या के पीछे हनी ट्रैप की आशंका जताई है। पुलिस का मानना है कि सांसद को एक महिला न्यू टाउन के एक फ्लैट में प्रलोभन देकर ले गई, जिसके बाद भाड़े के बदमाशों द्वारा उनकी हत्या की गई होगी। वहीं, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक से मुलाकात की थी। यह व्यक्ति बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पश्चिम बंगाल के एक इलाके का निवासी है। पुलिस अधिकारी ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान बताए बिना कहा कि जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह व्यक्ति सांसद से क्यों मिला और उन्होंने क्या चर्चा की थी। जांच से संकेत मिला कि बांग्लादेशी सांसद एक महिला द्वारा बिछाए गए महनी ट्रैपफमें फंस गए, जो सांसद के दोस्त की भी करीबी थी। ऐसा लगता है कि महिला ने सांसद को न्यू टाउन के फ्लैट में जाने का प्रलोभन दिया था। हमें आशंका है कि वहां पहुंचते ही उनकी हत्या कर दी गई।

12 जून से ...

बात रखी।2019 तक सचिवालय, विधानसभा और हाईकोर्ट बन चुके हैं। जबकि बाकी प्रोजेक्ट 50% ही पूरे हुए हैं। 2019 में जगन मोहन के सत्ता में आने के बाद यहां एक ईंट भी नहीं रखी गई। बल्कि प्रज्ञा वेदिका दफ्तर पर बुलडोजर चलवा दिया गया। आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण प्रोजेक्ट रोक दिया गया। लेकिन, पांच साल से प्रोजेक्ट रुका हुआ है। राजधानी का श्रेय नायडू को न मिले, इसलिए जगन जिद में तीन राजधानी अमरावती, विशाखापत्तनम और कुरनूल बनाना चाहते थे, लेकिन पांच साल में वे तीनों में से किसी भी एक शहर का विकास नहीं कर सके। अब चंद्रबाबू फिर वापसी कर रहे हैं।इस प्रोजेक्ट के लिए शुरुआत में 29 गांवों की 54 हजार एकड़ जमीन में से 39 हजार एकड़ ली जा चुकी है। यहां बनीं इमारतें आज भी सूनी पड़ी हैं। जिन्होंने प्रोजेक्ट के लिए एक एकड़ से ज्यादा जमीन दी थी। उन्हें अधिग्रहण राशि से अलग हर साल 30 से 50 हजार रु. की सहायता दी जा रही है। जिनकी जमीन एक एकड़ से कम है और खेती वाली है, उन्हें हर महीने 2500 रुपए पेंशन दे रहे हैं।

अडाणी सोलर कीवा पीवीईएल के पीवी मॉड्यूल रिलाएबिलिटी स्कोरकार्ड में लगातार सातवें साल टॉप परफॉर्मर

अहमदाबाद, 07 जून (एजेंसियां)।

अदाणी समूह की सोलर फोटोवोल्टाइक (पीवी) सेल बनाने वाली कंपनी अदाणी सोलर ने कहा कि कीवा पीवीईएल के पीवी मॉड्यूल रिलाएबिलिटी स्कोरकार्ड के 10वें एडिशन में उसे टॉप परफॉर्मर का सम्मान दिया गया है। अदाणी सोलर अकेली भारतीय कंपनी है जो लगातार सातवें साल टॉप परफॉर्मर बनी है। कीवा पीवीईएल अग्रणी स्वतंत्र प्रयोगशाला है जो सोलर इंडस्ट्री को सेवा प्रदान करती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उनके वार्षिक स्कोरकार्ड में उन विनिर्माताओं को शामिल किया जाता है जिनके पीवी मॉड्यूल स्वतंत्र जांच में उल्लेखनीय गुणवत्ता वाले पाये जाते हैं। अदाणी सोलर के सीईओ अनिल अदाणी ने कहा, हम एक बार फिर टॉप परफॉर्मर बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह सतत मान्यता उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है। भारत में निर्मित हमारे सोलर पीवी मॉड्यूल आधुनिक प्रौद्योगिकी, प्रीमियम कंपोनेंट और सुपीरियर डिजाइन से लैस हैं। इसकी विश्वसनीयता और इसका प्रदर्शन अनन्य है।

गुप्ता ने सभी हितधारकों को उनके लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा, इस सेक्टर में सतत आधुनिकीकरण और अदाणी सोलर के लिए विशिष्ट स्थान के लिए हम इस इंडस्ट्री के उच्चतम मानकों और सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता नियंत्रण का पालन करते हैं। कठिन परीक्षण के जरिये पीवी मॉड्यूल की गुणवत्ता और विश्वसनीयता की जांच के लिए कीवा पीवीईएल का प्रोडक्ट क्वालिफिकेशन प्रोग्राम (पीओपी) सबसे वृहद जांच है। अदाणी सोलर के पीवी मॉड्यूल इन जांचों में सफलतापूर्वक खरे उतरे।

उनकी विश्वसनीयता और प्रदर्शन उद्योग में अग्रणी स्तर पर पाई गई। कीवा पीवीईएल के बिक्री एवं विपणन के उपाध्यक्ष ट्रिस्टन एरिऑन-लोरिको ने कहा, पीवी मॉड्यूल रिलाएबिलिटी स्कोरकार्ड में लगातार सातवें साल टॉप परफॉर्मर का सम्मान पाने के लिए अदाणी सोलर की टीम को बधाई। अदाणी सोलर के हमारी रिपोर्ट में एक बार फिर शामिल होने की हमें खुशी है। हम निकट भविष्य में कंपनी को सतत विकास की राह पर बढ़ते देखने की उम्मीद करते हैं। अदाणी सोलर वर्टिकली इंटीग्रेटेड सोलर पीवी बनाने वाली देश की पहली और एकमात्र कंपनी है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में हीट वेव, भीषण गर्मी से केले की फसल को नुकसान

पटना। बिहार के हाजीपुर और कोसी क्षेत्र की पहचान केले के उत्पादक के रूप में होती है। इन इलाकों में लंबी और बौनी दोनों प्रजातियों के केले की खेती की जाती है। हाल के वर्षों में हीट वेव और भीषण गर्मी ने केले की फसल को नुकसान पहुंचाया है। वैज्ञानिकों का भी मानना है कि कई वर्षों से हीट वेव (लू) की साल दर साल बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता, विशेष रूप से 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान, केले की खेती के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा कर रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अत्यधिक तापमान केले की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पूसा, समस्तीपुर के विभागाध्यक्ष और अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर डॉ. एस के सिंह ने कहा कि उच्च तापमान केले में फूल और फल लगने के लिए आवश्यक हार्मोनल संतुलन को बाधित करता है। वे कहते हैं कि फूल को बढ़ावा देने वाले हार्मोन, गर्मी के तनाव से नकारात्मक रूप से प्रभावित हो जाते हैं, जिससे पुष्पक्रम का खराब विकास होता है। इसके अलावा, फूल लगने की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान गर्मी के चलते असामान्य फूल होंगे जिससे कम फल लग सकते हैं। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में केले की खेती 42.92 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में होती है, जिससे कुल 1968.21 हजार टन उत्पादन होता है। बिहार की उत्पादकता 45.86 टन प्रति हेक्टेयर है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर केला 924 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में उगाया जाता है, जिससे कुल 33,062 टन उत्पादन प्राप्त होता है। बताया जाता है कि इसकी खेती के लिए आवश्यक है कि तापक्रम 13 से 40 डिग्री के बीच हो। सर्दी में न्यूनतम तापमान जब 10 से डिग्री नीचे जाता है तब केला के पौधे के अंदर द्रव का प्रवाह रुक जाता है, जिससे केला के पौधे का विकास रुक जाता है और कई तरह के विकार दिखाई देने लगते हैं। सिंह बताते हैं कि हीट वेव से केले के पकने की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिससे समय से पहले फल पक जाते हैं और फलों की शेल्फ लाइफ कम हो जाती है। उच्च तापमान पर श्वसन दर में वृद्धि के कारण स्टार्च का शर्करा में तेजी से कमी आ जाती है, जिससे फल अधिक पके और अक्सर फट जाते हैं।

गैस से बिजली उत्पादन मई में कई साल के उच्चस्तर पर, एलएनजी के आयात में तेज वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के कारण देश में मई, 2024 में गैस आधारित बिजली उत्पादन कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। गैस आधारित बिजली का इस्तेमाल लगातार बढ़ने से दो वर्षों में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात में तेज वृद्धि का अनुमान है। ग्रिड इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल और मई में देश में गैस आधारित बिजली का उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में दोगुना होकर 8.9 अरब किलोवाट घंटे पहुंच गया। इसके साथ ही, बिजली बनाने में इस्तेमाल कोयले की हिस्सेदारी में कोरोना महामारी के बाद पहली बार गिरावट आई है। मई में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी एक साल पहले की समान अवधि के 75.2 फीसदी से घटकर 74 फीसदी रह गई। वहीं, गैस की हिस्सेदारी 1.6 फीसदी से दोगुना होकर 3.1 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में गैस आधारित बिजली के उत्पादन में 10.5 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

शाकाहारी थाली एक साल में नौ फीसदी महंगी, मांसाहारी थाली सात फीसदी सस्ती

नई दिल्ली। शाकाहारी थाली एक साल में 9 फीसदी महंगी हो गई है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत घटी है। क्रिसिल की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, मई, 2023 में शाकाहारी थाली की कीमत 25.5 रुपये थी, जो इस साल मई में बढ़कर 27.80 रुपये पहुंच गई है। वहीं, मांसाहारी थाली 7 फीसदी सस्ती होकर 55.90 रुपये पर आ गई हालांकि, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली एक फीसदी ही महंगी हुई है। टमाटर, आलू और प्याज की बढ़ती कीमतों से शाकाहारी थाली महंगी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टमाटर के दाम एक साल में 39 फीसदी, आलू के 41 फीसदी और प्याज के 43 फीसदी बढ़े हैं। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट का श्रेय ब्रॉयलर को जाता है। एक साल में इसकी कीमत 16 फीसदी तक घटी है।

एमपीसी ने लगातार आठवीं बार रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का एलान

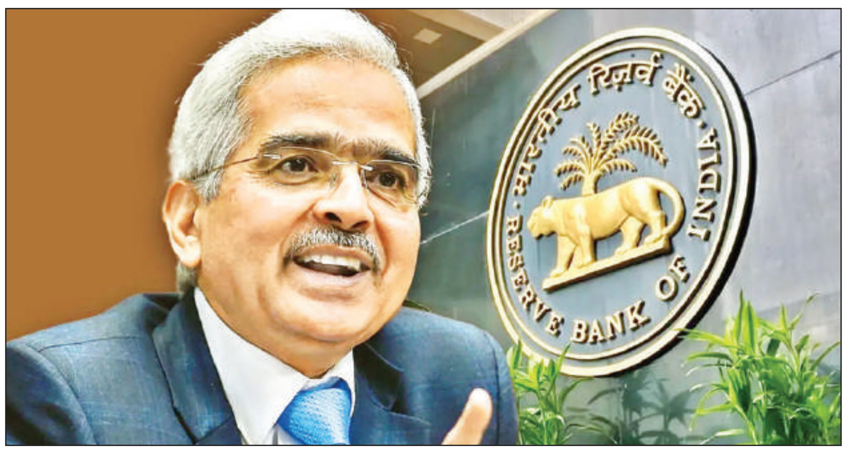

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिनों तक चली बैठक के बाद रेपो रेट को वर्तमान दर पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दर निर्धारण समिति ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी। रेपो रेट से बैंकों की ईएमआई जुड़ी होती है। ऐसे में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने से यह तय हो गया है कि आपके बैंक लोन की ईएमआई में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है।

पांच जून से सात जून तक चली एमपीसी की बैठक

इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए तीन दिवसीय बैठक शुरू की। एमपीसी की बैठक में छह सदस्यों में से चार ब्याज दरों को स्थिर रखने के पक्ष में रहे। वित्तीय वर्ष 2025 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 25 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो पिछले अनुमान 7 प्रतिशत से अधिक है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्थिर खर्च के साथ निजी खपत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी जारी है। आरबीआई गवर्नर बोले- महंगाई दर 4 प्रतिशत पर लाने के लिए केंद्रीय बैंक प्रतिबद्ध आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई में कमी लाने में एमपीसी की भूमिका अहम है। दास ने कहा कि वर्तमान में गर्मी के कारण सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। ऋद्ध गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को स्थायी आधार पर 4 प्रतिशत के लक्ष्य पर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत: शक्तिकांत दास

उन्होंने ईंधन की कीमतों में गिरावट के रुख के लिए एलपीजी कीमतों में कटौती को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने खाद्य कीमतों में वृद्धि की वैश्विक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे व्यापक बाजार में बदलाव दिख सकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य कीमतों में अनिश्चितता पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जरूरत के मुताबिक लिक्विडिटी पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपये में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी, सोने के वायदा भाव 73,250, चांदी 93,900 हजार रुपए

नई दिल्ली। सोने के वायदा कारोबार में भी तेजी देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। लेकिन बाद में इसके भाव भी चढ़ गए। सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,900 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 106 रुपये की तेजी के साथ 73,237 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 188 रुपये की गिरावट के साथ 93,628 रुपये पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 106 रुपये की तेजी के साथ 93,922 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-दी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,395.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,390.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,396.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.47 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.36 डॉलर था। इस समय यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 31.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश को अब राहुल गांधी पर भरोसा नहीं, शेयर बाजार में घोटाले के आरोपों पर पीयूष गोयल का पलटवार

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

भारत के अर्थव्यवस्था की उपलब्धि साधारण उपलब्धि नहीं है। पूरा विश्व इसे गंभीरता से देख रहा है और समझ रहा है। भारत का विकास पीएम मोदी के नेतृत्व में होने जा रहा है। एक बार फिर मोदी सरकार बन रही है इस बात से राहुल गांधी बहुत परेशान नजर आ रहे हैं। ऐसे में वे अपने बयान से निवेशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं। इक्विटी मार्केट में चुनाव के हिसाब से अलग अलग तरीके से बदलाव होते रहते हैं। ये बातें भाजपा नेता पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के शेयर बाजार में घोटालों के आरोपों के पलटवार में कही है। गोयल ने यह भी कहा कि देश की जनता को अब राहुल गांधी पर भरोसा नहीं है।

गोयल ने कहा, दुनिया भर में इस तरह से इक्विटी मार्केट चलती है। देखना यह है कि लंबे अरसे में इक्विटी मार्केट में क्या हुआ है। देश के निवेशक जानते हैं कि पिछले दस वर्ष के सफलतापूर्वक मोदी सरकार के कार्यकाल में हमारा मार्केट कैप पहली बार 400 लाख करोड़ का कीर्तिमान हासिल किया है। पीएसयू का मार्केट कैप भी चार गुना मोदी सरकार के कार्यकाल में बढ़ा है। यूपीए काल में भारत का मार्केट कैप मात्र 67 लाख करोड़ रुपये था। आज यह बढ़कर 415 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह 348 लाख करोड़ रुपये की बढ़त पिछले दस वर्षों में हुई है।

गोयल ने कहा, पिछले 60 वर्षों में भारतीय बाजार ने जो मार्केट कैप हासिल किया उससे पांच गुना मोदी सरकार के कार्यकाल में हासिल किया गया। इसका सबसे बड़ा लाभ भारतीय निवेशकों विशेषकर खुदरा निवेशकों को इसका लाभ हुआ। आज वो सिर्फ मार्केट को दूर से नहीं देखते। आज वो निवेश करने उसका सीधा लाभ लेते हैं। एफपीआई की होल्डिंग यूपीए काल में 21 प्रतिशत थी वो आज घटकर 16 प्रतिशत हो गई है। विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी कम हुई है और भारतीय निवेशकों की बढ़ी है। यह 79 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गई है।

इस साल बिक सकते हैं रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर, 40 फीसदी तक की वृद्धि

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

भीषण गर्मी के कारण इस साल देशभर में रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर (एसी) बिक सकते हैं।कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने कहा, मई में एसी की रिकॉर्ड बिक्री हुईहै। गर्मी में बिक्री में 30-40 फीसदी बढ़ सकती है।

वाचानी ने कहा, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं ने अब शहरी क्षेत्रों में घरेलू एसी को अनिवार्य जरूरत बना दिया है। बाजार विकसित होने के साथ उम्मीद है कि देश में सालाना बिक्री करीब 1.4 करोड़ इकाई होगी, जो क्षेत्र के मजबूत विस्तार को बताती है। भारतीय रिहायशी एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़कर लगभग एक से 1.11 करोड़ इकाई तक पहुंचने की उम्मीद है।

आइसक्रीम-शीतल पेय पदार्थों की बिक्री में तेजी

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच कोला, पेय पदार्थ, आइसक्रीम और ठंडक प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की बिक्री में जोरदार तेजी आई है।पेप्सिको इंडिया और कोका कोला जैसी कंपनियों का कहना है कि मांग में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए हमने अपना भंडार (इन्वेंट्री) तैयार कर रखा है।

अमेजन ने वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर के कुछ एसेट्स का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी अमेजन की ओर से वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर के कुछ एसेट्स को खरीद लिया गया है।इस डील को लेकर अमेजन के प्रवक्ता की ओर से दिए गए बयान में कहा गया कि हम हमेशा अपने ग्राहकों के लिए नए प्रोडक्ट्स की तलाश करते हैं, जिससे कि उनकी जिंदगी आसान हो। अमेजन प्राइम वीडियो और मिनी टीवी पर मौजूद लोकल और एक्सक्लूसिव कंटेंट से पूरे भारत का मनोरंजन करके हमें खुशी हो रही है। कंपनी की ओर से डील के साइज के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि डील 100 मिलियन डॉलर से कम की है। बता दें कि एमएक्स प्लेयर ने 2019 में 500 मिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर 111 मिलियन डॉलर जुटाए थे। तब से कंपनी की वैल्यूएशन में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अमेजन की ओर से ऐड के समर्थन वाली मिनी टीवी स्ट्रीमिंग सर्विस को चलाया जाता है। माना जा रहा है कि एमएक्स प्लेयर का अधिग्रहण से इसे सहारा मिलेगा। अमेजन की ओर से ये कदम ऐसे समय पर देखने को मिला है, जब कुछ महीने पहले वॉल्ट डिज्नी की भारतीय इकाई और रिलायंस इंडस्ट्री के साथ ज्वाइंट वेंचर का ऐलान किया गया था। इस डील के तहत वायकॉम 18 और स्टार इंडिया के टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म को एक कंपनी के तहत लाया जाएगा। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन के विश्लेषकों के मुताबिक जैसे ही रिलायंस इंडस्ट्री के मीडिया कारोबार और वॉल्ट डिज्नी की भारतीय इकाई का मर्जर हो जाएगा। इनके पास भारत के 85 प्रतिशत वीडियो स्ट्रीमिंग दर्शक होंगे।

एयर इंडिया और विस्तारा के विलय का रास्ता हुआ साफ, राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण ने मंजूरी दी

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) ने एयर इंडिया और विस्तारा के विलय को मंजूरी दी। जिससे इसके दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक बनने का रास्ता साफ हो गया है। विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी होगी। विस्तारा सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा समूह का एक संयुक्त उद्यम है।

एनसीएलटी की चंडीगढ़ पीठ ने 31 पन्नों के फैसले में टैलेस, एयर इंडिया और विस्तारा से जुड़ी समग्र व्यवस्था योजना को मंजूरी दी। सभी टाटा समूह का हिस्सा हैं। एयर इंडिया को उम्मीद है कि इस साल के अंत तक विलय पूरा हो जाएगा। एनसीएलटी की चंडीगढ़ की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि इस योजना को दोनों एयरलाइन कंपनियों के शेयरधारकों और लेनदारों से पहले ही आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है।

एनसीएलटी के आदेश में कहा गया, याचिकाकर्ता कंपनियों और उनके शेयरधारकों के बीच धारा 230 से 232 और कंपनी अधिनियम 2013 के अन्य प्रावधानों के तहत समग्र व्यवस्था योजना को मंजूरी दी जाती है। इसमें कहा गया है कि योजना कंपनियों और उनके संबंधित शेयरधारकों के लिए बाध्यकारी होगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि कंपनियां सिंगापुर एयरलाइंस (विस्तारा की शेयरधारक) से प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की मंजूरी और डीजीसीए/एमओसीए से संबंधित सीएआर (नागरिक उड्डयन विनियमन) के तहत आवश्यक सुरक्षा मंजूरी इस आदेश की तारीख से नौ महीने की समय सीमा केभीतर सुनिश्चित करेंगी। इस साल मार्च में सिंगापुर के प्रतिस्पर्धा नियामक सीसीसीएस ने प्रस्तावित विलय को सशर्त मंजूरी दी। सितंबर 2023 में सौदे को कुछ शर्तों के साथ सीसीआई से मंजूरी मिली। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया की बागडोर संभाली थी।

रुपया छह पैसे बढ़कर 83.47 डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.47 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा, हालांकि स्थानीय मुद्रा को सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों तथा विदेशों में अमेरिकी मुद्रा के नरम पड़ने से समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि निवेशक रिजर्व बैंक की दर-निर्धारण समिति के निर्णय से पहले सतर्क हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपना तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू किया और परिणाम घोषित करेगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.46 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.47 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.07 पर रहा।

संपादकीय

गठबंधन सहारे मोदी सरकार

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंततः उन्होंने एनडीए छोडने का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई। बेशक उस दौर की तुलना में अब भाजपा सांसदों की संख्या काफी है, लेकिन स्पष्ट बहुमत से 30 सांसद कम हैं। लिहाजा सहयोगी दलों के समर्थन के बिना मोदी सरकार भी अस्थिर रहेगी। यह जनादेश 2014 और 2019 से बिल्कुल भिन्न है। प्रधानमंत्री मोदी 10 साला कार्यकाल के दौरान लगभग निरंकुश होकर फैसले लेते रहे। प्रधानमंत्री दफ्तर भी उसी तर्ज पर काम करता रहा। अब यह गठबंधन की सरकार होगी, लिहाजा प्रधानमंत्री को समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, कुछ आर्थिक सुधार, एनसीआर सरीखे मुद्दों पर फिलहाल विराम लगाना पड़ेगा अथवा टीडीपी और जद-यू की सहमति सरकार के लिए बाध्यकारी होगी। इस बार विपक्ष भी ताकतवर होगा। उनका नेता प्रतिपक्ष भी होगा, लिहाजा मुद्दों और विधेयकों पर विपक्ष की सहमति को भी टाला नहीं जा सकेगा। इस बार मोदी सरकार के लिए कोई भी संविधान संशोधन बिल पारित कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि बहुमत नहीं है। कांग्रेस के 99 और सपा के 37 सांसद चुनकर लोकसभा में आ रहे हैं। 'इंडिया' की कुल ताकत पर्याप्त है। पीएमओ पर भी गठबंधन के सहयोगियों की 'निगाह' बराबर बनी रहेगी। फिलहाल नायडू और नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर समर्थन और गठबंधन की गारंटी दी है, लेकिन उन दोनों के अतीत का इतिहास संदिग्ध रहा है। उससे उन्होंने सबक भी सीखा होगा! दोनों दल लोकसभा में स्पीकर का पद चाहते हैं। वाजपेयी सरकार के दौरान टीडीपी के बालयोगी स्पीकर होते थे। बहरहाल अभी तो मोदी सरकार को शपथ ग्रहण करनी है। इस बार 23.43 करोड़ मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व को वोट दिए हैं। यकीनन यह विश्व कीर्तिमान है, क्योंकि एक ही व्यक्ति के नाम इतने वोट नहीं डाले गए। फिर भी भाजपा को आत्ममंथन करना है कि जनादेश की दशा और दिशा एकदम कैसे बदल गई? वाराणसी सीट पर 2019 में प्रधानमंत्री मोदी 4 लाख से अधिक वोट से जीते थे, लेकिन इस बार यह फासला 1.5 लाख ही रह गया। ये वोट कम क्यों हुए? क्या दलित, ओबीसी, युवा मतदाता भाजपा से विमुख हुए हैं, लिहाजा समीकरण पलट गए हैं? ऐसे विश्लेषण सामने आए हैं कि ओबीसी, दलित, मुसलमान के अतिरिक्त वोट सपा और कांग्रेस के पक्ष में गए, नतीजतन उप्र के तमाम समीकरण पलट गए और भाजपा पराजित-सी हो गई। बसपा को मात्र 9 फीसदी वोट मिले और वह एक भी सीट जीत नहीं पाई, इससे भी सपा और कांग्रेस को फायदा हुआ। अयोध्या का राम मंदिर चुनावी मुद्दा नहीं बन सका। बंगाल में जनता का भरोसा अब भी 'दीदी' पर ही है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की 'शिवसेना' और अजित पवार की एनसीपी भाजपा पर बोझ ही साबित हुईं, लिहाजा नुकसान भाजपा को ही हुआ।

> भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंतत: उन्होंने एनडीए छोडने का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई।

चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया

गठबंधन बनाम क्षेत्रीय दलों की राजनीति में उभार

प्रमोद भार्गव

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के लिए गठबंध की राजनीति के बीते दस साल में लगभग यही पर्याय रहे हैं। बीते सालों में महाराश्ट्र और हरियाणा में भाजपा-शिवसेना, अकाली दल और इनेलो से दषकों से चले आ रहे गठबंधनों का टूटना इन्हीं आषयों के परिणाम थे। लेकिन अब आए चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया।

जिस तरह से शक्ति और सत्ता राजनीति के आधारभूत सिद्धांत माने जाते हैं, उसी तरह राजनीति से यह मान्यता भी जुड़ी है कि राजनीति में वही आगे बढ़ते हैं, जो अवसर का लाभ उठाकर उसे भुनाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के लिए गठबंध की राजनीति के बीते दस साल में लगभग यही पर्याय रहे हैं। बीते सालों में महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा-शिवसेना, अकाली दल और इनेलो से दषकों से चले आ रहे गठबंधनों का टूटना इन्हीं आषयों के परिणाम थे। लेकिन अब आए चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया। भाजपा स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें पीछें रह गई। हालांकि उसके नेतृत्व वाले राजग गठबंधन के पास 291 सीटें हैं। अतएव राजग बहुमत में है। लेकिन भाजपा खुद 272 सीटें लाई होती तो उसकी पूर्व की तरह ठसक बनी रहेती। बावजूद नरेंद्र मोदी नेहरू के बाद ऐसे अकेले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें मतदाता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने रहने का जनादेश दिया है। यह करिष्मा 62 साल बाद हुआ है। लेकिन अब पेंडुलम की तरह लटकी भाजपा को 16 सीटें जीतने वाले चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी और 16 सीटें जीतने वाली नीतीष कुमार की जदयू से पूरे पांच साल वैसाखियों का सहारा लेना पड़ेगा। ये दोनों दल किंगमेकर की भूमिका में आ गए है। इन और अन्य सहयोगी दलों के साथ भाजपा तीसरी बार केंद्र में सत्तारूढ़ होने जा रही है। शक्ति अर्थ की हो या राजनीतिक सत्ता की, जब वह उम्मीद से ज्यादा हाथ लग जाती है तो महत्वाकांक्षाएं बेलगाम होने लगती हैं। लिहाजा 2014 और 2019 की अप्रत्याषित जीत के बाद भाजपा की जहां महत्वाकांक्षा बढ़ी, वहीं आत्मविष्वास प्रबल हुआ। नतीजतन नरेंद्र-अमित की युगल जोड़ी ने भाजपा को गठबंधन से मुक्ति के पंखों पर सवार कर दिया था। भाजपा चाहने लगी थी कि यदि राजनीतिक पहुंच वाले राज्य में उसकी अकेले दल के रूप में पकड़ मजबूत होगी तो वह कालांतर में गठबंधन की लाचारी से मुक्त होती चली जाएगी। इसी धारणा के चलते उसने अपने सबसे पुराने सहयोगी षिवसेना और अकाली दल से नाता तोड़ लिया था। दरअसल भाजपा की जो राजनीति, संस्कृति और कार्यषैली है, कमोवेष वही षिवसेना की है। दोनों उग्र हिंदुत्व और राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकात्मवाद के अनुयायी हैं। लेकिन भाजपा गठबंधन में सहयोगी रहे जिस राज्य में भाजपा को सबसे बड़ा झटका लगा है, उसमें महाराष्ट्र प्रमुख है। 2014 और 2019 में महाराष्ट्र की 48 सीटें में से भाजपा-षिवसेना को 41 सीटें मिली थीं। 2019 के विधानसभा चुनाव में स्पश्ट बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों में बिगड़ गई। इसी के साथ राज्य की राजनीति में बदलाव आ गया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ मिकर सरकार बनाई तो भाजपा ने षिवसेना में विभाजन कर सरकार गिरा दी और एकनाथ षिंदे को मुख्यमंत्री बनवा दिया। यही नहीं एकनाथ षिंदे की ही षिवसेना को असली होने का दर्जा मिल गया। साथ ही षरद पवार की एनसीपी के भी दो टुकड़े कर दिए। भतीजे अजीत पवार ने चाचा की पार्टी छीन ली। हालांकि यह कदम उल्टा पड़ा। उद्धव और षरद पवार ने मराठी अस्मिता को मुद्दा बनाया और मतदाता की सहानुभूती बटोरने में सफल रहे। अब यहां सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतकर कांग्रेस बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। षिवसेना-उद्धव को 9, एनसीपी-षरद को 7 सीटें मिली हैं। भाजपा को दस सीटों पर संतोश करना पड़ा है। चूंकि इस चुनाव में अजीत पवार को मात्र एक सीट मिली है। इससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

महाराष्ट्र में इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव के इन नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर भी दिखाई दे सकता है ? अतएव महाराष्ट्र में अब कांग्रेस, एनसीपी-षरद और षिवसेना उद्धव के एक साथ आने से महाविकास अघाड़ी की ताकत बढ़ गई है, जो भाजपा को महंगी पड़ सकती है। आंध्र प्रदेष में भाजपा के सहयोगी तेलगु देषम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने 16 सीटों पर जीत हासिल की है। आंध्र प्रदेष में हुए विधानसभा चुनाव में भी नायडू को सरकार बनाने के लिए स्पश्ट बहुमत मिल गया है। नायडू ने कह भी दिया है कि आंध्रप्रदेष की जनता ने राजग के साथ हमारे गठबंधन पर भरोसा करके हमें बड़ी जीत दिलाई है। हम राजग के साथ है। साफ है, नायडू केंद्र सरकार में अपने सांसदों को मंत्री बनाकर भाजपा को ताकत देते रहेंगे। इधर बिहार में राजग गठबंधन ने बड़ी संख्या में सीटें हासिल करके लालू और तेजस्वी यादव को आईना दिखा दिया है। यहां चालीस सीटों में से 12 जदयू, 12 भाजपा, और पांच लोजपा ने जीती हैं। अतएव कहा जा सकता है कि चुनाव से पहले नीतीष कुमार के जदयू को साथ लाकर बड़े नुकसान से बच गई। बिहार के इन परिणामों से गठबंधन की महिमा को स्थापित किया है। जदयू नेता केसी त्यागी का कहना है कि चुनाव पूर्व राजग से गठबंधन को लेकर हमारी जो प्रतिबद्धताएं हैं, वे बनी रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश और नायडू को अच्छी जीत के लिए बधाई दे दी है। दस साल बाद इस चुनाव में एक बार फिर क्षेत्रीय मुद्दों और क्षेत्रीय दलों का प्रभाव दिखाई दिया है। क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत स्थानीय मुद्दे और जातीयता होती है। देश के सबसे ज्यादा संसदीय 80 सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में मायावती, मुलायम सिंह और अखिलेश यादव को जब भी सत्ता का सुख मिला है, उसमें यही राजनीति के गुण शामिल रहे हैं। यही सब दक्षिण भारत के राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों का दबदबा देखने में आया। तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर राज्य की सभी 39 सीटों पर जीत दर्ज करा ली है। आप के साथ मिलकर कांग्रेस ने पंजाब में सभी 10 सीटें इंडिया गठबंधन के खाते में डलवा दी। पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय नेता ममता बनर्जी ने अपने जादू को बनाए रखा है। तृणमूल ने महिला और मुस्लिम मतदाताओं को साधकर 30 सीटों पर सफलता प्राप्त की। जबकि उसकी 2019 में 22 सीटें थीं। भाजपा को यहां 2019 में जीतीं 18 सीटों की तुलना में 2024 में 11 सीटों पर ही संतोश करना पड़ा है। ममता ने बंगाल में इंडिया के साथ कोई गठबंधन भी नहीं किया था। वे अकेली चलीं और उन्होंने भाजपा के सीएए एवं संदेषखाली के मुद्दों को नाकाम कर दिया। तय है, ममता आगे भी क्षेत्रीय क्षत्रप बनी रहेंगी। वे अब सीएए और एनआरसी का भी संसद में अपने सांसदों से मुखर विरोध कराएंगी। भाजपा के चर्चित चेहरे सुरेष गोपी ने केरल में जीत दर्ज कराकर एक बड़ी कामयाबी दर्ज की है। भाजपा स्पष्ट बहुमत में जरूर नहीं है, लेकिन उसने अपनी पार्टी का विस्तार करते हुए ओडिषा में जबरदस्त दस्तक दी है। नवीन पटनायक के 24 साल से चले आ रहे राज को खत्म करके भाजपा ने जता दिया है कि वे पार्टी के देशव्यापी विस्तार के लिए संघर्ष करती रहेंगी। ओडिशा में भाजपा को दोहरी खुशी मिली है। यहां उसने लोकसभा की 21 सीटों में से 19 सीटें जीतकर अप्रत्याशित ढंग से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा दी है। दूसरी तरफ भाजपा को यहां हुए विधानसभा चुनाव में भी स्पष्ट बहुमत मिल गया है। विधानसभा की कुल 147 सीटों में से भाजपा ने 78 सीटों पर विजय हासिल की है।

दृष्टि कोण

जल संकट से जूझता प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा की मनोरम धौलाधार पर्वत श्रेणी तले बसने वाले मेरे जैसे अनेकों लोगों ने पिछले 50 वर्षों में काफी कुछ बदलते देखा है। औद्योगिक विकास की बात को छोड़ भी दें तो पुराने मकानों की जगह कंक्रीट के जंगल उभर आए हैं और जहां पहले कभी फसलें लहलहाती थीं, वहां केवल अब सीमेंट और सरिए के पक्के मकानों की बहुतायत हो गई है और फसलें चौपट हो गई हैं। हिमाचल प्रदेश में साल दर साल स्वच्छ पेयजल आपूर्ति योजनाओं में बढ़ोतरी के बावजूद आज प्रदेश के कई हिस्सों में जल संकट गहराया हुआ है, तो इससे निबटने के लिए सरकार को युद्धस्तर पर राहत के उपाय ढूंढने ही पड़ेंगे। विभाग के अनुसार प्रदेश में कुल 10067 पेयजल परियोजनाएं हैं। इनमें ज्यादातर में जलस्तर घट गया है, वहीं 350 पेयजल परियोजनाएं ऐसी हैं जो लगातार सूख रही हैं। इसके लिए अधिकतर नागरिकों के घरों में वर्षाजल संग्रहण टैंकों का निर्माण करवाना होगा, लेकिन कई पंचायत प्रधान वर्षा जल संग्रहण टैंकों के निर्माण में ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं। इस लेख के लेखक को भी सरकार द्वारा दो बार वर्षा जल संग्रहण टैंक स्वीकृत किया गया, लेकिन उपमंडल बैजनाथ की खड़ानाल पंचायत द्वारा टैंक का निर्माण करवाया ही नहीं गया। क्या कभी इस प्रकार का नकारात्मक रवैय्या रखने वाले जनप्रतिनिधियों पर कोई अनुशासनात्मक दंडात्मक कार्रवाई भी होगी और लाभार्थी को कोई लाभ मिलेगा? पंचायतों द्वारा स्वीकृत वर्षा जल संग्रहण टैंकों, लेकिन पेंडिंग अथवा अधूरे छोड़े गए और जिनके निर्माण में अनियमितता बरती गई हो, ऐसे मामलों में संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों एवं खंड विकास अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। वल्ड बैंक ने तो पेयजल की बर्बादी रोकने के लिए स्वच्छ पानी को व्यर्थ बहाने वालों से टैक्स तक वसूलने की अनुशंसा भी की है और जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन एवं आबंटन की सलाह दी है। हिमाचल प्रदेश में गर्मियों का सीजन कोई ज्यादा लंबा नहीं चलता है, लेकिन यह दो महीने जल शक्ति विभाग के लिए कड़ी परीक्षा वाले होते हैं। जहां कुशल, योग्य और हुनरमंद अधिकारी होते हैं, वहां से पेयजल संकट को लेकर कम शिकायतें सुनने को मिलती हैं, लेकिन जहां कुछ क्षेत्रों के अफसर अनियमित पेयजल की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और फील्ड में जाने की जहमत भी नहीं उठाते हैं। वहां के निवासियों को कई कई दिनों तक व्यवस्था में सुधार होने का इंतजार करना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग द्वारा घोषित लक्ष्यों में पहले स्थान पर पेयजल आपूर्ति योजनाओं द्वारा प्रदेशवासियों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना ही रखा गया है। 15 मई 2023 तक प्रदेश में 41835 हैंडपंप लगाए जा चुके थे। वर्तमान समय में जिस प्रकार से जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है और नित नई कालोनियां विकसित हो रही हैं अथवा गांव के भीतर नए पेयजल कनेक्शन की मांग बढ़ रही है, उसके हिसाब से पुरानी जलापूर्ति लाइनों में कोई सुधार न होने और पुरानी पाइपों से ही पेयजल आपूर्ति की वजह से लोगों को अपर्याप्त पेयजलापूर्ति हो रही है और गर्मियों के इस सीजन में हालात और भी गंभीर और खराब हैं। सरकार की मंशा तो ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाने की होती है, लेकिन चंद अधिकारियों की सुस्त कार्यशैली के चलते फजीहत भी सरकार की ही होती है। यह सही है कि विभाग के ज्यादातर अधिकारी और कर्मचारी पिछले दिनों चुनाव ड्यूटी पर थे। ऐसे में उच्च अधिकारियों को पहले से योजना बनाकर जल संकट का हल निकाल लेना चाहिए था। हमें यह भी देखना होगा कि पारंपरिक जल स्त्रोतों में जल संकुचन, अनियमित पेयजल आपूर्ति, गिरते भूजल जल स्तर, फील्ड स्टाफ की कमी और पानी की खराब गुणवत्ता के चलते हिमाचल के कई हिस्सों में शहरी और ग्रामीण जल आपूर्ति दोनों की स्थिरता में खतरा पैदा कर दिया है और पेयजल को लेकर अब तो दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों से भी संघर्ष की खबरें अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। लाख टके का सवाल है कि करोड़ों की पेयजल योजनाएं बिना मानव श्रम शक्ति के किस प्रकार से अपनी उपयोगिता साबित कर पाएंगी? अब आप 15 मई 2023 की विभागीय मानव श्रम शक्ति का विश्लेषण देखें तो जलशक्ति विभाग के विभिन्न 49 श्रेणियों के लिए स्वीकृत 4173 पदों में से 2586 पद भरे हुए हैं और 1587 पद रिक्त चल रहे हैं। इसलिए विभाग में नई नौकरियों का सृजन जल्द हो, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। जल शक्ति विभाग का नारा 'सेव वाटर सेव लाइफ' तभी सार्थक होगा जब लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति संभव होगी। जल शक्ति विभाग ने शिकायतों के निवारण के लिए एक टोल फ्री नंबर 18001808009 भी जारी किया हुआ है। लेकिन शिकायत मिलने के बाद भी शिकायतकर्ता दुखी रहता है तो फिर ऐसे प्रयास भी औचित्यहीन ही माने जाएंगे। जल शक्ति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री मेहनती लीडर हैं, आम पब्लिक की सुनते भी हैं, लेकिन जब तक विभाग के आला अधिकारी अपना कुर्सी मोह छोडक़र फील्ड में उतर कर पसीना नहीं बहाएंगे, तब तक अच्छे रिजल्ट आने की संभावना कम ही है।

कुछ अलग

प्रेम के नए अर्थ

लगता है तेजी से बदलते इस युग में हमें प्रेम को नए अर्थ देने पड़ेंगे। बहुत दिन तक शरीर से शरीर के मिलन और गर्म सांसों की अदला-बदली को हम प्रेम का सुनहरा फ्रेम देते रहे। कवि कर्म को प्रेमिल तितलियों के बहुरंगे पंखों के साथ बांधते रहे। लेकिन फिर जब जीवन के तराजू पर ये रंग-बिरंगे पंख टूट कर तुलने लगे, तो इसमें सूफी काव्य से लेकर छायावाद और रहस्यवाद की ओट लेने का प्रयास भी किया गया। लेकिन आज प्रेम कैसा बेहाल हुआ जाता है। नारी स्वातंत्र्य और सशक्तिकरण के इस डिस्को रूप में घूंघट ओढ़ कर बैठा प्रेम का यह सकुचाता रूप घूंघट ओढ़ बैठा नजर आता है। एक ओर राफेल विमान को उड़ाने के लिए महिला पायलट सामने आ रही हैं और दूसरी ओर दिल्ली के निर्भया कांड और हिमाचल के गुडिया कांड की पुनरावृत्ति हाथरस और बलरामपुर कांड जैसे निर्मम दुष्कर्मी कांडों में हो रही है, जिनमें जाति और धर्म का कटघरावादी राजनीतिकरण चुनाव लडने और वोट हथियाने का साधन बन रहा है। लीजिए, वक्त बदलने के साथ-साथ प्रेम करने के पैमाने भी बदल गए। अब 'सजनी वही जो पिया मन भाए' की तरह घटना की जांच-पड़ताल वही जो खोजी को नेता बनाए। चुनाव जितवाए। सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचाए। सीढ़ी के शिखर तक पहुंचता व्यक्ति चिल्लाता है, 'नहीं, मैं अब और अन्याय नहीं होने दूंगा। दूध का दूध और पानी का पानी कर दूंगा।' दूध तो वंशवादी हो ऊंची मंजिलों तक जाएगा, और पानी झुग्गी-झोंपडियों में खैरात की तरह बंटेगा, बशर्ते कि उसमें इतना प्रदूषण न हो जाए कि चिकित्सा विशारद उसे कोरोना फैलाने का कारण ही बताने लगे। आप कहेंगे कि ऐसा असम व्यवहार तो सदियों से होता रहा है। आदमी को जूता बनाने की परम्परा आज की नहीं है। नहीं तो कार्ल मार्क्स दो सदी पहले 'दास कैपिटल' क्यों लिखते? परंतु लिखने के बाद उसके लिए खोखले भाषण देने की परम्परा तो आज से मकबूल हुई। अब तो लोगों को इस प्रक्रिया से इतना इश्क हो गया लगता है कि लोग प्रेम की परिभाषा बदल बैठे। इस रीति-नीति का पालन करो तो हथेली पर सरसों उगाने की कल्पना सच होती लगती है। यही है आज का प्रेम? उसका कोई टकसाली रूप भी नहीं। वक्त बदलने के साथ इसे अपना रंग बदलते देर नहीं लगती। लेकिन इतना ही क्यों? अकबर इलाहाबादी की सुर में कहें, तो यही कहेंगे कि हाकिम को रियाया कि बहुत फिक्र ही नहीं, बहुत इश्क है, लेकिन अपना डिनर खाने के बाद। यह डिनर दुनिया भर में अभी प्रसारित हुआ रिश्वतखोरी का सूचकांक आपको बता सकता है कि इस देश के भद्र जनों के रिश्वतखोरी, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार से इतना प्यार हो गया कि दुनिया के कम से कम छिहत्तर देश पिछले साल अगर इससे कम बेईमान थे, तो इस बरस सतहत्तर देश आगे आ गए। पहले बरखुरदार की शादी के लिए लड़की तलाशते हुए इशारा किया जाता था कि आमदन तो ठीक है, ऊपर से कुछ बालाई भी हो जाती है। अब तो परिचय में बालाई आमदन का ब्यौरा पहले दिया जाता है। असल वेतन की खबर कौन पूछता है? अब इश्क उन लोगों से ही होता है, जो जल्द से जल्द अपने आपको साइकिल से बदल कर बीएमडब्ल्यू में तबदील कर लें। शुरू से सुनते आए हैं कि प्रेम की गली अति सांकरी, जिसमें दो न समाए। प्रेमी और प्रेमिका एक रूप हो जाएं। यही है असली प्रेम। जनाब प्रेम की गली तो आज भी सांकरी है, लेकिन इतनी सांकरी भी नहीं कि जिसमें प्रेमी और उसकी आयातित गाड़ी न समा सके। हां, अगर प्रेमी उम्र भर अपनी फटीचर साइकिल पर भूतपूर्व प्रेमिका अर्थात वर्तमान पत्नी के लिए अपने मैले थैले में सब्जी ढोने का भविष्य दिखाए तो भला ऐसे प्रेमी के लिए इस संकरे प्रेम मार्ग पर चलने के लिए जगह कहां।

देश दुनिया से

ग्राम समुदाय की सहभागिता से संभव है पर्यावरण संरक्षण

> विकास के नाम पर पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ ने एक ओर जहां यहां के पारिस्थितिक तंत्र को तोड़ा है वहीं समुदाय और ग्राम पंचायत की सहभागिता से इसे पुन: ठीक करने के प्रयास भी हो रहे हैं। इसमें पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय से स्थानीय स्तर पर काम कर रही गैर सरकारी संस्था उरमूल ट्रस्ट बीकानेर की बड़ी भूमिका है जो भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन के सीएसआर फंड के उपयोग से थार के मरुस्थलीय पर्यावरण के मामले में विशेष पहल कर रहा है। इसमें एक्शन आधारित टिकाऊ और अनुकरणीय पर्यावरण जागरूकता संबंधी गतिविधियां प्रमुख रूप से शामिल है।

दुनिया भर में पर्यावरण एक अहम मुद्दा बनता जा रहा है। यह वह मुद्दा है जिस पर क्रियान्वयन कम और संपूर्ण सृष्टि पर इसका प्रभाव अधिक नजर आ रहा है। थार का पर्यावरण भी अति संवेदनशील है। जरा सी नकारात्मक छेड़छाड़ अथवा सकारात्मक पहल का प्रभाव बड़ा होता है। विकास के संदर्भ में पिछले दो दशकों में यहां बहुत कुछ बदला है। थार में तेल की धार और क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने की अपार संभावनाओं के कारण पर्यावरण का मुद्दा अंतिम पायदान पर चला गया है, वर्ना तो पीढ़ियों से यहां की आजीविका, जीवनशैली, सामाजिक परंपराओं और सांस्कृतिक पर्वों में पर्यावरण को प्रमुखता से देखा जाता रहा है। यहां के पारंपरिक जल स्रोतों, जैसलमेर की खड़ीनों (पारंपरिक खेती का एक स्वरूप) और बेरियों (वर्षा जल को संरक्षित करने का एक माध्यम) के इर्द गिर्द विकसित किया गया इकोसिस्टम पूरे विश्व में अनूठा ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी रहा है। विकास के नाम पर पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ ने एक ओर जहां यहां के पारिस्थितिक तंत्र को तोड़ा है वहीं समुदाय और ग्राम पंचायत की सहभागिता से इसे पुनः ठीक करने के प्रयास भी हो रहे हैं। इसमें पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय से स्थानीय स्तर पर काम कर रही गैर सरकारी संस्था उरमूल ट्रस्ट बीकानेर की बड़ी भूमिका है जो भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन के सीएसआर फंड के उपयोग से थार के मरुस्थलीय पर्यावरण के मामले में विशेष पहल कर रहा है। इसमें एक्शन आधारित टिकाऊ और अनुकरणीय पर्यावरण जागरूकता संबंधी गतिविधियां प्रमुख रूप से शामिल है। दरअसल हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में भले ही बुनियादी ढ़ाचे विकसित न हों, लेकिन यहां के लोगों के अनुभव अवैज्ञानिक और अतार्किक नहीं होते हैं। उनमें विकास के प्रति जागरूकता दिखती है। उनकी आवाज सीमित जरूरतों और टिकाऊ पर्यावरण से संदर्भित होती है। ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं की कमी के बावजूद सहभागिता के माध्यम से अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं। स्वच्छता अभियान समुदाय आधारित वेस्ट मैनेजमेंट का एक अनूठा मॉडल ग्राम पंचायत एवं समुदाय की सहभागिता से सफल हो रहा है। जैसलमेर के अलग अलग पंचायतों स्थित गाँव मोकला, ब्रह्मसर, जेठवाई और लानेला का सूखा व गीला कचरा घर-घर से एकत्रित किया जाता है तथा डंपिंग सेंटर जैसलमेर में पहुंचाने का काम नियमित रूप से किया जा रहा है। इस संबंध में उरमूल ट्रस्ट के सचिव रमेश सारण बताते हैं कि "ग्राम पंचायत व ग्रामीण समुदाय की प्रबंधन व्यवस्था में संचालित यह कार्यक्रम पूर्णतः सतत और टिकाऊ है। संस्थान की तरफ से इन गाँव में वेस्ट कलेक्शन के लिए ई-रिक्शा उपलब्ध कराया गया है। परियोजना समाप्ति के बाद यह संसाधन ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे जो ग्राम स्वच्छता अभियान को नई दिशा प्रदान करेंगे।" ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सरकारी वैकल्पिक व्यवस्थाओं के बावजूद सत्तर से अस्सी प्रतिशत पेयजल पूर्ति समुदाय द्वारा निर्मित पारंपरिक जल स्रोतों से होती है। यही पारंपरिक जल स्रोत यहां

की जैव विविधता, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख केंद्र हैं। समुदाय की सहभागिता से तीन गांवों में चार तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया है। इनमें मोकला और ब्रह्मसर में एक एक और जेठवाई में दो तालाबों का निर्माण किया गया है। इन तालाबों की खुदाई का कार्य महात्मा गांधी नरेगा से होता है लेकिन कैचमेंट क्षेत्र (जलग्रहण क्षेत्र) को ठीक करने का नियोजन नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार इन तालाबों में पानी की आवक क्षमता बढ़ाने के लिए कैचमेंट को ठीक करने, आवक चैनलों को दुरुस्त करने की जरूरत है। जैसलमेर के गांव जैठवाई, भादासर व मोकला में चार तालाबों के कैचमेंट क्षेत्र का समतलीकरण और आवक चैनलों की सफाई का कार्य होने से जल स्रोतों में पानी भराव की क्षमता डेढ़ गुना बढ़ गई है। इस संबंध में जेठवाई गांव के मोहन कुमार और मोकला के दुलतसिंह बताते हैं कि "पहले इन तालाबों में केवल सात से आठ माह पानी रहता था। अब हमें पशुओं व जंगली जीव-जंतुओं के लिए सालों भर पानी उपलब्ध होता है। यह काम होने से हम जल स्वावलंबी हो गए हैं।" वह बताते हैं कि पहले हमें चार महीने बाहर से पानी के टैंकर मंगवाने पड़ते थे। इससे एक परिवार का प्रतिमाह दो से तीन हजार रु। पानी पर ही खर्च हो जाता था, जो अब बचने लगा है। गांव के करीब 11 गरीब परिवारों के घरों में पेयजल क्षमता बढ़ाने के लिए टांकों (अंडरग्राउंड टैंक) का निर्माण किया गया है और उन्हें छत से जोड़ा गया है ताकि वर्षा का पानी सीधे वहां पहुंच सके। पारंपरिक खड़ीन के माध्यम से प्राकृतिक खेती जैसलमेर की खास पहचान है। इसमें दूर ढलानी मगरों (चट्टानी भू-भाग) से बहकर आए पानी को मिट्टी का बांध बनाकर रोका जाता है और फिर जब वह पानी ज़मीन के अंदर चली जाती है तो उस पर खेती का काम शुरू किया जाता है। रबी सीजन में इस प्राकृतिक माध्यम से गेहूं और चना की फसल उगाने की परंपरा उस जमाने से ली जा रही है जब हरित क्रांति का जन्म भी नहीं हुआ था और देश में खाद्यान्न का संकट था। इसमें सामूहिक खेती को प्राथमिकता दी जाती रही है। जैसलमेर के ब्रह्मसर व रूपसी गांव के लोगों ने बताया कि लगभग 100 परिवारों की दो हजार बीघा जमीन पारंपरिक खड़ीन के माध्यम से होती थी लेकिन जीर्णोद्धार नहीं होने से इसमें पानी कम रुकता था जिससे पैदावार घट गई। जिसके बाद कार्य के अनुसार मिट्टी के बांध की हाइट बढ़ाने का कार्य हुआ। खड़ीन के माध्यम से खेती करने वाले किसान प्रकाष राम बरमसर ने बताया कि वर्षों से पानी के साथ बह कर आई मिट्टी जमा होने और मिट्टी के बांध की हाइट कम होने से पानी कम रुकता था। बांध की हाइट बढ़ाने से 100 परिवारों के पिछले साल रबी की फसल अच्छी हुई है। खड़ीनें खेती के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण का पमुख केंद्र भी रही है। देसी जीव-जंतुओं व पक्षियों के अतिरिक्त साइबेरियन क्रेन एवं प्रवासी पक्षी इन खड़ीनों में डेरा डालते हैं तथा यहां के इक्को सिस्टम को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त जन-वन एवं विद्यालयों में किचन गार्डन न केवल नवीन गतिविधियां है बल्कि आज के संदर्भ में जरूरी भी है जिनको बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

आप का नजरिया

वासना और उपासना

यह सच है कि पैदा होना, बड़े होना, बूढ़े होना और मर जाना हमारी नियति है। सभी जीवित प्राणियों में नर और मादा के मिलन से नई पीढ़ी का जन्म होता है। इसे बनाए रखने के लिए प्रकृति ने नर और मादा में पारस्परिक आकर्षण पैदा किया और यह भी सुनिश्चित किया कि दोनों एक-दूसरे के बिना खुद को अधूरा महसूस करें। जब प्रकृति का प्रावधान ऐसा है कि नर और मादा एक-दूसरे पर निर्भर हैं तो यह सोचना बेमानी है कि जीवन में वासना नहीं होगी। वासना के कई रूप हैं। इच्छाएं, लालसाएं, लालच, ईर्ष्या, क्रोध, डर, उदासी, पछतावा आदि भावनाएं वासना का ही रूप हैं, परंतु वासना का सर्वाधिक मुखर रूप नर और मादा का मिलन है, सहवास है। पशु-पक्षियों में नर और मादा के मिलन का समय नियत है। यही नहीं, पशु-पक्षियों में सहवास के लिए स्वीकृति का अधिकार मादा के पास है, यानी, मादा की सहमति के बिना सहवास संभव नहीं है। यही कारण है कि पशुओं की बहुत सी प्रजातियों में नर आपस में युद्ध करते हैं और विजेता नर अपने समूह की सभी मादाओं का स्वामी बन जाता है। मजेदार बात यह है कि पशुओं की किसी भी प्रजाति में यह मुकाबला या युद्ध मादाओं में कभी नहीं होता। जो नर विजेता रहता है, वह सभी मादाओं का स्वामी हो जाता है और सभी मादाएं उस नर को सहर्ष स्वीकार कर लेती हैं, बिना किसी संकोच के और बिना किसी ईर्ष्या के। पशु-पक्षियों में सहवास का एक निश्चित मौसम होता है और एक सामान्य तौर से निश्चित उम्र होती है। मानव जाति पर ऐसा कोई बंधन नहीं है। एक महिला और पुरुष जब भी चाहें, जिसे भी चाहें, जिस उम्र में भी चाहें, दोनों में सहमति हो तो वे सहवास कर सकते हैं। उन पर कोई और बंधन नहीं है। मानव जाति पर सहवास के समय को लेकर, मौसम को लेकर, यहां तक कि स्वीकृति को लेकर भी कोई बंधन नहीं है। यही कारण है कि मानव जाति में छोटे बच्चों का शारीरिक शोषण और महिलाओं के साथ बलात्कार जैसी दुभाग्यपूर्ण और दुखद घटनाओं का जन्म हुआ। मानव जाति में एक और अंतर यह भी है कि मादा सिर्फ मादा ही नहीं है, महिला भी है, औरत भी है और उसका अपना दिल और दिमाग भी है। वह स्वयं भी किसी पुरुष के प्रति आकर्षित हो सकती है और मिलन के लिए पहल भी कर सकती है। देश, काल और समाज की रीतियों के मुताबिक किसी पुरुष की कई पत्नियां या प्रेमिकाएं हो सकती हैं या किसी महिला के कई पति या प्रेमी हो सकते हैं। प्रकृति का नियम है कि विपरीत लिंग का आकर्षण, सहवास का सुख, परिवार में रहने से सुरक्षा का अहसास और परिवार बढ़ाने की इच्छा जैसे कई कारण हैं जो मानव जाति को सहवास के लिए प्रेरित करते हैं। लब्बोलुबाब यह कि सहवास इस सृष्टि का एक अनिवार्य 'कर्म' है और इससे मुंह चुराने का कोई कारण नहीं है। भारतवर्ष में एक हजार साल की लंबी गुलामी के समय महिलाओं पर हुए अत्याचार के कारण महिलाओं को पर्दे में रखने की प्रथा अस्तित्व में आई, लेकिन उसका दुष्परिणाम यह भी हुआ कि 'सभ्य' कहे जाने वाले समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और उनके अधिकारों पर अंकुश लगा, वे आर्थिक रूप से परतंत्र हो गईं, पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाएं और ज्यादा दब्बू होती चली गईं और अंततः वे लगभग हर मामले में पुरुषों पर निर्भर हो गईं।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, ताइवान की सीमा के पास फिर भेजे सैन्य विमान और जहाज

ताइपे, 07 जून (एजेंसियां)।
चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के छह विमान, छह नौसेनिक जहाज और चार तटरक्षक जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। एक ड्रोन ने रेखा की पार ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि गुरुवार सुबह छह बजे से शुक्रवार छह बजे तक ताइवान के आसपास चीनी सैन्य विमान और नौसैनिक जहाजों को देखा गया। एक चीनी ड्रोन को ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) के दक्षिण-पश्चिम देखा गया, जबकि एक पीएलए हेलीकॉप्टर दक्षिण-पश्चिम में देश के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) के अंदर घुसने की कोशिश की। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच एडीआईजेड जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। क्या है ग्रे जोन रणनीति अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है।

ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोन रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है। 403 चीनी सैन्य विमानों को भेज चुका है चीन पिछले महीने करीब 403 चीनी सैन्य विमानों और करीब 243 नौसैनिक/तटरक्षक जहाजों ने ताइवान में घुसने की कोशिश की थी।

न्यूज ब्रीफ

भारत-ताइवान के बीच बधाई संदेश कूटनीतिक रणनीति का हिस्सा, चीन के विरोध पर अमेरिका का बयान

वाशिंगटन। कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के एक दूसरे को जीत की बधाई देने पर चीन ने विरोध जताया है। जिस पर अमेरिका ने कहा है कि दो विदेशी नेताओं के बीच इस तरह के बधाई संदेश कूटनीतिक व्यापार का हिस्सा हैं। मिलर ने यह उत्तर उस सवाल के जवाब में दिया, जब उनसे पूछा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव जीतने के बाद ताइवान के साथ और बेहतर रिश्ते करने के लिए कहा है। लेकिन चीन इस पर आपत्ति जता रहा है। पीएम मोदी की जीत पर ताइवान के राष्ट्रपति ने किया था ट्वीट ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने पीएम मोदी को लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी थी, जिस पर प्रधानमंत्री ने उत्तर देते हुए ताइवान से अच्छे रिश्ते की बात कही थी। लाई चिंग-ते पिछले महीने ताइवान के नए राष्ट्रपति बने थे। पीएम मोदी की जीत पर उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। हम तेजी से बढ़ती ताइवान और भारत की साझेदारी को बढ़ाने और आपसी सहयोग को और बेहतर करने के लिए तत्पर हैं। इसके साथ ही हम दोनों देशों के बीच शांति और समृद्धि बढ़ाने की ओर अग्रसर हैं। वहीं ताइवान के राष्ट्रपति की पोस्ट पर उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'इस बधाई संदेश के लिए आपका धन्यवाद, मैं दोनों देशों के रिश्तों को और अच्छा होते देखता हूं, जिससे कि हम साथ मिलकर अपनी तकनीक और आर्थिक साझेदारी को और बढ़ाएंगे।' भारत और ताइवान के बीच बधाई संदेश पर चीन ने जताई थी आपत्ति दो देशों (भारत और चीन) के नेताओं के बधाई संदेशों के बीच चीन ने आपत्ति जताई थी। चीन ने जोर देते हुए कहा कि नई दिल्ली को ताइवान के अधिकारियों की राजनीतिक बातों का विरोध करना चाहिए।

पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में अहम बदलाव, सदन में सांसद कम से कम चार स्वदेशी भाषा में रख सकेंगे बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पंजाब असेंबली में संशोधन किए जाने के बाद सांसद अब सदन में

अंग्रेजी और उर्दू के अलावा पंजाबी समेत कम से कम चार स्वदेशी भाषाओं में अपनी बात रख सकेंगे। इन बोलियों की मिली अनुमति स्पीकर मलिक मोहम्मद अहमद खान की अगुवाई वाली पंजाब विधानसभा की एक विशेष समिति ने सांसदों को अंग्रेजी और उर्दू के अलावा पंजाबी, सरायकी, पोटोहारी और मेवाती में सांसदों को संबोधित करने की अनुमति देने वाले संशोधनों को मंजूरी दे दी। पहले लेनी होती थी अनुमति पहले एक सांसद को अंग्रेजी और उर्दू के अलावा किसी और भाषा का इस्तेमाल करने के लिए स्पीकर से अनुमति लेनी पड़ती थी। कई बार होता था, जब स्पीकर अनुमति नहीं देते थे। हालांकि, अब सांसदों को बड़ी राहत मिली है। विधानसभा नियमों में संशोधन का उद्देश्य इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के लिए पहुंच को बढ़ाना, एक अधिक प्रतिनिधि और उत्तरदायी विधायी निकाय को बढ़ावा देना है, जबकि यह बदलाव प्रांत की बहुभाषी प्रकृति को दर्शाता है, जिससे विधायकों को संवाद करने और विधायी चर्चाओं में प्रभावी रूप से भाग लेने में सक्षम बनाया जा सके।

स्पेसएक्स रॉकेट के स्पलैशडाउन का फुटेज सामने आया, मैक्सिको की खाड़ी में हुआ था लैंड

बोका चिका। स्पेसएक्स के सबसे ताकतवर स्टारशिप रॉकेट ने परीक्षण के दौरान अपना पहला स्पलैशडाउन

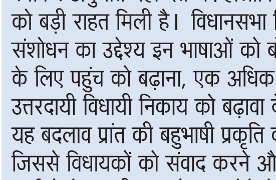

हासिल कर लिया है। इसके सफल परीक्षण के बाद एलनमस्क ने एक्स पर ट्वीट करके बधाई दी। स्पेसएक्स के ताकतवर स्टारशिप रौकेट ने परीक्षण के दौरान अपना पहला स्पलैशडाउन हासिल कर लिया है। यह प्रोटोटाइप प्रणाली के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जो कि इंसान को मंगल ग्रह पर भेजने में काफी मदद करेगा। कैमरे से पता चला कि जैसे ही स्पेस यान ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिम में हिंद महासागर के ऊपर से नीचे उतरा, जिस भाग में आग लगी थी उस मलबे के टुकड़े उड़ गए, लेकिन आखिर में ये वायुमंडल में जाने से बच गया और टुकड़े फिर से एक हो गए। एलन मस्क ने ट्वीट करके बधाई दी स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'काफी नुकसान और एक फ्लैगशिप के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद स्टारशिप ने समुद्र में सॉफ्ट लैंडिंग कर ली। आज अंतरिक्ष यात्रा में मनुष्य के भविष्य के लिए एक महान दिन है।

बोइंग स्टारलाइनर के उड़ान भरते ही आई थी यह समस्या सुनीता और विल्मोर ने दिखाई जाबांजी और पाई सफलता

ह्यूस्टन, 07 जून (एजेंसियां)।
नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जोड़ दिया। हालांकि, अंतरिक्ष यान की परिक्रमा कर रहे प्रयोगशाला तक पहुंचने के दौरान रास्ते में आई कुछ नई समस्याओं को दूर करने के बाद यह संभव हो सका।

तीसरी बार भरी उड़ान – 58 साल की सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी। वह तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई हैं। इस उड़ान के साथ ही दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास रच दिया। इतना ही नहीं, विलियम्स उड़ान परीक्षण के लिए पायलट हैं जबकि 61 वर्षीय विल्मोर मिशन के कमांडर हैं।

26 घंटे बाद मिली सफलता – नासा ने नई अपडेट जारी करते हुए बताया कि रिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च होने के लगभग 26 घंटे बाद एक बजकर 34 मिनट पर बोइंग अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक आईएसएस में उतारा।

मैं यहां बहुत खुश हूं: विलियम्स – विलियम्स ने परिवार और दोस्तों के प्रति आभार व्यक्त किया, जो लॉन्च के दौरान उनके साथ रहे। उन्होंने कहा, हमारे पास यहां एक और परिवार है, जो बहुत बढ़िया है। मैं बहुत खुश हूं, जितना मैं अंतरिक्ष पर खुश हो सकती हूं। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

करीब दो घंटे की ऑटो उड़ान के दौरान कुछ ऐसा किया – बता दें, बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के रास्ते में अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने उड़ान क्षमता (मैनुअल पायलटिंग) का परीक्षण भी किया। दोनों ने अंतरिक्ष यान के सदस्यों के तौर पर अपने हाथों में इसका नियंत्रण लेकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाली सुनीता पहली महिला बन गई हैं। ऐसा करने वाली सुनीता पहली महिला बन गई हैं। यद्यपि अंतरिक्ष यान आमतौर पर ऑटो होता है, लेकिन चालक दल ने करीब दो घंटे की ऑटो उड़ान के दौरान यान को खुद से नियंत्रण में लिया। उन्होंने स्टारलाइनर को पृथ्वी की ओर किया ताकि सेवा मॉड्यूल के पीछे इसका संचार एंटीना ट्रैकिंग और डाटा रिले उपग्रहों की ओर हो सके। इसके बाद उन्होंने यान को इस तरह से घुमाया कि उसका सूर्य की ओर घुमाव हो ताकि जरूरत पड़ने पर वे आंतरिक बैटरी को चार्ज कर सकें।

एक सप्ताह रहेंगे – स्टेशन में रहने वाले सात लोगों के साथ विलियम्स और विल्मोर लगभग एक सप्ताह बिताएंगे। इस दौरान वह अंतरिक्ष में रहते हुए विभिन्न परीक्षणों में सहायता करेंगे और वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे।

हमारी टीमों ने बहुत अच्छा काम किया – बोइंग डिफेंस स्पेस एंड सिक्योरिटी के स्पेस, इंटेलिजेंस और वेपन सिस्टम के उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक के सियर्स ने कहा, नासा के लिए अंतरिक्ष स्टेशन से आने-जाने के लिए चालक दल के परिवहन सेवाओं का संचालन करने में सक्षम वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान के बेड़े में शामिल होना आश्चर्यजनक दोनों है। हमें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए हमारी टीमों ने बहुत अच्छा काम किया है।

एक नई राह पर ले जाएगा – नासा के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर जिम फ्री ने कहा कि कल लॉन्च और आज यान को आईएसएस से जोड़ना स्टारलाइनर को एक नई राह पर ले जाएगा, जिसका लाभ इंसानों को होगा। उन्होंने आगे कहा, बुच और सुनी (सुनीता) के लिए, मैं उन्हें उन वर्षों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं जो उन्होंने हमें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए खर्च किए हैं।

तीन हीलियम लीक की पहचान – दोनों ने नींद की अवधि भी पूरी की। चालक दल की नींद से पहले, मिशन टीमों ने अंतरिक्ष यान में तीन हीलियम लीक की पहचान की। इनमें से एक पर उड़ान से पहले प्रबंधन योजना के साथ चर्चा की गई थी और अन्य दो तब हुए जब अंतरिक्ष यान कक्षा में पहुंचा। इन लीक की निगरानी और प्रबंधन के लिए, चालक दल की नींद की अवधि के दौरान उड़ान में तीन हीलियम मैनिफोल्ड बंद कर दिए गए थे और सभी को आईएसएस से जोड़ने से पहले फिर से खोल दिया गया था। सफलतापूर्वक जोड़ने के बाद, सभी स्टारलाइनर मैनिफोल्ड सामान्य योजनाओं के अनुसार बंद हो जाते हैं।

ऐसे किया समाधान – जैसे ही यान ने अंतरिक्ष के उड़ान भरी तो पांच प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली थ्रस्टर्स विफल हो गए। मिशन टीमों ने हॉट-फायर परीक्षणों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसने चार थ्रस्टर्स को फिर से सक्षम किया, जबकि चालक दल ने स्टेशन के 200 मीटर होल्ड पॉइंट पर अंतरिक्ष यान को मैन्युअल रूप से पायलट किया। चार थ्रस्टर्स को फिर से चुनने के बाद स्टारलाइनर में डॉकिंग के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने हेतु कुछ कमी आ गई। 10-मीटर की दूरी पर मिशन टीम ने कमी को जांचा और जल्द सही कर लिया। बाद में आईएसएस से जोड़ने के लिए आगे बढ़ी। कक्षा में लगभग एक सप्ताह बिताने के बाद, विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर पर सवार होंगे और घर लौट आएंगे।

अफ्रीकी चुनावों में उलटफेर: एएनसी को बहुमत न मिलने पर राष्ट्रपति रामाफोसा ने बनाई खास रणनीति, ऐसे बनाएंगे सरकार

जोहानिसबर्ग, 07 जून (एजेंसियां)।
दक्षिण अफ्रीका में पिछले सप्ताह ऐतिहासिक चुनाव के परिणाम में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) संसद में बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी। दक्षिण अफ्रीका को रंगभेद से मुक्त कराने वाली पार्टी ने इस तरह 30 साल में पहली बार बहुमत गंवा दिया है। अब राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने एलान किया कि उन्होंने सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला लिया है। एएनसी राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) के मैराथन सत्र के बाद एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामाफोसा ने कहा कि पार्टी ने सुना है कि दक्षिण अफ्रीका के लोग क्या चाहते हैं। इसलिए सहमत हुए रामाफोसा रामफोसा ने कहा कि देश की जरूरतों को समझते हुए और लोगों की स्पष्ट इच्छा का सम्मान करते हुए एनईसी राष्ट्रीय एकता की सरकार के गठन पर पार्टियों के बीच सहमति बनाने के लिए सहमत हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि सत्तारूढ़ एएनसी को 40 प्रतिशत से अधिक मत मिले हैं। 30 साल बाद खोया बहुमत गौरतलब है, सिरिल रामाफोसा के नेतृत्व वाली एएनसी ने 30 साल पहले 1994 में नेल्सन मंडेला के निर्वाचित होने के बाद पहली बार अपना बहुमत खोया है। एएनसी हालांकि किसी तरह सबसे बड़ी पार्टी बनी रही, लेकिन अब उसे सरकार में बने रहने और राष्ट्रपति रामाफोसा को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुनने के लिए गठबंधन सहयोगियों की तलाश करनी होगी। राष्ट्रीय चुनाव के बाद संसद दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति का चुनाव करती है। राष्ट्रपति रामाफोसा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता की सरकार (जीएनयू) इस विशेष पल में सभी दक्षिण अफ्रीकियों की अपेक्षाओं को पूरा करने का सबसे व्यवहार्य, सबसे प्रभावी और सबसे शक्तिशाली तरीका है। इन चुनौतियों पर करना हैं काम एएनसी की ओर से पांच सदस्यीय कार्य दल अब प्रस्ताव पर अन्य दलों के साथ बातचीत करेगा, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि संविधान और कानून के शासन के प्रति सम्मान उन मूल्यों में शामिल है, जिन्हें सामान्य सिद्धांतों के रूप में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि जीएनयू उन चुनौतियों से निपट रहा है, जिनका समाधान दक्षिण अफ्रीकी चाहते हैं।

नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए, इनमें भारत और अमेरिका भी शामिल

काठमांडू, 07 जून (एजेंसियां)।
नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं। इनमें भारत और अमेरिका में नेपाली कांग्रेस कोटे के तहत तैनात राजदूत भी शामिल हैं। ये फैसला नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पार्टी से गठबंधन तोड़ने और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाने के तीन महीने बाद लिया है।

विदेश मंत्री की आपत्ति के बावजूद सरकार ने लिया फैसला

उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की आपत्तियों के बावजूद, नेपाल सरकार ने राजदूतों को वापस बुला लिया। इनमें भारत में तैनात नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने यह कदम नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत की संभावित यात्रा से पहले उठाया है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने सरकार के कदम को गैर-राजनयिक बताया विदेश मंत्रालय के कई अधिकारियों ने बताया कि सरकार का यह कदम बहुत से देशों को गैर-राजनयिक संदेश दे रहा है। नेपाल के एक मंत्री ने बताया कि विदेश मंत्री श्रेष्ठ नेपाली कांग्रेस और अन्य दलों के कोटे से नियुक्त राजदूतों को वापस बुलाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री दहल और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने मनमाने तरीके से राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया।

इन राजदूतों को नेपाली कांग्रेस के तहत तैनात किया गया था

वापस बुलाए गए राजदूतों में शंकर शर्मा (भारत), श्रीधर खत्री (अमेरिका), ज्ञान चंद्र आचार्य (यूनाइटेड किंगडम) और ज्योति पयाकुरेल भंडारी (दक्षिण कोरिया) के नाम शामिल हैं। इन्हें नेपाली कांग्रेस के कोटा के तहत तब नियुक्त किया गया था। जब पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने 2021 में सरकार का नेतृत्व किया था।

फ्रांस यूक्रेन को मिराज लड़ाकू विमान देगा सैनिकों को भी प्रशिक्षित करेगा : मैक्रों

पेरिस, 07 जून (एजेंसियां)।
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस यूक्रेन को मिराज युद्धक विमान देगा और उनके सैनिकों को प्रशिक्षित करेगा।

श्री मैक्रों ने गुरुवार को फ्रांसीसी मीडिया को दिए साक्षात्कार में कहा, हम एक नया सहयोग शुरू करेंगे और मिराज 2000-5 को हस्तांतरित करेंगे। उन्होंने युद्ध के मैदान में तैनात किए जाने वाले 4,500 सैनिकों की यूक्रेनी बटालियन को प्रशिक्षित करने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की डिलीवरी तनाव बढ़ाने वाला कारक नहीं है तथा इन हथियारों का इस्तेमाल नागरिकों पर बमबारी करने के लिए नहीं किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन में सैन्य प्रशिक्षकों को भेजने की संभावना को भी खारिज नहीं किया।

गौरतलब है कि मिराज 2000 एक फ्रांसीसी बहु-भूमिका, एकल-इंजन, चौथी पीढ़ी का जेट फाइटर है, जिसे डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित किया गया है। फरवरी के अंत में श्री मैक्रों ने पेरिस में एक बैठक

के दौरान सुझाव दिया था कि यूरोपीय देशों को यूक्रेन में सेना भेजनी चाहिए, लेकिन जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन और इटली सहित कई अन्य यूरोपीय देशों ने अपनी असहमति व्यक्त की थी। इसके बाद रूस ने चेतावनी दी कि यदि गठबंधन यूक्रेन में सेना भेजता है, तो उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और रूस के बीच सीधा संघर्ष अपरिहार्य होगा। इससे पहले गुरुवार को श्री मार्कों ने डी-डे लैंडिंग की 80वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए उत्तरी फ्रांस के नॉरमैंडी में ओमाहा बीच पर आयोजित एक समारोह का नेतृत्व किया।

फ्रांसीसी मीडिया बीएफएमटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की सहित लगभग 20 राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह के लिए फ्रांस जाते समय अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका यूक्रेन में सैन्य सलाहकार न भेजने की अपनी नीति को बनाए रखेगा।

अगर दोषी पाए गए तो बेटे हंटर को माफ नहीं करेंगे जो बाइडन, कहा- फैसला होगा स्वीकार

वाशिंगटन, 07 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बेटे हंटर बाइडन को अवैध रूप से बंदूक खरीदने और रखने के आरोप में दोषी पाए जाने पर माफ करने से साफ इन्कार कर दिया है। बाइडन ने ये भी कहा कि वह मुकदमे के नतीजों को स्वीकार करेंगे। एक साक्षात्कार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने बेटे हंटर के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दिया, उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति हंटर बाइडन को माफ करने से इन्कार करेंगे जिसका जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति ने हां में दिया।

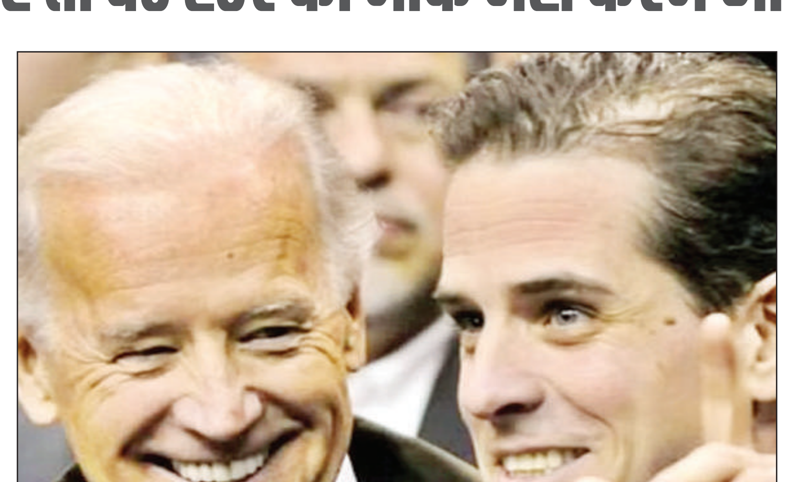

रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिसंबर में व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा था कि मैं बहुत स्पष्ट हूं, राष्ट्रपति अपने बेटे को माफ नहीं करेंगे। हालांकि इससे पहले राष्ट्रपति ने अपने बेटे के लिए समर्थन व्यक्त किया। कहा कि उन्हें नशे की लत से उबरने पर गर्व है।

मुकदमा चलने के दौरान बाइडन ने बेटे का किया समर्थन

जब मुकदमा चल रहा था तब बाइडन ने एक बयान में कहा, मैं राष्ट्रपति हूं, लेकिन मैं एक पिता भी हूं। प्रथम लेडी जिल और मैं अपने बेटे से प्यार करते हैं। विपरीत परिस्थितियों में हंटर ने नशे से उबरने में जो ताकत दिखाई है, वह हमारे लिए प्रेरणादायक है। बहुत से परिवारों में ऐसे लोग हैं, जिन्होंने नशे की लत पर काबू पा लिया है। राष्ट्रपति के रूप में, मैं लंबित संघीय मामलों पर टिप्पणी नहीं करता हूं और न ही करूंगा, लेकिन एक पिता के रूप में मेरे मन में अपने बेटे के लिए असीम प्यार, उस पर विश्वास और उसकी ताकत के लिए सम्मान है। हमारा परिवार एक साथ बहुत कुछ कर चुका है।

डेलावेयर की अदालत में हुई थी सुनवाई

इससे पहले डेलावेयर की संघीय अदालत में अभियोजन पक्ष ने बंदूक मामले में जूरी सदस्यों के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन का बेटा एक नशे का आदी था। उसने रिवॉल्वर पाने के लिए कागजी कार्रवाई पर झूठ बोला था। वहीं, बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने जूरी से कहा कि ट्रायल में पेश किए सबूतों से पता चलेगा कि 54 वर्षीय हंटर बाइडन जानबूझ कर नियमों का उल्लंघन नहीं किया।

क्या है पूरा मामला

पिछले साल अदालत ने माना था कि हंटर ने हथियार खरीदने के लिए कई बार झूठ बोला है। उन पर अक्तूबर 2018 में बंदूक खरीदने के दौरान अपनी नशे की लत को लेकर झूठ बोलने का भी आरोप है। कहा गया था कि हंटर ने जब अक्तूबर 2018 में डेलावेयर के कॉल्ट कोबरा स्पेशल स्टोर से बंदूक खरीदी थी। तो उस समय बंदूक खरीदने के लिए उन्होंने जो फॉर्म भरे थे, उसमें उन्होंने झूठी जानकारी दी थी। उन्होंने उस समय कहा था कि वह ड्रग्स का आदी नहीं है जबकि ऐसा नहीं था। एक रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने हंटर को इस मामले में दोषी माना है।

निर्जला एकादशी पर होने जा रहा है इन शुभ योगों का निर्माण, पूरी होगी हर मनोकामना

हर तिथि किसी न किसी भगवान को समर्पित मानी जाती है। इसी तरह एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इसके साथ ही एकादशी का व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। सनातन शास्त्रों में वर्णित है कि एकादशी व्रत करने से साधक को मृत्यु के बाद वैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है। एकादशी तिथि का व्रत और विधि पूर्वक भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को निर्जला एकादशी मनाई जाती है। इस दिन व्रत करने से साधक को सभी एकादशियों के समान फल प्राप्त होता है। इसे भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। ज्योतिषियों के मुताबिक, निर्जला एकादशी तिथि पर 4 शुभ योग बन रहे हैं। इन योगों में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

निर्जला एकादशी 2024

ज्योतिषियों के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 17 जून को सुबह 4.43 बजे होगी। यह 18 जून को सुबह 6.44 बजे समाप्त होगी। 17 जून को गायत्री जयंती पड़ रही है। अगले दिन निर्जला एकादशी मनाई जाएगी। 19 जून को सुबह 5.23 बजे से 7.28 बजे के बीच व्रत पारण किया जा सकता है।

शिव योग

निर्जला एकादशी पर दुर्लभ शिव योग बन रहा है। यह योग दिन भर रहेगा। रात 9 बजकर 39 मिनट पर शिव योग समाप्त होगा। ज्योतिषी शिव योग को बहुत शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

सिद्ध योग

धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी तिथि पर रात्रि जागरण किया जाए, तो वैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है। निर्जला एकादशी पर शिव योग और उसके बाद फिर सिद्ध योग बनने जा रहा है। यह योग पूरी रात रहने वाला है। इस योग में रात्रि जागरण होकर करने से साधक को अनंत फल की प्राप्ति होती है।

शिववास योग

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर त्रिपुष्कर योग भी बन रहा है। ये योग शाम 03 बजकर 56 मिनट से बन रहा है। इसकी समाप्ति 19 जून को सुबह 05:23 बजे होगी। इसके अलावा शिववास योग भी बन रहा है। यह योग सुबह 06 बजकर 25 मिनट से बन रहा है।

आर्थिक समस्याओं से मुक्ति दिलाता है स्कन्द षष्ठी व्रत, यहां जानें पूजा विधि

स्कन्द षष्ठी भगवान शिव और मां पार्वती के पुत्र कार्तिकेय यानी भगवान स्कन्द को समर्पित है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को स्कन्द षष्ठी का व्रत रखा जाता है और भगवान कार्तिकेय का पूजन किया जाता है। इस दिन सूर्यदेव का पूजन करना भी शुभ माना गया है। वहीं स्कन्द षष्ठी का व्रत रखने से संतान प्राप्ति की कामना पूरी होती है, साथ ही आर्थिक संपन्नता भी बढ़ती है।

इस बार स्कन्द षष्ठी की शुरुआत 11 जून को शाम 5 बजकर 27 मिनट से होगी और अगले दिन यानी 12 जून को शाम 7 बजकर 17 मिनट तक रहेगी। हालांकि उदया तिथि को देखते हुए व्रत 12 जून को ही रखा जाएगा।

कौन है भगवान कार्तिकेय?

हिंदू धर्म में भगवान कार्तिकेय को युद्ध का देवता माना गया है। माना जाता है कि वे देवताओं की सेना के सेनापति है। उन्हें सुब्रमण्यम, स्कंद, कुमार स्वामी और कुमारन के नाम से भी जाना जाता है।

स्कंद षष्ठी पर पूजन विधि

प्रातः काल जल्दी और उठें और स्नानादि एंवं नित्यकर्मों से निर्वत होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें और भगवान सूर्य के मंत्रों का जाप करें।

भगवान गणेश और नवग्रहों के पूजन के बाद भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा स्थापित करें।

स्कंद षष्ठी पर भगवान कार्तिकेय की षोडशोपचार विधि से पूजा करनी चाहिए। इस दौरान उन्हें पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य चढ़ाएं और उन्हें भोग लगाएं।

भगवान कार्तिकेय की आरती करने के बाद उनकी परिक्रमा करें और प्रसाद वितरित करें।

स्कंद षष्ठी पर आवश्यक वस्तुओं का दान भी करना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

स्कंद षष्ठी पर अगर आप उपवास रखते हैं तो इस दिन फलाहार का ही सेवन करना चाहिए, सूर्योदय के बाद भोजन कर सकते हैं।

स्कंद षष्ठी पर व्रत के दौरान तामसिक भोजन नहीं करना चाहिए।

पितरों की कृपा पाने के लिए हर शाम करें यह कार्य, बनी रहेगी खुशहाली

जिस घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती हैं, वहां पितरों की कृपा होती है। अगर व्यक्ति को पितृ दोष है, तो उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही पितरों की नाराजगी भी झेलनी पड़ती है। वहीं, अगर पितर प्रसन्न हो, तो परिवार में खुशहाली बनी रहती है। अगर आप भी पितृ दोष से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो इन उपायों को जरूर अपनाएं।

पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं

पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाना चाहिए। माना जाता है कि पीपल के पेड़ में पितरों का वास होता है। कहा जाता है कि पीपल के पेड़ की सात बार परिक्रमा करनी चाहिए। पेड़ के नीचे दीपक में सरसों का तेल और काले तिल मिलाकर छाया दान भी करें।

दक्षिण दिशा में जलाएं दीपक

पितृ दोष को खत्म करने के लिए जल में काले तिल मिलाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके अर्घ्य दें। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, श्राद्ध, पिंडदान आदि करना बहुत शुभ होता है। अमावस्या और पितृ पक्ष में पितरों को प्रसन्न करने के लिए यह कार्य किए जाते हैं।

पितर होंगे प्रसन्न

पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए प्रतिदिन शाम को आचमन कर स्वयं को शुद्ध करें। फिर एक मिट्टी के दीपक में थोड़ा सा तेल डालकर बत्ती जलाएं और उसे छत पर दक्षिण दिशा में रख दें। पितरों से सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें। गाय के गोबर से बने दीये का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पितर प्रसन्न होते हैं।

भगवान सत्यनारायण की पूजा के लिए ज्येष्ठ पूर्णिमा है सबसे उत्तम दिन, जानिए विधि

पूर्णिमा तिथि का हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह दिन भगवान विष्णु और चंद्र देव की पूजा को समर्पित है। पूर्णिमा तिथि हर महीने आती है और इस दिन कई तरह के धार्मिक कार्य किए जाते हैं। इस बार ज्येष्ठ पूर्णिमा 22 जून 2024 को मनाई जाएगी। आइए, जानते हैं कि इस दिन किस तरह भगवान सत्यनारायण की पूजा करनी चाहिए और इसके लिए शुभ मुहूर्त क्या है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि 21 जून 2024 को सुबह 06:01 बजे शुरू होगी। यह तिथि अगले दिन 22 जून 2024 को सुबह 05:07 बजे समाप्त होगी। इस तरह ज्येष्ठ पूर्णिमा 22 जून, शुक्रवार को मनाई जाएगी। वहीं, व्रत 21 जून को रखा जाएगा।

भगवान सत्यनारायण पूजा विधि

- इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।
- इसके बाद एक वेदी पर भगवान विष्णु, भगवान सत्यनारायण और देवी लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें।
- फिर उनका पंचामृत से अभिषेक करें।
- भगवान को गोपी चंदन और हल्दी का तिलक लगाएं।
- भगवान को पीले वस्त्र और फूल माला अर्पित करें।
- भगवान के सामने घी का दीपक जलाएं और तुलसी के पत्ते चढ़ाएं।
- इस दिन पंचामृत और पंजीरी का भोग जरूर लगाएं।
- पूजा के दौरान भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ें।
- अंत में भगवान सत्यनारायण की आरती के साथ पूजा का समापन करें।
- व्रत करने वाले को तामसिक चीजों से दूर रहना चाहिए।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें ये आसान उपाय, पैसों की नहीं होगी दिक्कत

ज्येष्ठ माह के दौरान की व्रत रखे जाते हैं। इस माह में प्रत्येक तिथि का अपना एक महत्व है। ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि शुभ तिथियां में गिनी जाती है। माना जाता है कि इस दिन भगवान चंद्र अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होते हैं और वह इस

दिन जातकों को सुख समृद्धि एवं सौभाग्य प्रदान करते हैं। इस दिन गंगा स्नान और दान पुण्य करना शुभ माना गया है, जिससे विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस बार ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा का व्रत 12 जून को रखा जाएगा। इस दिन कुछ नियम किए जाए तो इससे आपको कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

आर्थिक समस्या दूर करने के लिए

ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर देवी लक्ष्मी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही आर्थिक समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। इस दिन मां लक्ष्मी की लाल या गुलाबी रंग के पुष्प से पूजा करनी चाहिए।

चावल से जुड़ा उपाय

आर्थिक तंगी से जूझ रहे जातकों को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर यह नियम जरूर करना चाहिए। इस दिन लाल रंग के वस्त्र में सवा किलो चावल रखें और इस इसे अपनी तिजोरी में रख दें, इससे दरिद्रता दूर होती है।

व्यापार में दिक्कत आने पर

अगर आपके व्यापार में दिक्कत आ रही है या आपको इसमें बरकत चाहिए तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को 11 कौड़ियां चढ़ाना चाहिए। इसके बाद इन सभी को हल्दी का तिलक लगाकर एक लाल रंग के वस्त्र में लपेटकर तिजोरी में छुपा कर रख दें। इससे व्यापार में प्रगति मिलती है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा में नहीं करने चाहिए ये कार्य, यहां जानिए इस दिन से जुड़े नियम

ज्येष्ठ पूर्णिमा का दिन बेहद फलदायी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग इस शुभ दिन पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं उन्हें मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। इस साल ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा 22 जून, 2024 को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन को लेकर कई सारे नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन जरूर करना चाहिए, तो आइए उन्हें जानते हैं -

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें ये कार्य

- श्री हरि और माता लक्ष्मी की पूजा करें।
- इस दिन भगवान शिव की पूजा भी बेहद लाभकारी मानी गई है।
- इस तिथि पर चंद्रमा की पूजा करने से मानसिक तनाव दूर होता है।
- इस दिन खीर बनाकर चंद्रमा के नीचे रखकर खाना चाहिए।
- इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
- इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान करना अत्यधिक शुभ माना गया है।
- इस दिन ज्यादा से ज्यादा पूजा-पाठ करना चाहिए।
- इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य अवश्य देना चाहिए।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर न करें ये कार्य

- पूर्णिमा के दिन तामसिक चीजों का सेवन न करें।
- इस दिन अपने बाल और नाखून को न काटें।
- पूर्णिमा के दिन अपने जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद करने से बचें।
- इस दिन गलती से भी जुए में शामिल न हों।
- इस दिन मां का अपमान करने से जीवन में अशुभता आती है।

चंद्र देव अर्घ्य मंत्र

1. गगनार्णवमाणिक्य चन्द्र दाक्षायणीपते।
गृहाणार्घ्यं मया दत्तं गणेशप्रतिरूपक।।

श्री हरि पंचरूप मंत्र

2. ॐ ह्रीं कार्तविर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण हतं नष्टं च लभ्यते।।

भगवान विष्णु गायत्री मंत्र

3. ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।

आखिर क्यों बांधा जाता है शिव जी के त्रिशूल पर लाल वस्त्र? जानिए कारण

भगवान शिव की पूजा का हिंदू धर्म में खास महत्व है। ऐसी मान्यता है कि उनकी पूजा करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। साथ ही सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। यदि आप किसी समस्या से लगातार परेशान हैं, तो आपको भोलेनाथ की आराधना अवश्य करनी चाहिए। वहीं, आज हम शिव जी के मंदिर के एक मुख्य प्रतीक चिन्ह के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है, तो आइए जानते हैं -

त्रिशूल पर लाल रंग का वस्त्र क्यों बांधा जाता है?

ऐसा कहा जाता है कि लाल रंग का सीधा संबंध मंगल ग्रह से है। प्रचलित कथाओं के अनुसार, एक बार मंगल ग्रह ने देवों के देव महादेव की घोर तपस्या की, जिससे भोलेनाथ बहुत प्रसन्न हुए। इसके बाद उन्होंने शिव जी के सदा निकट रहने का वरदान मांगा, जिस पर उन्होंने ग्रहों के चक्र से दूर रहने की बात कही। हालांकि मना करने के बाद ग्रह मंगल ने उनसे अपने प्रतीक चिन्ह को उनके निकट रहने की अभिलाषा रखी।

ये बात तो सभी लोग जानते हैं कि भगवान शंकर औघड़दानी हैं, जिसके चलते उन्होंने लाल रंग के वस्त्र को अपने त्रिशूल पर सदैव के लिए बांध लिया। तभी से यह सनातन धर्म की एक प्रमुख प्रथा बन गई है, जो आज भी मानी जाती है।

इसके अद्भुत लाभ

ऐसी मान्यता है कि जो लोग शिव जी के त्रिशूल पर लाल रंग का वस्त्र बांधते हैं, उन्हें मंगल दोष से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही कुंडली से उनका अशुभ प्रभाव समाप्त होता है। ऐसे में जो साधक शिव जी के साथ मंगल देव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें यह शुभ कार्य अवश्य करना चाहिए।

करणी माता मंदिर, जहां पैर घसीटकर चलते हैं भक्त, मिलता है चूहों का जूठा प्रसाद

करणी माता को मां दुर्गा का ही स्वरूप माना जाता है, जिन्होंने जन कल्याण के लिए अवतार लिया था। करणी माता चारण जाति की योद्धा ऋषि थीं, जो एक तपस्वी का जीवन जीती थीं। राजस्थान के बीकानेर के देशनोक शहर में स्थित लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध है। इस मंदिर की एक खास बात यह भी है कि इस मंदिर में आपको इंसानों से ज्यादा चूहे नजर आएंगे। इस मंदिर में लगभग 25 हजार चूहें मौजूद हैं।

क्यों हैं इतने चूहे

मंदिर में मौजूद इन चूहों को काबा भी कहा जाता है, जो मंदिर परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमते रहते हैं। सभी चूहों में से, सफेद चूहों को विशेष महत्व दिया जाता है, क्योंकि उन्हें करणी माता के बेटों का अवतार माना जाता है। इसके पीछे एक कथा प्रचलित है, जिसके अनुसार, करणी माता के सौतेले बेटे का नाम लक्ष्मण था। एक दिन सरोवर से पानी पीने की कोशिश करते हुए लक्ष्मण उसमें डूब गया, जिस कारण उसकी मृत्यु हो गई।

इससे दुखी होकर करणी माता ने यम देवता से प्रार्थना करते हुए कहा कि वह उनके पुत्र को पुनः जीवित कर दें। तब यमराज उनकी विनती मान लेते हैं और न केवल लक्ष्मण बल्कि करणी माता के सभी बच्चों को चूहों के रूप में पुनः जीवित देते हैं। इसलिए इन चूहों को करणी माता की संतान या वंशज के रूप में देखा जाता है।

ये है मान्यताएं

इस मंदिर में माता के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। माना जाता है कि यदि किसी भक्त के पैर के ऊपर से चूहा गुजर जाए, तो ये उसपर माता की कृपा का संकेत माना जाता है। लेकिन वहीं, अगर कोई चूहा गलती से किसी व्यक्ति के पांव के नीचे आ जाता है, तो इसे पाप समझा जाता है, इसलिए लोग यहां पैर घसीटकर चलते हैं। इन चूहों को भोग लगाया जाता है, जिसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

कंट्रोवर्सी क्वीन हैं कंगना रनौत

भारत की आजादी को बताया भीख, उद्धव ठाकरे से भी लिया था पंगा

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने यूं तो अब राजनीति में कदम रख लिया है लेकिन कंट्रोवर्सी एक्ट्रेस का पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रही। कंगना रनौत का विवादों से गहरा नाता रहा है। कभी आजादी को भीख बताने से लेकर तो कभी करण जौहर को नेपोटिज्म झंडा वाहक बताने तक, कंगना रनौत कई बार विवादों में फंस चुकी हैं। अब हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की एक सुरक्षाकर्मी ने थप्पड़ जड़ दिया। बॉलीवुड लाइफ की इस रिपोर्ट में जानें कंगना रनौत से जुड़े विवाद।सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की एक सुरक्षाकर्मी ने थप्पड़ जड़ दिया। दरअसल सुरक्षाकर्मी कंगना रनौत के किसान आंदोलन को लेकर दिए गए बयान से आहत थी। कंगना रनौत ने राजनीति जॉइन करने से पहले एक बयान में कहा था कि भारत को 1947 में आजादी भीख में मिली थी और भारत को असली आजादी तब मिली जब 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने।केवल इतना ही नहीं कंगना रनौत महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से भी उलझ चुकी हैं। दरअसल बीएमसी ने कंगना रनौत के घर का अवैध हिस्सा तोड़ दिया है, जिसका गुस्सा एक्ट्रेस ने उद्धव ठाकरे पर निकाला था। कंगना रनौत ने कहा था, उद्धव ठाकरे आज मेरा घर टूटा है, कल तेरा घमंड टूटेगा।केवल इतना ही नहीं एक्ट्रेस कंगना रनौत की शबाना आजमी से भी तू-तू मैं-मैं हो चुकी है। कंगना रनौत ने 2019 में पुलवामा हमले के बाद शबाना आजमी को टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थ बताया था।एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कॉफी विद करण में फिल्ममेकर करण जौहर को नेपोटिज्म का झंडा वाहक बताया था और साथ ही स्टारकिड्स को लॉन्च करने को लेकर करण जौहर को खूब फटकार भी लगाई थी।कंगना रनौत ने एक इंटरव्यू के दौरान तापसी पन्नू और ऋचा चड्ढा को बी-ग्रेड एक्ट्रेस भी बता दिया था। यहां तक कि कंगना ने स्वरा भास्कर को भी आड़े हाथों लिया था।केवल इतना ही नहीं एक्ट्रेस कंगना रनौत ऋतिक रोशन पर भी हमला बोल चुकी हैं। कंगना ने ऋतिक को 'मूर्ख एक्स' बता दिया था, जिसके बाद ऋतिक ने कंगना पर केस दर्ज करवा दिया था।जावेद अख्तर ने एक्ट्रेस कंगना रनौत पर मानहानि का मुकदमा दर्ज करवा दिया था। दरअसल कंगना ने कहा था कि जावेद अख्तर ने ऋतिक और उनके विवाद के बीच टिप्पणी की थी। इस पर जावेद अख्तर ने एक्ट्रेस के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करवा दिया था।

थप्पड़ कांड के बाद सितारों की चुप्पी पर भड़कीं कंगना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। मंडा से सांसद कंगना को गुरुवार दोपहर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक सीआईएसएफ महिला कॉन्स्टेबल ने थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद एयरपोर्ट पर घमासान मच गया। दरअसल महिला सुरक्षाकर्मी कंगना रनौत के किसान आंदोलन के दौरान दिए गए बयान को लेकर आहत थी। हालांकि इस घटना के बाद कंगना रनौत ने अपनी स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा था कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि पंजाब में किस तरह से आतंकवाद और उग्रवाद को खत्म किया जाएगा। अब इसी बीच कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भड़कती नजर आ रही हैं।

कंगना ने फिल्म इंडस्ट्री पर निकाला गुस्सा

इस पोस्ट में कंगना रनौत कह रही हैं, प्रिय फिल्म इंडस्ट्री या तो आप सभी लोग एयरपोर्ट पर मुझ पर जो अटैक हुआ, उस पर जश्न मना रहे होंगे या फिर इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। लेकिन याद रखना अगर कल को आप अपने देश में किसी सड़क पर या फिर दुनिाय में कहीं भी चल रहे होंगे तब कोई इजरायली या फिर फिलिस्तानी आप या आपके बच्चे पर हमला करते हैं, वो भी बस इसलिए क्योंकि आप सभी राफा के लिए खड़े थे। इजरायली होस्टेज का समर्थन कर रहे थे। तब आप देखना मैं आपकी बोलने की आजादी के लिए लड़ूंगी। अगर किसी दिन आपको लगे कि मैं क्यों, मैं कहां हूं तो याद रखना आप मैं नहीं। इसके अलावा कंगना रनौत ने एक और पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है, अब सभी निगाहें राफाह गैंग की तरह है, यह आपके और आपके बच्चे के साथ भी हो सकता है। जब आप किसी पर आतंकवादी हमले को सेलिब्रेट करते हैं तो उस समय के लिए तैयार हो जाएं कि यह घटना आपके साथ भी हो सकती है। कंगना रनौत के इस पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस कंगना रनौत हाल ही में हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीती हैं। अपनी इस जीत को लेकर कंगना काफी खुश हैं।

लाखों दीवाने आप के, लाखों दीवाने ..

आप तब की सुपर स्टारनी को झटका देने वाली फीचर फिल्म 'तेजाब' (नवंबर 1988 मे रिलीज हुई है) से सिल्वर स्क्रीन पर चमकना आरंभ कर दी । फिर 'राम लखन' (जनवरी 1989), 'प्रेम प्रतिज्ञा ' (मई 1989), ' मुजरिम' (जुलाई 1989), 'त्रिदेव' (जुलाई 1989), 'परिंदा' (नवंबर 1989).. यह पाँच फिल्में आप की (यानि कि माधुरी दीक्षित की) करिअर मे चार चाँद लगा दिए। अगले साल 'किशन कन्हैया' (मार्च 1990), 'इज़्ज़तदार' (मार्च 1990), 'दिल' (जून 1990) व 'थानेदार' (दिसम्बर 1990) आपकी देन थी। इनमे से फिल्म 'दिल' मे मधु मेहरा की रोल मे आपकी अभिनय की सहजता तो देखते ही बनती है। 'थानेदार' फिल्म का ''तू प्रेमी मैं प्रेमी तू राजी मैं राजी फिर क्या डैडी क्या मम्मी तमम्मा तमम्मा लोगे..'' समूह गीत मे आपकी नृत्य पारीणता दर्शक वर्ग को लुभाई। वर्ष जनवरी 1991 मे आप 'प्यार का देवता', मई 1991 मे '100 डेज़ (100 दिन)' तथा अगस्त 1991 मे 'साजन' और नवंबर 1991 मे 'प्रहार' फिल्में ले कर आई। 'साजन' आपके ऐक्टिंग को निखार कर जब एक संघर्ष-शील चरित्र आपको चुनौती देती हैं तब कैसे आप उस सवाल को स्वीकार कर रंग भरती हैं, इसका जानकारी दी है। यह बात को फिल्म ' बेटा ' दोहराती है। यह फिल्म साल अप्रैल 1992 मे आई।

इस फिल्म में आपके प्रभावी अदाकारी को आज्मा कर कईयों ने तो यह बात छेड़ दी थी कि असल मे इस फिल्म का टाइटल बेटी होनी चाहिए थी । अगस्त 1993 आपका ' खलनायक ' रिलीज हुई। उक्त फिल्म का एक गाना (चोली के पीछे क्या है..) के मुखड़ा द्विअर्थि होने का विमर्श का सामना करना पड़ा। लेकिन आप आपका सशक्त प्रतिभा के बल पर यह काली बादल को भगा दे कर के एक और सिल्वर ज़्युबिली अपनी पर्स मे डाल लिए थे।

वैसे तो आपके नृत्य सन्निवेशों में से अव्वल नंबर का नघमा को चुनना तो बहुत कठिन सा काम लगता है। पर मैं ने तो कड़ी साहस के साथ एक कोशिश कर, एक गीत का जिक्र तो यहाँ कर रहा हूँ। और वह यह है.. '' तू शायर हैं में तेरे शायरी.. '', जो फिल्म 'साजन' का गाना है , इस गीत में आपके थिरकन को बार बार देखने को जी चाहता है जी।

अब आई बारी साल 1994 की। यह साल आपके फिल्मी जीवन का सब से महत्वपूर्ण विजय को सौंपी। जी हाँ, आपकी चलचित्र यात्रा का अत्यंत सफल मील का पत्थर है ' हम आपके है कौन..! '। इस साल के अगस्त महीने में यह फिल्म थिएटरों पर लगी। आप निशा चौधुरी के भेस में पूरे भारत में ही नहीं बल्कि समूचे दुनिया में भी फेमस हुई।

इस दौर में यह आलम था आप का की फिल्म के टाइटल कार्ड्स में हीरो के बजाय हीरोइन का नाम पहले परदे पर दिखाया गया यानि आपक का। इस फिल्म की तेलुगु डबिंग वर्ज़न ' प्रेमालयम् ' के टाइटल से रिलीज हुई और आंध्र प्रदेश में खूब चली। बाद की साल, यानि के 1995 में भी आपकी आभा अधिक कांतिमय हुई। उस वर्ष फिल्म ' राजा ' में आप एक और बार रूपहले परदे पर छा गई। मधू गरेवल की कैरिक्टर को आपने बेधड़क सँवारी तथा उस किरदार से आपने बेजोड़ ख्याति प्राप्त की। बहुत लोगों का यह मानना था कि यह फिल्म में आपका जोरदार अभिनय को मद्दे नज़र रखते हुए इस फिल्म का टाइटल अगर रानी रखा जाए, तो और अधिक समंजस हुआ करता था। सन् 1997 में आई आपकी फिल्म ' दिल तो पागल है ' में पुरुष दर्शकों को आप वाकई अपना दीवाना बना लिए थे आपके बाजुएँ और टुंडी अत्यंत आकर्षक नजर आते थे। जहाँ आपकी सूरत परसों की अभिनेत्री मधुबाला की सूरत से मिलती जुलती हैं, तो कल की अभिनेत्री यामी गौतम आपकी नकल करती दिखती हैं।

आप ने हिन्दी फिल्म जगत में कुल 68 फीचर फिलम्स मे काम की। (तीन स्पेशल अपीरन्सस् को नहीं गिनें तो।) इनमे से एक आल टाइम ब्लाकबस्टर (हम आपके है कौन.. !) है। तीन ब्लाकबस्टरस् (राजा, बेटा, तेजाब) , छह सुपर-हिटस् (दिल तो पागल है, खलनायक, साजन, दिल, त्रिदेव, राम लखन) और चार हिट फिल्म्स (टोटल धमाल,देवदास, थानेदार, किशन कन्हैया) शामिल है।

यह कीर्ति आपको ऐसे वैसे नहीं मिली है। इसके पीछे आपकी पूर्ण समर्पण भाव, अभिनय के प्रति निष्ठा, बनावटीपन से परे आपको दी गई भूमिका को जीवंत पद्धति से सज्जित करने की क्षमता, नृत्यरत गरिमा.. यह ढेर सारे गुण व लक्षण से समन्वित है आप। आपकी वह मनमोहक मुस्कान; आपकी बाहें और बाहों से लगे उन शानों का क्याकहना! आपकी नेत्र तो बतियाती हैं जी! सर्वोपरि है आपकी वह मादक गहरी नाभि का सौन्दर्य। आप मूवी वर्ल्ड में ग्लैमरस स्टार हीरोइन का रेडीमेड नमूना थी। सिल्वर स्क्रीन को अधिकतम प्रकाश देने के लिए ही आप जन्म ली है।

माधुरी दीक्षित के कारनामे

फिल्म का नाम	रिलीज् ड ईयर	बॉक्स-ऑफिस रेकॉर्ड
किशन कन्हैया	1990	हिट
थानेदार	1990	हिट
टोटल धमाल	2019	हिट
देवदास	2002	हिट
राम लखन	1989	सुपर हिट
त्रिदेव	1989	सुपर हिट
दिल	1990	सुपर हिट
साजन	1991	सुपर हिट
खलनायक	1993	सुपर हिट
दिल तो पागल है	1997	सुपर हिट
तेजाब	1988	ब्लॉकबस्टर
बेटा	1992	ब्लॉकबस्टर
राजा	1995	ब्लॉकबस्टर
हम आपके है कौन	1994	आल टाइम ब्लॉकबस्टर

* दिलीप

अवनीत कौर ने फ्रांस के समंदर किनारे बोल्ड अंदाज में दिखाईं ऐसी मदमस्त अदाएं

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी जर्नी टीवी से शुरू करके बॉलीवुड तक पहुंचा दी हैं। अवनीत इन दिनों अपनी बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं। इन सबके बीच अवनीत सोशल मीडिया की भी जान हैं। वह अपनी बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज से फैंस के बीच हंगामा कर देती हैं। एक्ट्रेस की हर एक फोटो को फैंस बार बार देखना पसंद करते हैं और अब लेटेस्ट फोटोज में अवनीत ने फ्रांस तक बवाल किया है। अवनीत कौर अपने लेटेस्ट फोटोज शूट में रेड वाइन लग रही हैं। अवनीत कौर ने अपेन ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह बला सी सुंदर लग रही हैं। इन फोटोज में अवनीत ने अपनी अदाएं दिखाकर फैंस का ध्यान खींच लिया है।अवनीत कौर ने इन फोटोज में रेड कलर का गाउन पहना हुआ है, जो काफी रिवीलिंग है। इस ड्रेस का नेक काफी ओपन है और थाई स्लिट कट अवनीत कौ बोल्ड लुक दे रहा है।अवनीत कौर की ये सभी फोटोज फ्रांस के समंदर किनारे क्लिक की गई हैं, जिसमें वह अपनी मदमस्त अदाएं दिखा रही हैं। इन फोटोज में अवनीत को देखने वाले हैरान हैं। अवनीत कौर इस फोटो में अपना टैटू फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि अनवीत ने अपनी थाई पर एक पतला सा टैटू बनवा रखा है, जो साफ दिख रहा है।अवनीत कौर इस फोटो में अपना साइज पोज दिखा रही हैं, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस के उड़ रहे बाल और ड्रेस ने फैंस का ध्यान खींच लिया। अवनीत कौर की ये फोटो ब्लैक एंड व्हाइट है, जिसमें वह काफी सुंदर लग रही हैं। इस फोटो में अवनीत 90 के दशक की एक्ट्रेस की तरह लग रही हैं।अवनीत कौर ने इन फोटोज के साथ एक खास कैप्शन लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा, फ्रेंच रिवेरा के बारे में जानने के लिए कुछ।'अवनीत कौर की इन फोटोज पर फैंस भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर लग रही हो।' इसके अलावा कुछ फैंस ने रेड वेल्वेट केक और कुछ ने रेड वाइन का टैग दिया है।बता दें कि इस साल अवनीत कौर ने कान्स में अपना डेब्यू किया था। उस दौरान ही एक्ट्रेस ने अपना ये फोटोशूट करवाय था, जिसकी तस्वीरें एक्ट्रेस ने अब शेयर की हैं।

वरुण धवन-नताशा दलाल की बेटी की पहली झलक आई सामने, पापा की गोद में नजर आई नन्ही परी

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर वरुण धवन की पत्नी नताशा दलाल ने बीती 3 जून को एक बेटी को जन्म दिया है। वरुण धवन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ शेयर किया था। अब वरुण धवन अपनी बेटी को अस्पताल से लेकर घर के लिए निकले हैं। इस तरह से वरुण धवन की बेटी की पहली झलक सामने आई है। वरुण धवन अपनी नन्ही परी को गोद में लिए हुए नजर आए।वरुण धवन की पत्नी नताशा दलाल ने बीती 3 जून को अस्पताल में बेटी को जन्म दिया था। वरुण धवन और नताशा दलाल पहले बच्चे के माता-पिता बने थे।वरुण धवन और नताशा दलाल की इस खुशखबरी से उनके तमाम चाहने वाले फैंस काफी खुश नजर आए। वहीं, सेलिब्रिटीज ने इस कपल को जमकर बधाई दी।नताशा दलाल अस्पताल डिस्चार्ज हो गई हैं और वरुण धवन अपनी बेटी को लेकर घर निकले। वरुण धवन और नताशा दलाल की अस्पताल के बाहर फोटोज क्लिक हुईं। वरुण धवन अपनी नवजात बेटी को गोद में लिए नजर आए। वहीं, नताशा दलाल अपने पति वरुण धवन के पीछे अस्पताल से निकलती हुई नजर आईं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी। अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड रहेगी। आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें। जीवनसाथी की आवश्कताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नही हैं आप को चिंता घेर सकती हैं अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बहस हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें।आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। आज बेरोजगारी दूर होगी धन आने के नये स्रोत बनेंगे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी। सगे संबधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है।
बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन मे बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रुप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव मे जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा की। सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दुर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी भी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरते। आपको भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र मे भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी महनत के दम पर पूरा नही कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त मे जागकर ध्यान लगाए जीवध मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मकर रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग-व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव-पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए। अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं। किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदूरस्ती आ जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म-कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 08 जून 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 03:57 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 07:43 तक
योग : गण्ड सायं 06:26 तक
करण : कौलव दोपहर 03:57 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रंभा व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर पुलिस और डीएसटी टीम की कार्रवाई

कार से दस लाख रुपए का अफीम दूध जब्त

सिरोही,07 जून (एजेंसियां)। पुलिस और डीएसटी टीम ने उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन स्थित मालेरा तिराहा पर मारुति ब्रेजा कार में ले जाया जा रहा 2.100 किलोग्राम अफीम दूध जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए अफीम दूध की कीमत 10 लाख रुपये बताई गई है।

इस मामले में पिंडवाड़ा पुलिस थानाधिकारी हमीर सिंह भाटी की अगुवाई में पुलिस टीम ने मालेरा तिराहा हाईवे एनएच 27 पर कार्रवाई की। इसमें वहां से गुजर रही एक मारूति सुजुकी ब्रेजा विटारा कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। कार में अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा 2.100 किलोग्राम अफीम का दूध पाया गया। अफीम दूध को जब्त कर नर सिंह कॉलोनी, भीण्डर, पुलिस थाना भीण्डर, जिला उदयपुर, हाल रेलवे स्टेशन रोड, कांकरोली, पुलिस थाना कांकरोली, जिला राजसमंद निवासी दशरथगिरी पुत्र रतनगिरी गोस्वामी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इस कारवाई में डीएसटी टीम प्रभारी अमराराम, पिंडवाड़ा पुलिस थाना के कांस्टेबल जीवाराम, अरविन्द, मुकेश कुमार एवं देवीलाल सम्मिलित रहे।

पैसे डबल करने का लालच देकर 11 लाख की ठगी करने वाले 3 तीन गिरफ्तार

साधु का भेष बनाकर देते थे धोखा

बूंदी,07 जून (एजेंसियां)। बूंदी शहर में कथित बाबा द्वारा दो युवकों से रुपये दोगुने करने का लालच देकर 11 लाख 51 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी हैं। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि वो देशभर में साधु का भेष बनाकर लोगों को पैसा डबल करने का लालच देता था और उनके साथ ठगी कर फरार हो जाता था। अब पुलिस बाबा के दो अन्य साथियों की तलाश है।

गौरतलब है कि बूंदी निवासी पीड़ित युवक डेढ़ माह पूर्व गुजरात में कथित बाबा से मिला था, जहां उक्त बाबा ने पैसों को डबल कर दिया था। युवक के मन में तब से ही लालच था और युवक ही बाबा को बूंदी बुलाने को जिद कर रहा था। इस पर बाबा युवक के कहने पर बूंदी पहुंचा और बाबा के कहने पर 11 लाख को 22 लाख करने का लालच आया तो घटना घटित हो गई। दोनों युवक बूंदी शहर में प्रॉपर्टी डीलर का काम करते हैं।

एसपी हनुमान मीना ने बताया कि जवाहर नगर निवासी प्रभु लाल गुर्जर अपने परिवार के साथ डेढ़ माह पहले गुजरात गया था। वहां उसे एक बाबा मिला उसने प्रभु लाल से पैसे दुगने करने की बात कही। प्रभु लाल ने बाबा को 25 हजार रुपये दिए बाबा ने प्रभु लाल को पैसे दुगने कर 50 हजार लौटा दिए, इसके बाद परिवार बूंदी लौट आया। इसके बाद प्रभु लाल गुर्जर के परिवार का बाबा से मोबाइल पर निरंतर संपर्क बना रहा। इसी बीच रुपयों की जरूरत होने पर प्रभु लाल गुर्जर ने महाराज से संपर्क किया तो बाबा ने एक व्यक्ति बूंदी भेज दिया पर तब प्रभुलाल उससे मुलाकात नहीं की और उसे वापस रवाना कर दिया। शाम को प्रभु लाल के परिवार ने बाबा को ही बूंदी बुलाया।उसे लेने वह कार से कोटा गए। कार में बिठाकर बूंदी लेकर आए। वहां परिवार और प्रभु लाल के मित्रों के साथ वार्ता के बाद पैसे डबल करने का निर्णय लिया गया। जिसमें प्रभुलाल ने 7 लाख रुपये को डबल करने के लिए कहा तो महाराज ने कहा कि 11 लाख 51 हजार रुपये से कम डबल नहीं होंगे। बाबा की ओर से आए दो कथित बाबाओं ने कहा कि मंदिर में चलकर पूजा करनी पड़ेगी, उसके बाद ही रकम दोगुनी होगी। बीती रात बालचंद पाड़ा स्थित भेरू मंदिर में रकम लेकर प्रभु लाल और उसका मित्र रवि सुमन और अन्य मित्र पहुंचे, वहां से चौथमाता मंदिर, रामगंज बालाजी फिर रात्रि को कालभैरू मंदिर बालचंदपाडा पहुंच पूजा अर्चना प्रारंभ की गई।

दिव्यांग बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी

अलवर,07 जून (एजेंसियां)। शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में हनुमान सर्कल पार्क बीचों-बीच बुजुर्ग का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

थाने के एसआई सीताराम ने बताया आज सुबह थाने पर सूचना मिली कि हनुमान सर्कल के बीचों-बीच एक बुजुर्ग व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली तो पता चला कि बुजुर्ग करीब 10 दिन से यहीं घूम रहा था और दिव्यांग था। स्थानीय लोगों ने बुजुर्ग फिरोजपुर से होना बताया है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

जनरल कोच में ले जाई जा रही 24 किलो सूखी भांग के साथ आरोपी गिरफ्तार

आबूरोड,07 जून (एजेंसियां)। दौलतपुर चौक-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में जांच के दौरान आबूरोड रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेन के जनरल कोच में एक व्यक्ति के पास से 24 किलो सूखी भांग जब्त की है। कार्रवाई की दौरान टास्क टीम में तैनात महिला कांस्टेबल ने संदिग्ध अवस्था में टायलेट के पास बैठे आरोपी से पूछताछ की, जिसके बाद उसके पास से एक कट्टे में सूखी भांग जब्त की गई।

रेलवे सुरक्षा बल की कार्रवाई

पुलिस के अनुसार ऑपरेशन सतर्क अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट आबूरोड पर रेलवे एक्ट रेड व अपराध रोकथाम टास्क टीम में तैनात महिला कांस्टेबल राधा सैनी ने सवारी गाड़ी सं.19412 दौलतपुर चौक एक्सप्रेस के जनरल कोच की तलाशी ली। इस दौरान कोच के टायलेट के पास सीतामढ़ी, बिहार निवासी मदनलाल पुत्र हीरालाल रविदास संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। उसके पास पीले रंग का प्लास्टिक का कट्टा था, जिसकी तलाश करने पर उसमें से सूखी भांग निकली।

सहायक उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा मौके पर पहुंचकर इसके बारे में पूछताछ करने आरोपी ने घबराकर कट्टे में भांग ले जाना स्वीकार किया। रेलवे सुरक्षा बल ने उसे आगे की कार्रवाई के लिए रेलवे पुलिस को सौंप दिया है।

अस्पतालों में बढ़ा जेबकतरों का आतंक

मरीज की जेब काटकर भागे चोर को लोगों ने पीटा

भरतपुर,07 जून (एजेंसियां)। संभाग के सबसे बड़े आरबीएम अस्पताल में जेबकतरों का आतंक जारी है, ये जेबकतरे अस्पताल में आने वाले मरीज के परिजनों की जेब काटकर रफू चक्कर हो जाते हैं। आज अस्पताल में ऐसे ही एक बुजुर्ग की जेब काटते समय लोगों ने एक जेबकतरे को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

जाघीना गांव के रमेशचंद ने बताया कि वह आरबीएम अस्पताल में डॉक्टर को दिखाने के लिए आया था और उसके बाद ईसीजी करने चला गया। इसी दौरान ईसीजी वार्ड के बाहर चोर ने उसकी जेब से पर्स उड़ा लिया। पीड़ित ने बताया कि उसके पर्स में 2 हजार रुपये, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड और एटीएम सहित अन्य कागजात थे। इस दौरान चोर को लोगों ने पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर डाली और चोर भी इतना नाटकबाज निकला कि पिटने के बाद जमीन पर लोट गया। ज्ञात रहे कि ये जेबकतरे आरबीएम अस्पताल में भीड़भाड़ वाली जगहों पर लिफ्ट के पास और पर्चा लेने के दौरान पलक झपकते ही लोगों की जेब काट देते हैं।अस्पताल के गार्ड्स ने कई बार ऐसे चोरों को पकड़ा और पुलिस के हवाले किया है। जेब काटने की सूचना पर आरबीएम अस्पताल में पुलिस चौकी के जवान मौके पर पहुंचे और चोर को पकड़ लिया।

सीएम नायब सैनी ने बांटे हैप्पी कार्ड, साल में एक हजार किलोमीटर का सफर निःशुल्क कर सकेंगे लाभार्थी

करनाल,07 जून (एजेंसियां)। अंत्योदय में शामिल प्रदेश के एक लाख रुपये तक की आय वाले परिवारों को अब रोडवेज बसों में निशुल्क सफर की सुविधा मिलेगी। उन्हें सरकार साल में एक हजार किलोमीटर तक सफर कराएगी। इसके लिए प्रदेश भर में हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) कार्ड वितरित किए गए। जिसकी शुरुआत कर्ण नगरी से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। सीएम ने कहा कि पहले चरण में एक लाख कार्ड एक दिन में ही प्रदेश भर में देने का लक्ष्य रखा है। आगामी 15 दिनों में 10 लाख कार्ड और लाभार्थियों को दिए जाएंगे।

डॉ. मंगलसेन सभागार में हुए राज्य स्तरीय समारोह में उन्होंने करनाल के करीब 20 लोगों को मंच पर बुलाकर कार्ड दिए। इसके साथ ही वर्चुअल प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर भी कार्ड वितरण का कार्य शुरू हो गया। इससे पहले सीएम ने वर्चुअल अलग-अलग जिलों के करीब 10 लोगों से बात करके उनसे योजना के तहत सफर के अनुभव और परिवार व सरकार के कार्यों के बारे में भी पूछा।

मंच पर संबोधन के दौरान सीएम ने कहा कि प्रदेश के सभी 36 डिपो और सब डिपो में यह योजना शुरू हो चुकी है। जहां से लोग इसके कार्ड बनवा सकते हैं। इस योजना से प्रदेश के 23 लाख परिवारों के 84 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। यह स्कीम एक लाख रुपए से कम की सालाना आमदनी वाले लोगों के लिए बनाई गई है। उन्होंने पूर्व सीएम मनोहर लाल के कार्यकाल में लिए गए निर्णयों एवं योजनाओं की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि विपक्ष के राज में बुढ़ापा पेंशन के लिए बहुत परेशानी होती थी। बुजुर्गों को सेवा देनी पड़ती थी, अब ऐसा ऑनलाइन व्यवस्था ने सेवा पानी बंद कर दी और जब भी कोई महिला या पुरुष की उम्र 60 साल होती है तो बुढ़ापा पेंशन शुरू हो जाती है।

उन्होंने नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देते हुए कहा कि जल्द वे शपथ लेंगे और उसके बाद हरियाणा में डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास करवाएगी। इससे पहले परिवहन मंत्री असीम गोयल ने कहा कि हैप्पी कार्ड के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि इसकी कीमत 180 रुपए है। लेकिन लोगों को महज 50 रुपये शुल्क पर जारी होगा। अन्य राशि का भुगतान सरकार करेगी। कार्ड की कीमत और मेंटेनंस शुल्क का भविष्य में लोगों को भुगतान नहीं करना पड़ेगा। लोगों के लिए 50 रुपये की कीमत भी इसलिए रखी है। ताकि वे सम्मानित तरीके से योजना का लाभ उठा सकें।

हिसार लोकसभा में शख्स को कांग्रेस की हार का दावा पड़ा महंगा

जेपी की जीत पर कटवानी पड़ी मूंछ

जींद,07 जून (एजेंसियां)। जींद के उचाना कलां गांव के दुर्जनपुर गांव में लोकसभा चुनाव में हार-जीत पर एक अजीब शर्त लगी। इसमें दो युवकों ने आपस में शर्त लगाई कि यदि जयप्रकाश जीत गए है, वह आधी मूंछ कटवा लेगा। हालांकि यह बात शराब के नशे में कही गई और बाद में यह शर्त पूरी भी करनी पड़ी। काफी युवकों ने एक युवक की आधी मूंछ कटवाने की शर्त पूरी करते समय वीडियो भी बनाया और इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

लोकसभा चुनाव से पहले गांव दुर्जनपुर में कुछ युवक बैठे आपस में शराब पी रहे थे। अचानक एक युवक ने कहा कि यदि जयप्रकाश जीत गए तो वह आधी मूंछ कटवा लेगा। दूसरे युवक ने कहा कि यदि रणजीत सिंह चौटाला जीते तो वह अपनी मूंछ कटवा लेगा। हालांकि उस समय वह लोग शराब के नशे में थे। चुनाव परिणाम आने पर जब हिसार लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के जयप्रकाश चुनाव जीत गए तो वह युवक फिर जमा हुए और मूंछ कटवाने की शर्त को पूरा किया। मूंछ कटवाने की इन युवकों ने एक वीडियो भी बनाई और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

शराब के नशे में कुछ युवकों ने आधी मूंछ कटवाने की शर्त लगाई थी। उस समय तक वह लोग मजाक कर रहे थे, लेकिन बाद में दूसरे युवकों ने आधी मूंछ कटवाने की जिद की। इसके बाद जो युवक शर्त मार गया था, उसने आधी मूंछ कटवा ली। यह शराब मजाक-मजाक में हुआ था, लेकिन अब पूरे गांव में नाम खराब हो रहा है।

कैथल में दर्दनाक हादसा, दो युवकों की दम घुटने से मौत

कैथल,07 जून (एजेंसियां)। कैथल के पूंडरी में शुक्रवार को एक ऑयल मिल के टैंक की सफाई करने उतरे दो युवकों की दम घुटने से दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में परिजनों ने ऑयल मिल के मालिक पर लगाया लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस ने परिजनों के बयान लेकर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार मृतक युवक ऑयल मिल में ही काम करते थे। शुक्रवार सुबह के समय वे ऑयल मिल में तेल के टैंक में सफाई करने गए थे, लेकिन वहां पर गैस होने के चलते दम घुटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी अनुसार यह 30 वर्षीय माल उर्फ जसवंत और पूंडरी निवासी 38 वर्षीय विक्की टैंक की सफाई करने गए थे, लेकिन उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

ऑयल मिल में यहां काम करने वाले दो कर्मी ऑयल के टैंक को साफ करने के लिए उतरे थे। इस दौरान दोनों का दम घुट गया।

इसके बाद जब तक उन्हें बाहर निकाला गया तो उस समय तक इन दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी। पूंडरी थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों बयान लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही मृतकों के शव को जिला नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रेल पहिया कारखाना में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल पहिया कारखाना में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता महाप्रबंधक आर. राजगोपाल ने की तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने हर पहलू में पर्यावरण के अनुकूल होने और पुनः उपयोग करने तथा पुनर्चक्रण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के सचेत उपयोग तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने अपनी आने वाली पीढ़ियों से धरती को उधार लिया है और इसलिए धरती माता को सुरक्षित और संरक्षित रखना होगा।

कृषि हृदय के संस्थापक पी आर शेषगिरी राव, जो मुख्य अतिथि थे, ने भूजल के प्रभावी उपयोग के लिए स्थायी समाधानों पर उपस्थित लोगों को जानकारी दी, क्योंकि यह एक समाप्त होने वाला और साझा संसाधन है। उन्होंने वर्षा जल संचयन के प्रभावी तरीकों, खासकर बढ़ते शहरों में पानी की कमी को दूर करने के लिए बोरवेल के अनुकूल उपयोग के बारे में भी बात की। उन्होंने पानी के बहाव को कम करने और रिसाव को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ट्रांस वाटर सिस्टम्स के निदेशक विकास ब्रह्मवर ने बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए जल प्रबंधन के बारे में बात की। उन्होंने शहरों से बाहर जाने वाले भारी मात्रा में प्रयुक्त जल पर प्रकाश डाला, जिसे उपचारित कर औद्योगिक उद्देश्यों, पौधों को पानी देने, फ्लशिंग आदि के लिए पुनः उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर पीसीएमई एम के पोद्दार, मुख्य पर्यावरण अधिकारी आनंद स्वरूप, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

लोकसभा चुनाव 2024

राहुल गांधी ने कर्नाटक में कांग्रेस के प्रदर्शन की समीक्षा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कर्नाटक में हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा की। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने 9 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा और जद (एस), जो एनडीए का हिस्सा है, ने राज्य में क्रमशः 17 और 2 सीटें जीतीं, जिसमें कुल 28 लोकसभा सीटें हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि गांधी ने यहां पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों और हारने वाले उम्मीदवारों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, जो पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख भी हैं, और कर्नाटक के प्रभारी कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी बैठक में मौजूद थे।

नागेंद्र का इस्तीफा पर्याप्त नहीं

मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच करायी जानी चाहिए: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि वित्त विभाग संभालने वाले मुख्यमंत्री द्वारा वाल्मिकी विकास निगम के बड़े घोटाले पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसलिए मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच करायी जानी चाहिए। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अकेले नागेंद्र का इस्तीफा पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को भी जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। गुरुवार तक हमारा संघर्ष कांग्रेस सरकार के घोटालों के खिलाफ था। यह अभी भी चल रहा है। वाल्मिकी विकास निगम का 187 करोड़ का घोटाला है। इसने कोई टेंडर नहीं दिया है।

उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्होंने एक अलग खाता खोला है और इसे हैदराबाद में स्थानांतरित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह पैसा क्यों ट्रांसफर किया गया इसका जवाब न तो सरकार के पास है और न ही निगम के पास।

इस बात की गहन जांच होनी चाहिए कि कहीं यह राशि चुनावी उपयोग के लिए हस्तांतरित तो नहीं की गई। एक तरफ एसआईटी जांच हो चुकी है और यूनियन बैंक के पत्र पर सीबीआई ने भी मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। एक ही मामले की जांच दो एजेंसियां नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया सरकार मामले को रफा-दफा करने में जुटी है। उन्होंने बताया कि हमारे संघर्ष और राज्यपाल से मुलाकात के दबाव के बाद नागेंद्र ने इस्तीफा दिया है।

क्या अन्य निगमों का भी यही हाल है?

चलवाडी नारायणस्वामी ने पूछा कि किस कारण से खोले गए खाते? आपने इन तेलंगाना खातों में पैसे क्यों ट्रांसफर किए?

जमुई में साड़ी शोरूम में लगी भीषण आग

80 लाख से अधिक की संपत्ति जली तीन दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

मुंगेर (एजेंसियां)।
बिहार के जमुई जिले में अर्पित साड़ी शोरूम में बीती रात एक बजे के आसपास अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो मंजिला मकान सहित शृंगार और साड़ी शोरूम में रखा सारा समान जलकर राख हो गया। आग लगने से 80 लाख का सामान जलने की बात कही जा रही है। यह घटना चंद्रदीप थाना क्षेत्र के मेन रोड अलीगंज बाजार की है। घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। बताया जा रहा है कि सूचना के डेढ़ घंटे बाद पहुंचकर दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि आग लगने के कुछ ही क्षणों में इतनी तेजी से फैलने लगी कि घर वालों को कुछ समझ में नहीं आया। देखते-देखते आग ने

विकराल रूप ले लिया और नीचे से दो मंजिल तक पूरी तरह से फैल गई। कपड़ा शोरूम होने की वजह से आग ने तेजी से पूरे मकान को अपनी जद में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेजी से उठने लगीं कि लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग भयभीत होने लगे कि कहीं बगल के घरों में भी आग न फैल जाए।

वहीं, स्थनीय लोगों द्वारा प्रशासन की मदद से अग्निशामक वाहन को सूचना दी गई। लेकिन अग्निशामक वाहन सूचना के डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंचे। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। कुल तीन अग्निशामक वाहनों द्वारा चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक पूरी दुकान सहित दो मंजिला मकान में रखा 80 लाख की कीमत से अधिक का समान जलकर राख हो गया।

शोरूम के मालिक रंजन कुमार ने बताया रात को पूरा परिवार सो रहा था। उसी दौरान अचानक शृंगार की दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से ऊपर दो मंजिल पर भी आग पहुंच गई और साड़ी के शोरूम समेत घर को अपने चपेट में ले लिया। देखते-देखते नीचे से दो मंजिल तक शोरूम सहित पूरे घर की सारी संपत्ति जलकर राख हो गई।

इसके बाद मौके पर चंद्रदीप डायल 112 पुलिस और दो जिलों के तीन अग्निशामक वाहन पहुंचे। लेकिन दमकल टीम द्वारा पानी की कमी के कारण करीब चार घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं, घटना को लेकर पीड़ित परिवार पूरी तरह सदमे में है।

दरभंगा में फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के दो आरोपी गिरफ्तार

निगम की मुहर सहित कई सामान बरामद

दरभंगा (एजेंसियां)।
बिहार के दरभंगा जिले के सदर प्रखंड कार्यालय परिसर के एक जर्जर मकान में महीनों से आधार कार्ड बनाने की आड़ में फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों गिरफ्तार किया है। इस धंधे का संचालन एक फर्जी कंपनी द्वारा फर्जी जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार करके आधार कार्ड बनाया जा रहा था। पकड़े गए दोनों आरोपी सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में आधार कार्ड बनाने का काम किया करते थे। गिरफ्तार आरोपियो की पहचान बहेड़ी थाना क्षेत्र के उफराहा गांव निवासी ललित प्रसाद देव के बेटे गौतम कुमार और उसके साथी हेमलाल देव के बेटे सुमन कुमार के तौर पर हुई है। सदर थाना पुलिस दोनों से पूछताछ कर पूरे रैकेट की जानकारी जुटाने

में लगी है।

जानकारी के मुताबिक, सदर थाना पुलिस के दिवा गश्ती दल को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रखंड कार्यालय स्थित परिसर में एक एनजीओ कंपनी द्वारा गलत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। सूचना पर गश्ती दल की पुलिस बताए गए स्थल पर पहुंची। उन्होंने वहां बैठे दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से बरामद थैले से नगर निगम कार्यालय की मोहर, ढेरों फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, एक प्रिंटर, की-बोर्ड, स्मार्ट मोबाइल फोन और एक आइफोन सहित एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। वहीं, सामन बरामदगी के साक्ष्य के रूप में प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी पवन कुमार सिंह और नाजीर आशुतोष कुमार ने अपना हस्ताक्षर किए।

बताया जा रहा है कि यह कंपनी विभिन्न प्रखंडों में अपनी सेवाएं दे रही है। वहीं, फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके आधार कार्ड बनवाने के मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे सरकारी तंत्र की सुरक्षा और प्रामाणिकता पर सवालिया निशान लग गया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में यह भी पता चला है कि इस गैर कानूनी धंधे में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस अब उन सभी संदिग्धों की तलाश में जुटी है, जो इस रैकेट का हिस्सा हो सकते हैं। वहीं, लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इस तरह की और भी गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। ताकि इस प्रकार के अपराधों पर पूरी तरह से लगाम लगाई जा सके।

इधर, सदर थानाध्यक्ष अमृत कुमार साह ने बताया कि लोगों की सूचना पर पुलिस ने त्वरित छापेमारी की। उसके बाद पुलिस ने प्रखंड कार्यालय परिसर से दो लोगों को ढेर सारे फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और नगर निगम के कई मुहर सहित गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

जीत के एक दिन बाद एक्शन में दिखे नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव

देर रात पूर्णिया जीएमसीएच का किया निरीक्षण

पूर्णिया (एजेंसियां)।
नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव पूर्णिया मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल (जीएमसीएच) में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में डॉक्टर से जानकारी ली। इमरजेंसी वार्ड, डॉक्टर चेंबर, नर्स रूम, सर्जिकल वार्ड समेत अस्पताल के अन्य हिस्सा का निरीक्षण किया। इस दौरान मरीज के परिजनों को फर्श पर देख नाराजगी जताई। वार्ड में गंदगी भी देखी। जब पप्पू यादव अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे तो अधिकतर मरीज सो रहे थे, पप्पू यादव की आवाज सुनकर सभी जाग गए। पप्पू यादव ने मरीजों से उनका हालचाल जाना। उन्होंने करीब 1 घंटे तक अस्पताल की व्यवस्था जानी। बता दें पप्पू यादव निरीक्षण के दौरान पहले इमरजेंसी वार्ड के डॉक्टर चेंबर में गए। इसके बाद वे नर्स रूम का निरीक्षण करने पहुंचे। जब वे वार्डों में पहुंचे तो देखा मरीज बेड पर और उनके परिजन फर्श पर लेटे हैं।

मरीज और उनके परिजनों की ओर से मिली शिकायतों को जल्द से जल्द दूर करने का भरोसा दिया। पप्पू यादव ने कहा कि भले ही सदर अस्पताल को जीएमसीएच के रूप में अपग्रेड कर दिया गया हो, मगर यहां के हालात बेहद खराब हैं। वार्ड से लेकर बाथरूम तक गए। वार्ड में गंदगी पाई गई। बाथरूम बदतर हाल में मिले। पर्याप्त साफ-सफाई की जरूरत है। साथ ही कई दवाइयों की कमी है। ये दवाइयां उपलब्ध न होने की वजह से लोगों को बाहर से खरीदनी पड़ रही है।

लोजपा-रामविलास की संसदीय दल की बैठक

पार्टी के पांच सांसदों ने चिराग पासवान को चुना नेता

पटना (एजेंसियां)।
लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख व हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद चिराग पासवान को उनकी पार्टी ने संसदीय दल का नेता चुन चिया है। शुक्रवार सुबह दिल्ली में लोजपा (रामविलास) के नेताओं के बीच बैठक हुई। इसके बाद सर्वसम्मति से चिराग पासवान को संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय प्रधान सचिव अब्दुल खालिक ने लेटर जारी कर यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि बैठक में चिराग पासवान, वीणा देवी, शांभवी चौधरी, अरुण भारती और राजेश वर्मा उपस्थित थे। सभी ने चिराग को दल का नेता चुन लिया।

बता दें कि दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक में शामिल होने के बाद

चिराग पासवान ने कहा था कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही एनडीए को प्रचंड बहुमत मिली है। एनडीए के घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकारा है। चिराग ने यह भी कहा कि किसी को कोई ऑफर नहीं मिल रहा है। एनडीए एकजुट है। अब वे दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए का हर एक घटक दल मजबूती से सरकार बनाएगा। शपथ लेने की तैयारी है।

बता दें कि इस लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी के हनुमान चिराग पासवान और उनकी पार्टी पर सबकी निगाहें टिकी थीं। चुनाव परिणाम आया तो चिराग पासवान और उनकी पार्टी ने फिर से सबको चौंका दिया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस बार हाजीपुर, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही थी। पांचों सीटों पर इनके प्रत्याशी भारी मतों से जीत हासिल की। सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट लाकर चिराग ने सबसे चौंका दिया। चर्चा है कि मोदी के करीबी चिराग पासवान को केंद्रीय मंत्रिमंडल में बड़ी जिम्मेवारी मिल सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com